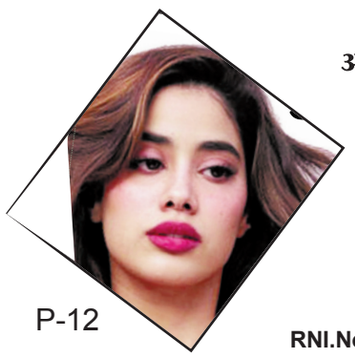
P-12

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इंसाफ़ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

RNI.No. : DELMUL/2012/47011

P-12

www.timesofpedia.com

वर्ष : 14 | अकं: 12 | नई दिल्ली, रविवार , 12 अप्रैल 2026 | Email.timesofpedia@gmail.com | पृष्ठ: 12 | मूल्य : 01 ./-

संक्षिप्त समाचार

स्लीपर मॉड्यूल बनाने की तैयारी में थे आतंकी

● पाकिस्तान में बैठे आकाओं के इशारों पर कर रहे थे युवाओं की भर्ती

बिजनौर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में आतंकी गतिविधियों में शामिल उबैद मलिक और जलाल हैदर उर्फ समीर को यूपी एटीएस ने गिरफ्तार किया है। वहीं, विदेश में बैठे मेरठ निवासी आकिब समेत बिजनौर के मैजुल और आजाद के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश के अनुसार, पकड़े गए आरोपी सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को भर्ती करने और संगठित नेटवर्क बनाने का काम कर रहे थे। मामले में गुजरात कनेक्शन सामने आया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, उबैद नेपाल भागकर वहां एक बड़ा आतंकी नेटवर्क खड़ा करने की फिराक था। उबैद

को सऊदी अरब में बैठे आजाद ने नेपाल भागने की सलाह दी थी, जिससे वह पुलिस से बच सके। नेपाल में बैठकर भारत में स्लीपर मॉड्यूल तैयार करने की योजना थी। अमिताभ यश ने बताया कि तीन साल पहले काम के सिलसिले में उबैद गुजरात गया था। गुजरात में ही उबैद का जलाल से संपर्क हुआ। जलाल हैदर ने ही दुबई में आकिब और मैजुल से उबैद की वीडियो कॉल पर बात कराई थी। कट्टरपंथी और देश-विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए युवाओं की भर्ती की जा रही थी। साथ ही संगठित नेटवर्क बनाया जा रहा था। जांच में खुलासा हुआ कि दुबई में बैठे यूपी पुलिस के वॉन्टेड आजाद ने उबैद को नेपाल बागने की सलाह दी थी।

वंदे भारत में पत्थरबाजी करने वालों की अब खैर नहीं!

● रेलवे स्टेशन पर लगेंगी फोटो, यूपी में सख्त ऐक्शन की तैयारी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के में वंदे भारत ट्रेन पर अब पत्थरबाजी करने वालों की खैर नहीं होगी। उनकी फोटो रेलवे स्टेशनों पर चस्पा की जाएगी। यह कदम पत्थरबाजी की घटनाओं को रोकने के लिए उठाया गया है। उत्तर प्रदेश में वंदे भारत ट्रेन पर पत्थरबाजी की 2023 से अब तक पांच घटनाएं सामने आ चुकी हैं। पकड़े आरोपियों ने जो वजहें बताई हैं, वो बहुत ही चौंका देने वाली हैं। डोमिनगढ़ के पास पत्थर चलाने वाले आरोपी ने बताया कि वह देखना चाहता था कि पत्थर चलाने के बाद वंदे भारत का शीशा कैसा दिखेगा। तरंग क्रासिंग के पास पत्थरबाजी करने वाले ने कहा कि वह एक साइड से दूसरी साइड नहीं

जा पा रहा था, इसलिए पत्थर चलाया था। बता दें कि ट्रेन के इंजनों को कवच सिस्टम से लैस करने का काम शुरू हो गया है। गोरखपुर लोको शेड में दो इंजन कवच लगा दिए गए हैं। यह इंजन ट्रायल रन में पास हो गया है। पहले फेज में एनईआर ने 213 उपकरण आवंटित किए गए हैं। 213 कवच में से गोरखपुर लोको शेड को 60, गोंडा लोको शेड को 95 और सैदपुर लोको शेड को 58 उपकरण दिए गए हैं।

बाराबंकी से छपरा रेल रूट कवच से लैस होगा- वहीं, बाराबंकी से छपरा के बीच टावर लगाने का काम तेजी चल रहा है। जल्द ही बाराबंकी से गोरखपुर होकर छपरा रेल रूट कवच (स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली) से लैस होगा।

वाह! मिडिल ईस्ट संकट के बीच एक और खुशखबरी

312 और भारतीय ईरान से निकले सुरक्षित,जयशंकर ने बताया इस दोस्त ने की मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच भले ही अभी दो हफ्ते का युद्धविराम है, बावजूद इसके मिडिल ईस्ट में संकट टला नहीं है। तनावपूर्ण हालात बने हुए हैं। ऐसे में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अहम अपडेट दिया है। उन्होंने शनिवार को बताया कि 312 और भारतीय मछुआरों को ईरान से सुरक्षित निकाला गया है। इन भारतीय मछुआरों को आर्मेनिया के रास्ते सकुशल भारत लाया गया। उन्होंने इसे मुमकिन बनाने के लिए आर्मेनिया सरकार को धन्यवाद भी दिया। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने लिखा, 312 और भारतीय मछुआरों को आर्मेनिया के रास्ते ईरान से सुरक्षित भारत लाया गया। इसे मुमकिन बनाने के लिए आर्मेनिया सरकार और मेरे दोस्त अरारत मिर्जोयान का शुक्रिया। इससे पहले 5 अप्रैल को पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच ईरान में फंसे कुल 345 भारतीय मछुआरों को आर्मेनिया के रास्ते सुरक्षित चेन्नई लाया गया था। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, संघर्ष वाले इलाके में अपने नागरिकों की सुरक्षा पक्का करने की भारत की लगातार कोशिशों के तहत मछुआरों को वापस लाया गया। विदेश मंत्री जयशंकर ने उस समय भी एक सोशल मीडिया पोस्ट में आर्मेनिया की सरकार का शुक्रिया अदा किया था और लड़ाई के बीच ईरान से भारत में भारतीय नागरिकों के सुरक्षित ट्रांजिट को मुमकिन बनाने के लिए अपने काउंटरपार्ट अरारत मिर्जोयान को धन्यवाद दिया था।

आर्मेनिया लगातार भारतीयों को निकालने में कर रहा मदद

आर्मेनिया ईरान में भारतीय नागरिकों को निकालने में मदद कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि ईरान से 1,200 से ज्यादा भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया है, जिनमें से 996 आर्मेनिया चले गए। इस बीच, खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव को सुलझाने के मकसद से बातचीत के लिए अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंच गए। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, अमेरिका-ईरान की जरूरी बातचीत के लिए अमेरिकी डेलीगेशन का नेतृत्व कर रहे।

सत्ता में आते ही लेफ्ट की कार्बन कॉपी बन गई टीएमसी

● मुर्शिदाबाद में बोले पीएम मोदी, बंगाल सरकार और ममता बनर्जी को घेरा

कहा-बंगाल में लुटेरों का हिसाब होगा और घुसपैठियों को खदेड़ा जाएगा

कोलकाता (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को टीएमसी सरकार पर जोरदार प्रहार करते हुए कहा कि बंगाल में वह मां, माटी, मानुष का नारा लगाकर सत्ता में आई थी, लेकिन अब घुसपैठियों द्वारा, घुसपैठियों के वोट से, घुसपैठियों की सरकार बनाना चाहती है।

मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले के जंगीपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि बंगाल अब तुष्टीकरण और वोटबैंक के खेल को और बर्दाश्त नहीं करेगा।

बंगाल में अब डर या भय का नहीं, अवसर का युग आएगा- राज्य में घुसपैठ व डेमोग्राफी में तेजी से बदलाव पर चिंता जताते हुए मोदी ने कहा कि हम बंगाल में बंगालियों को अल्पसंख्यक नहीं बनने देंगे।

पीएम मोदी ने किया टीएमसी पर हमला

वहीं, पूर्वी बर्धमान में रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने टीएमसी की सरकार को निर्मम करार दिया और लोगों से इसे उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बर्धमान बंगाल का धान का कटोरा हुआ करता था, टीएमसी के कुशासन और माफिया राज के कारण आज अपनी चमक खो चुका है। उन्होंने कहा कि बंगाल के किसानों के खाते में 800 करोड़ दिए हैं। यदि कोई फर्जी आधार कार्ड बनाता है तो वह किसानों का हक मार लेगा। उन्होंने कहा कि बंगाल भाजपा ने जो घोषणा पत्र जारी किया है वह शानदार है और बंगाल में भाजपा की सरकार बनते ही इसे लागू कर दिया जाएगा।

टीएमसी का अहंकार भी चूर-चूर होगा

आजादी की लड़ाई से लेकर आजादी के बाद तक, जिस-जिसने बंगाल को चुनौती दी, उसका अहंकार चूर-चूर हो गया। पहले अंग्रेजों का अहंकार टूटा, फिर कांग्रेस का अहंकार टूटा, फिर लेफ्ट का अहंकार टूटा, अब टीएमसी का अहंकार भी चूर-चूर होगा। मोदी ने कहा कि बंगाल की जनता ने लेफ्ट को निकाला। बड़ी आशा और उमंग के साथ मां, माटी, मानुष की बातें सुनकर टीएमसी को मौका दिया, लेकिन सत्ता में आते ही तृणमूल, लेफ्ट की कार्बन कापी बन गई। लेफ्ट के गुंडे तृणमूल में आ गए। लेफ्ट का सिंडिकेट तृणमूल में आ गया। पहले वोट के लिए लेफ्ट वाले धमकी देते थे, फिर वही गुंडे टीएमसी को वोट देने के लिए धमकी देने लगे। हथियार, नशे, मवेशियों की तस्करी, लेफ्ट का कट-कमीशन... सबका ठेका टीएमसी ने ले लिया है। मोदी ने कहा कि बंगाल में अब एक और एम्स, आईआईटी और आईआईएम जैसे संस्थान भी बनेंगे, ताकि हमारे युवाओं को घर के पास ही अच्छी शिक्षा मिल सके। बंगाल में भ्रष्टाचारियों को बचाने वाले सावधान हो जाओ।

इस्तीफे से पहले ही सीएम हाउस खाली कर रहे नीतिश कुमार

● 7 सर्कुलर रोड बंगले में शिफ्ट हो रहा सामान,लालू के पड़ोसी बनेंगे

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतिश कुमार इस्तीफे से पहले सीएम हाउस खाली कर रहे हैं। 1 अणे मार्ग से सामान 7 सर्कुलर रोड बंगले में शिफ्ट हो रहा है। मुख्यमंत्री आवास से ट्रैक्टर ट्रॉली में सामान बाहर ले जाया जा रहा है। नीतिश कुमार ने 10 अप्रैल को राज्यसभा सांसद की शपथ ली। सूत्रों की मानें तो नीतिश 14 अप्रैल को सीएम पद से इस्तीफा दे सकते हैं। 15 अप्रैल को बिहार में नई सरकार बन सकती है। सीएम पद से हटने के बाद नीतिश कुमार लालू यादव के पड़ोसी बन जाएंगे। वह दिल्ली तो जा रहे हैं, लेकिन बिहार में अपना ठिकाना नहीं छोड़ेंगे। 7 सर्कुलर रोड आवास का इस्तेमाल अभी नीतिश कुमार ही कर रहे हैं। इसे सीएम ऑफिस के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। नीतिश ने अपनी देखरेख में इस बंगले को बनवाया था। ये भूकंप के झटके झेल सकता है। लॉन में कोलकाता से मंगाकर घास लगाई गई है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों को मिली बड़ी सफलता

● हथियारों के साथ 1800 किलो पोस्ता दाना बरामद; दो गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चुराचांदपुर जिले से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से हथियारों के साथ 36 बोरे पोस्ता दाना (करीब 1800 किलो) और दो वाहन बरामद किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, बरामद हथियारों में एक माडिफाइड कार्बाइन और एक नौ एमएम पिस्टल शामिल है। इसी के साथ चंदेल जिले के जंगल में चलाए गए एक अलग अभियान में सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की। इसमें एक एके-47 राइफल, चार देसी बंदूकें, कई मैगजीन, सात मोर्टार, करीब चार किलो आइईडी बनाने का सामान और पांच वाकी-टाकी सेट शामिल हैं।

'खवातीन' आतंकी विंग का खतरनाक प्लान एक्सपोज

● आईएसआई से लिंक और मिले जाकिर नाइक के वीडियो ● हैदराबाद की महिला इन्फ्लुएंसर गिरफ्तार,अब होगी पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश पुलिस ने एक अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल में कथित भूमिका के लिए हैदराबाद की रहने वाले एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को गिरफ्तार किया है। वह एक सिंगल मदर है और उसके इंस्टाग्राम पर 38,000 फॉलोअर्स हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि वह कई राज्यों में युवाओं को ऑनलाइन कट्टरपंथी बनाने और उनकी भर्ती करने में शामिल थी। 25 मार्च तो सईदा को गिरफ्तार करने के बाद, विजयवाड़ा पुलिस के पता चला कि कथित तौर पर 'खवातीन' नाम के एक आतंकी संगठन की एक अलग महिला विंग बनाने और उसे उसकी लीडर बनाने की योजना थी। इस योजना के तहत भर्ती की गई महिलाओं को पूरे भारत में हमले के करने के लिए हथियार, बंदूकें और विस्फोटकों के इस्तेमाल की ट्रेनिंग दी जानी थी। सईदा, जो एक घरेलू सहायिका थी, वह आतंकियों की मदद कर रही थी।

लादेन और जाकिर नाइक के कट्टरपंथी वीडियो मिले

एजेंसी के अनुसार, सईदा उन ऑनलाइन ग्रुप्स की एक ऐक्टिव मेंबर थी जो अल-कायदा के आतंकी ओसामा बिन लादेन के वीडियो और जाकिर नाइक और इसरार अहमद जैसे कट्टरपंथी इस्लामी उपदेशकों के भाषणों को बढ़ावा देते थे। इसमें यह भी बताया गया है कि ये ऑनलाइन ग्रुप आईएसआई और लश्कर से जुड़ी सामग्री और वीडियो फैलाते थे। एक खुफिया अधिकारी ने बताया कि एक ग्रुप के साथ सईदा काम कर रही थी।

सईदा ने पुलिस के आरोपों से किया इनकार

सईदा ने पुलिस द्वारा लगाए गए सभी आरोपों से इनकार किया है, और उसके वकील का कहना है कि उसने ये ग्रुप नहीं बनाए थे, बल्कि उसे बिना उसकी जानकारी के इन ग्रुप्स में जोड़ दिया गया था। पुलिस के अनुसार, सईदा ने उन्हें बताया कि लगभग 7-8 महीने पहले उसे इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर एक लिंक मिला था।

होर्मुज स्ट्रेट पर नया संकट, फंस गया ईरान!

● अपनी ही बिछाई समुद्री माइंस नहीं खोज पा रहा शियादेश ● जहाजों के लिए बढ़ गया खतरा,आईआरजीसी की चेतावनी

तेहरान (एजेंसी)। पहले से ही तनावपूर्ण जियोपॉलिटिकल माहौल में एक नई मुश्किल खड़ी हो गई है। खबर है कि अब ईरान खुद भी होर्मुज स्ट्रेट के अहम जलमार्ग को पूरी तरह से खोल नहीं पा रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि ईरान इस अहम शिपिंग कॉरिडोर में लगाई गई समुद्री माइंस का पता नहीं लगा रहा है और न उसके पास उन्हें तेजी से हटाने की क्षमता है। ईरानी सेना ने हाल की लड़ाई के दौरान होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री माइंस लगा दी थी। इसके चलते समुद्री सुरक्षा और तेल सप्लाई को लेकर गंभीर स्थिति पैदा हो गई है। इस घटनाक्रम से पाकिस्तान में वॉशिंगनट और तेहरान के बीच होने वाली बातचीत पेचीदा हो सकती है। उम्मीद है कि इस्लामाबाद में यह मुद्दा उठेगा, जहां दोनों पक्षों के प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए पहुंचे हैं। इस बातचीत में अमेरिका की तरफ से जेडी वेंस और ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतत्व मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ने वाला होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे जरूरी तेल ट्रांजिट रास्तों में से एक है। यहां से दुनिया भर के तेल शिपमेंट का लगभग पांचवां हिस्सा जाता है। भारत जैसे देशों के लिए, यह निर्भरता और भी ज्यादा है,

क्योंकि उसके एनर्जी इंपोर्ट का एक बड़ा हिस्सा इसी पतले चैनल से होकर गुजरता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने पिछले महीने छोटी नावों का इस्तेमाल करके माइंस लगाई थीं; यह तेहरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर बढ़ते तनाव के बीच यूएस और इजरायल के जॉइंट एयरस्ट्राइक के तुरंत बाद हुआ था। हालांकि, अब अधिकारियों का मानना है कि माइनिंग ऑपरेशन को शायद सिस्टमैटिक तरीके से डॉक्यूमेंट नहीं किया गया होगा। कुछ डिवाइस, रिकॉर्ड होने पर भी, इस तरह से लगाए गए थे कि वे इधर-उधर बहते रहे, जिससे उनका पता लगाना और हटाना काफी मुश्किल हो गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, यूएस अधिकारियों ने माइनिंग की कोशिश को बेतरतीब बताया और कमर्शियल शिपिंग के खतरों की ओर ध्यान दिलाया। इस स्थिति ने डिप्लोमैटिक कोशिशों, खासकर वाशिंगटन और तेहरान के बीच इस्लामाबाद में चल रही अति अहम बातचीत पर भी असर डाला है।

आईआरजीसी ने जहाजों को दी है चेतावनी

रिपोर्ट में कहा गया है, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने चेतावनी जारी की थी कि स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाज समुद्री माइन से टकरा सकते हैं। हालांकि, इसने टोल देने वाले जहाजों के आने-जाने के लिए दूसरा रास्ता खुला छोड़ दिया है। चिंताओं को और बढ़ाते हुए, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने जहाजों को संभावित खतरे की चेतावनी देते हुए एक पब्लिक एडवाइजरी जारी की है। आईआरजीसी ने एक बयान में कहा, होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले सभी जहाजों को यह बताया जाता है कि समुद्री सुरक्षा के नियमों का पालन करने और समुद्री माइन के संभावित टकराव से बचने के लिएज उन्हें होर्मुज स्ट्रेट में ट्रैफिक के लिए दूसरे रास्ते अपनाने की सलाह दी जाती है। हालांकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तय डेडलाइन से ठीक पहले ईरान ने सीजफायर के बाद स्ट्रेट को फिर से खोलने की सहमति दी, लेकिन माइंस को तेजी से साफ न कर पाने की वजह से नॉर्मल शिपिंग ऑपरेशन को पूरी तरह से फिर से शुरू करने में देरी हुई है। अधिकारियों ने इसके बजाय रिस्क कम करने के लिए दूसरे नेविगेशन रूट सुझाए हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

किशोर आक्रामकता एवं हिंसा पर अंकुश लगाने की पहल हो

ललित गर्ग

यदि एक किशोर अपराध की राह पर जाता है, तो उसमें कहीं न कहीं परिवार, समाज, शिक्षा और व्यवस्था की भी जिम्मेदारी होती है। आज आवश्यकता है एक समन्वित और संवेदनशील दृष्टिकोण की, जिसमें सरकार, समाज, परिवार और शिक्षा संस्थाएं मिलकर कार्य करें। केवल दंड से नहीं, बल्कि संवाद, संस्कार और सकारात्मक मार्गदर्शन से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है।

भारतीय किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से किशोरों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में किशोरों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। बदलते समय के साथ समाज के व्यवहार में आई यह हिंसक तीव्रता और आक्रामकता अब केवल वयस्कों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका सबसे चिंताजनक प्रभाव किशोर पीढ़ी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना ज्यादा परेशान करने वाला है। हाल के वर्षों में किशोरों द्वारा किए गए अपराधों की संख्या और उनकी क्रूरता ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह गया, बल्कि यह सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्यों, शिक्षा व्यवस्था और सांस्कृतिक प्रभावों के गहरे संकट का संकेतक बन चुका है। दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में मात्र चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की नृशंस हत्या, जिसमें तीन किशोरों ने बेरहमी से चाकू घोंपे और चौथा उसका वीडियो बनाता रहा, इस विकृति का भयावह उदाहरण है। यह घटना केवल एक हत्या नहीं, बल्कि संवेदनाओं के क्षरण, नैतिकता के पतन और कानून के भय के समाप्त हो जाने का प्रतीक है। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि आखिर किशोरों में यह दुस्साहस और हिंसात्मक प्रवृत्ति कहां से जन्म ले रही है? वस्तुतः, किशोर अपराधों के बढ़ते ग्राफ के पीछे कई परस्पर जुड़े हुए कारण हैं, जिनका विश्लेषण आवश्यक है। सबसे पहला और प्रमुख कारण है पारिवारिक संरचना का विघटन। पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों को दादा-दादी, चाचा-चाची और अन्य सदस्यों के सान्निध्य में नैतिकता, अनुशासन और सामाजिक मर्यादाओं का सहज प्रशिक्षण मिलता था। आज एकल परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता और समयाभाव के कारण बच्चों के साथ संवाद का अभाव हो गया है। परिणामस्वरूप, किशोर अपनी समस्याओं और जिज्ञासाओं का समाधान बाहर ढूंढते हैं, जो कई बार उन्हें गलत दिशा में ले जाता है।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण है डिजिटल और सोशल मीडिया का अनियंत्रित प्रभाव। इंटरनेट ने जहां ज्ञान के द्वार खोले हैं, वहीं अपराध, हिंसा और अश्लीलता से भरी सामग्री भी किशोरों के लिए सहज उपलब्ध कर दी है। फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी धारावाहिकों में हिंसा को जिस प्रकार ग्लैमराइज किया जाता है, वह किशोर मन को प्रभावित करता है। वे अपराध को एक साहसिक कार्य या रोमांच के रूप में देखने लगते हैं। कई बार वे यह भूल जाते हैं कि वास्तविक जीवन में इसके गंभीर और जीवन विनाशक घातक परिणाम होते हैं। तीसरा पहलू शिक्षा व्यवस्था का है। आज शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा और रोजगार तक सीमित हो गया है। नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षण लगभग समाप्त हो गया है। शिक्षकों की भूमिका भी अब मार्गदर्शक की बजाय केवल पाठ्यक्रम पूर्ण करने तक सीमित हो गई है। विद्यालयों में अनुशासन और संवाद का जो वातावरण होना चाहिए, वह धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, समाज में बढ़ती असहिष्णुता और आक्रामकता भी किशोरों को प्रभावित कर रही है। जब वे अपने आसपास छोटे-छोटे विवादों में लोगों को हिंसक होते देखते हैं, तो यह उनके लिए सामान्य व्यवहार बन जाता है। राजनीति, मीडिया और सामाजिक जीवन में बढ़ती कटुता और टकराव की प्रवृत्ति किशोरों के मन में भी उसी प्रकार की प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करती है। किशोर अपराधों के पीछे एक और गंभीर कारण है आपराधिक गिरोहों द्वारा उनका उपयोग। चूंकि कानून में किशोरों के लिए अपेक्षाकृत नरमी होती है, इसलिए अपराधी गिरोह उन्हें अपने कार्यों के लिए मोहरे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति भी किशोरों को अपराध की ओर धकेलती है। नशे की लत पूरी करने के लिए वे चोरी, लूट और यहां तक कि हत्या जैसे गंभीर अपराध करने से भी नहीं हिचकते।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि किशोर न्याय से जुड़े कानूनों का लचीलापन कई बार अपराधियों के लिए सुरक्षा कवच बन जाता है। गंभीर अपराधों में संलिप्त होने के बावजूद किशोरों को शीघ्र रिहा कर दिया जाता है, जिससे उनमें कानून का भय समाप्त हो जाता है। इस संदर्भ में यह बहस भी समय-समय पर उठती रही है कि गंभीर अपराधों में संलिप्त किशोरों के लिए वयस्कों जैसा दंड प्रावधान होना चाहिए या नहीं? हालांकि केवल कानून को कठोर बनाना ही समाधान नहीं है। समस्या की जड़ें कहीं अधिक गहरी हैं और इसके समाधान के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सबसे पहले परिवार को अपनी भूमिका को पुनः समझना होगा। बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना, उनके मानसिक और भावनात्मक विकास पर ध्यान देना और उन्हें सही-गलत का अंतर समझाना अत्यंत आवश्यक है। माता-पिता को यह समझना होगा कि केवल भौतिक सुविधाएं प्रदान करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय और संस्कार देना अधिक महत्वपूर्ण है।

दूसरे, शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। विद्यालयों में नैतिक शिक्षा, जीवन कौशल और व्यवहारिक प्रशिक्षण को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। शिक्षकों को केवल ज्ञान प्रदाता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और प्रेरक की भूमिका निभानी होगी। स्कूलों में काउंसलिंग व्यवस्था को मजबूत करना भी जरूरी है ताकि किशोर अपनी समस्याओं को साझा कर सकें। तीसरे, मीडिया और मनोरंजन उद्योग को भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझनी होगी। हिंसा और अपराध को महिमामंडित करने के बजाय सकारात्मक और प्रेरणादायक सामग्री का निर्माण किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी कंटेंट की निगरानी और नियंत्रण को सख्ती से लागू करना होगा। चौथे, पुलिस और प्रशासन को अपनी कार्यशैली में बदलाव लाना होगा। केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय, अपराध की रोकथाम पर अधिक ध्यान देना होगा। समुदाय आधारित पुलिसिंग, स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम और किशोरों के साथ संवाद जैसी पहलें प्रभावी हो सकती हैं।

ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। मोबाइल व कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बह रहे नीले जहर से किशोर अराजक यौन व्यवहार एवं हिंसक प्रवृत्तियों की तरफ उन्मुख हुए हैं। किशोरों को समझाने वाला कोई नहीं है कि यह रास्ता आत्मघात का है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व ब्रिटेन जैसे देश किशोरों को मोबाइल से दूर रखने हेतु कानून बना रहे हैं। हमारे देश में भी शीर्ष अदालत ने समय-समय पर ऐसी घटनाओं पर तल्ख टिप्पणियां की हैं। क्या इन दर्दनाक घटनाओं से हमारे अभिभावकों, समाज-निमार्ताओं एवं हमारे सत्ताधीशों की आंख खुलेगी? बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी सहम गयी है। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास एवं नयी समाज-व्यवस्था की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी की हत्या तक कर रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

यदि एक किशोर अपराध की राह पर जाता है, तो उसमें कहीं न कहीं परिवार, समाज, शिक्षा और व्यवस्था की भी जिम्मेदारी होती है। आज आवश्यकता है एक समन्वित और संवेदनशील दृष्टिकोण की, जिसमें सरकार, समाज, परिवार और शिक्षा संस्थाएं मिलकर कार्य करें। केवल दंड से नहीं, बल्कि संवाद, संस्कार और सकारात्मक मार्गदर्शन से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह आक्रामकता आने वाली पीढ़ियों के लिए और भी गंभीर संकट का रूप ले सकती है। इसलिए यह समय चेतने का है, सोचने का है और मिलकर समाधान खोजने का है, ताकि हमारी किशोर पीढ़ी हिंसा की राह छोड़कर सृजन और संवेदना के मार्ग पर अग्रसर हो सके।

संपादकीय

समता की आस्था

यह विडंबना ही है कि 21वीं सदी, जिसे ज्ञान की सदी भी कहा जाता है, में किसी व्यक्ति के धार्मिक स्थल विशेष जाने पर वर्ग या लिंगभेद के आधार पर रोक लगे। इस बाबत सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है जिसमें कहा गया कि मंदिरों व मठों में प्रवेश में भेदभाव धर्म के लिये अच्छा नहीं है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की थी। देश की शीर्ष अदालत का मानना था कि मंदिरों और मठों में जाने का अधिकार हर व्यक्ति को मिलना चाहिए। अदालत ने चिंता जतायी कि यदि ऐसा नहीं होता है तो समाज में विभाजन को बढ़ावा मिलेगा। जिसका धर्म विशेष की सर्वस्वीकार्यता पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सात कानूनी सवालों पर विचार कर रही है। जिसमें केरल के बहुचर्चित सबरीमाला मंदिर में दस से पचास साल की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध का मुद्दा भी शामिल है। दरअसल, केरल के कई संगठनों की ओर से शीर्ष अदालत में उपस्थित अधिवक्ता ने दलील दी थी कि संप्रदाय विशेष का मंदिर, इस मामले में प्रवेश की अनुमति और पूजापाठ की इजाजत एक संप्रदाय विशेष तक सीमित रख सकता है। इस प्रसंग में पीठ की न्यायाधीश बीवी नागरत्ना ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को मंदिर और मठ में प्रवेश का अधिकार मिलना चाहिए। किसी को रोका जाना हिंदू धर्म के लिए अच्छी परंपरा नहीं है। दूसरे शब्दों में इसका धर्म पर बुरा असर नहीं पड़ना चाहिए। निश्चित रूप से देशकाल व परिस्थितियों के अनुसार देश के कानून व संविधान में भी परिवर्तन किए गए हैं। ऐसा में आस्था स्थलों से जुड़ी मान्यताओं व परंपराओं पर भी तर्कशील ढंग से विचार किया जाना जरूरी है। यह किसी भी समाज में समतामूलक सोच के विस्तार के लिये अपरिहार्य शर्त होनी चाहिए। इस दिशा में उदार सोच समय की जरूरत है। इसमें दो राय नहीं कि हमारे धार्मिक स्थल हमारी आध्यात्मिक दृष्टि को समृद्ध करने में अहम भूमिका निभाते हैं। धार्मिक होने का मतलब है ममता-समता और लोककल्याण से जुड़ी व्यापक दृष्टि का होना। श्रद्धालु किसी भी धार्मिक स्थल में मन की शांति और सुकून के लिये जाते हैं। इस बात से सहमत नहीं हुआ जा सकता है कि पूजा पद्धति व धार्मिक स्थल में प्रवेश रोकने पर हमारे आराध्य प्रसन्न होंगे। पौराणिक प्रसंगों में ऐसे उदाहरण नहीं मिलते हैं जब धरती पर अवतार लेने वाले देवताओं ने किसी वंचित समाज के व्यक्ति और महिलाओं को लेकर किसी तरह के भेदभाव को प्रश्रय दिया हो।

चिंतन-मनन

कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं

आज की चिंतनधारा में संन्यास और कर्मयोग को अलग-अलग करके देखा जा रहा है। महर्षि अरविंद ने अपने साधना-प्रम में संन्यास को कोई स्थान नहीं दिया। उन्होंने कर्मयोग का ही विधान किया। इसी प्रकार कई विचारधाराएं तो संन्यास-विरोधी भी हो गई हैं। किंतु मैं संन्यास और कर्मयोग में कोई विरोध नहीं देखता। मेरे अभिमत से कर्मयोग से साधना का प्रारंभ होता है और संन्यास उसकी चरम अवस्था है। देहमुक्त अवस्था को प्राप्त करने के लिए संन्यास की स्वीकृति अनिवार्य है और संन्यास तक पहुंचने के लिए कर्मयोग की साधना से गुजरना अनिवार्य है। कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं और संन्यास के बिना मुक्ति नहीं। फिर दोनों में विरोध कैसे हो सकता है। संन्यास से मेरा मतलब किसी वेशभूषा से नहीं है। वह तो मात्र संन्यास की परिचायक है। उससे न केवल औरों को संन्यास का परिचय मिलता है, स्वयं साधक को भी अपनी साधना का भान रहता है। भगवान महावीर ने श्रमण-वेशधारण के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि संयम यात्रा के वहन के लिए तथा मुनि-स्वरूप के ग्रहण के लिए लोक में साधु-वेश का प्रयोजन है। इससे साधक को अपनी साधना का प्रतिपल ध्यान रहता है। इस प्रकार साधु-वेश का भी अपना महत्व और उपयोग है। किंतु संन्यास से यहां मेरा मतलब साधु-वेश से नहीं, आत्मा की उस स्थिति से है जब वह इंद्रिय-जगत से स्वयं ऊपर उठ जाती है। उस स्थिति में आए बिना कोई भी आत्मा अपना लक्ष्य पा नहीं सकती। कर्मयोग की साधना भी अकर्म की अवस्था में से गुजरती हुई साध्य तक पहुंचती है। यदि साधक का मन और इंद्रियां उसके वश में नहीं हैं, वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? यदि उसका मन और इंद्रियां वश में हैं, फिर वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? प्रश्न अरण्य और शहर का नहीं, जितेंद्रियता का है। जितेंद्रिय व्यक्ति के लिए अरण्य और बस्ती में कोई अंतर नहीं रहता।

जस्टिस वर्मा का इस्तीफा सवाल खड़े करने वाला

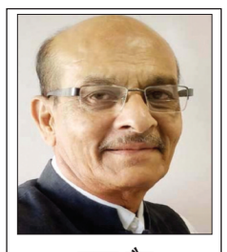

सनत जैन

जस्टिस यशवंत वर्मा ने कैश कांड विवाद और जांच के बीच ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया। दरअसल मार्च 2025 में उनके दिल्ली आवास में आग लगने और जले हुए नोटों के बंडल मिलने के बाद से ही यह मामला सुर्खियां बटोर रहा है। हाल के घटनाक्रम में जस्टिस यशवंत वर्मा का राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को इस्तीफा न्यायपालिका और राजनीति के जटिल संबंधों पर एक बार फिर देश मे नई बहस को जन्म दे दिया है। खास बात यह है कि उनके खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव संसद में लंबित है, इसी बीच उनका इस्तीफा सामने आ गया है। यह स्थिति कई संवैधानिक और नैतिक सवाल खड़े कर रही है। क्या यह इस्तीफा महाभियोग की प्रक्रिया से बचने के लिए जस्टिस यशवंत वर्मा ने दिया है? यशवंत वर्मा ने अपने इस्तीफा में कोई कारण नहीं बताया है। उनका कहना है यह उनका व्यक्तिगत निर्णय है। भारतीय संविधान में न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया बेहद कठोर और दुर्लभ है। महाभियोग के माध्यम से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को हटाने की गंभीर संसदीय प्रक्रिया है। जिसमें जज के खिलाफ आरोपों की जांच और दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है। ऐसे में यदि कोई न्यायाधीश महाभियोग से पहले ही इस्तीफा दे देता है, तो यह प्रक्रिया स्वतः समाप्त हो जाती है। यशवंत वर्मा के इस्तीफे से उनकी पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठने लगे हैं। उनकी स्थिति के बाद अब आरोपों की सत्यता तथा उनके घर से जो जले हुए नोट बरामद हुए थे। उसकी वास्तविकता सार्वजनिक रूप से कभी सामने नहीं आ पायेगी। जब राज्यसभा में महाभियोग का प्रस्ताव पेश हुआ था उस समय के उप राष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति को रातों-रात इस्तीफा देना पड़ा था। सरकार को शक था। इस मामले में पूर्व उपराष्ट्रपति जयदीप धनखड़ ने बिना सरकार को बताए, जो कार्रवाई की उससे सरकार नाराज हो गई थी। जो उनके इस्तीफा का कारण बनी। जस्टिस वर्मा का इस्तीफा भी उसी संदर्भ से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि उनके मामले में परिस्थितियाँ और संवैधानिक स्थिति भिन्न थीं। लेकिन जिस तरीके से उन्होंने अपने स्वास्थ्य कारणों का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था, वह सत्य नहीं था। जस्टिस वर्मा के इस्तीफा के बाद यह साबित हो गया है। उपराष्ट्रपति का इस्तीफा सरकार के दबाव में हुआ था। अब इस्तीफे की बातें छन-छन कर सामने आ रही हैं। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का पद न्यायिक स्वतंत्रता का प्रतीक होता है। दोनों की तुलना एक दूसरे से करना उचित नहीं है। फिर भी समय और परिस्थितियों के कारण राजनीतिक अटकलें लगना स्वाभाविक है।

यह भी उल्लेखनीय है, इस तरह का घटनाक्रम लोकतंत्र की संस्थाओं और उनमें बैठे हुए लोगों के प्रति आम जनता के विश्वास को प्रभावित कर सकता है। इस तरह की घटना से जनता को संदेश जाता है, उच्च पदों पर बैठे लोग अपनी जवाबदेही से बच सकते हैं। जस्टिस वर्मा का इस्तीफा लोकतंत्र के लिए एक चिंताजनक संकेत है। आवश्यक हो जाता है, ऐसी स्थितियों में स्पष्ट नियम और ऐसी प्रक्रिया विकसित की जाए, जिसमे इस्तीफे के बाद भी आरोपों की निष्पक्ष जांच हो सके। जांच में यदि आप सत्य पाए जाएं तो सजा के प्रावधान भी होने चाहिए। यह मामला केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि संस्थागत जवाबदेही का है। न्यायपालिका की गरिमा और संसद की सर्वोच्चता दोनों को संतुलित रखने के लिए संसद को इस तरह के नियम कानून बनाने होंगे, जो न्यायपालिका और जजों की न्याय को लेकर पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, फैसलों की समीक्षा होने तथा गड़बड़ी होने पर कार्यवाही की जा सके, तभी जनता का न्याय पालिका पर विश्वास

मजबूत होगा। जिस तरह से जजों के ऊपर तरह-तरह के आरोप लग रहे हैं, न्याय पालिका की साख को बचाने के लिए निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने पर दंडात्मक कार्यवाही होनी ही चाहिए। तभी लोकतंत्र की नींव मजबूत होगी। न्याय पालिका के कामकाज में सुधार होगा। न्याय पालिका की साख बढ़ेगी। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जिस तरह से न्याय पालिका के ऊपर आरोप लग रहे हैं, उसके लिए स्वतंत्र जांच जरूरी है। यह जाँच संसद भी कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट भी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराकर न्याय पालिका की साख को बढ़ाने का काम करे। आम आदमी को वर्तमान परिदृष्य को देखते हुए यही अपेक्षा है।

आस्था का बाजारीकरण: वीआईपी दर्शन और आम श्रद्धालु की उपेक्षा पर एक गंभीर सवाल

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत जैसे देश में, जहाँ धर्म और आस्था केवल व्यक्तिगत विश्वास का विषय नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, वहाँ मंदिरों और तीर्थ स्थलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। ये स्थान सदियों से समानता, शांति, और आध्यात्मिक संतुलन के प्रतीक माने जाते रहे हैं। 'भगवान के दरबार में सब बराबर हैं'—यह वाक्य केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहरी मान्यता रहा है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में इस मान्यता पर प्रश्नचिह्न लगते दिखाई दे रहे हैं।

देश के कई प्रमुख मंदिरों और तीर्थ स्थलों पर वीआईपी दर्शन, विशेष पूजन-अभिषेक और आरती के नाम पर भारी शुल्क वसूले जा रहे हैं। इन सेवाओं के बदले श्रद्धालुओं को लंबी कतारों से मुक्ति, कम समय में दर्शन, और अधिक सुविधाजनक अनुभव दिया जाता है। पहली नजर में यह व्यवस्था एक विकल्प के रूप में दिखाई देती है, लेकिन जब इसका असर आम श्रद्धालुओं के अनुभव पर पड़ता है, तब यह एक गंभीर सामाजिक समस्या बन जाती है।

आज स्थिति यह है कि एक ओर वे लोग हैं जो अतिरिक्त पैसे देकर कुछ ही मिनटों में आराम से दर्शन कर लेते हैं, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में आम लोग घंटों, कभी-कभी पूरे दिन, कतारों में खड़े रहते हैं। इस दौरान उन्हें भीड़, धक्का-मुक्की, बदतमीजी और कई बार मारपीट जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। यह अनुभव केवल असुविधाजनक नहीं, बल्कि अपमानजनक भी होता है—विशेषकर तब जब व्यक्ति अपनी आस्था और श्रद्धा के साथ वहां पहुंचा हो।

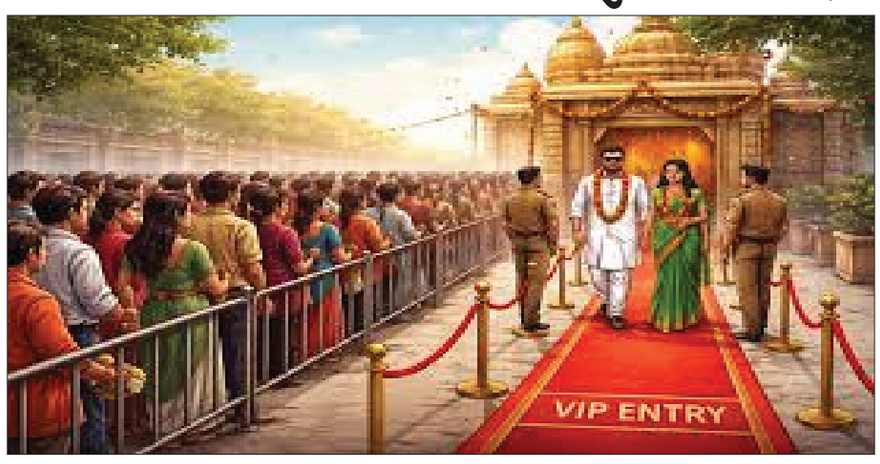

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या आस्था भी अब एक 'प्रीमियम सेवा' बनती जा रही है? क्या भगवान के दर्शन के लिए भी आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव होना चाहिए? यह स्थिति केवल धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज में बढ़ती असमानता का प्रतिबिंब भी है। राशन की दुकानों से लेकर गैस सिलेंडर की लाइन तक, और अब मंदिरों तक—मिडल क्लास और आम आदमी के हिस्से में अक्सर अव्यवस्था और संघर्ष ही आता है।

वीआईपी संस्कृति के पक्ष में तर्क दिया जाता है कि इससे मंदिरों को अतिरिक्त राजस्व मिलता है, जिससे उनकी व्यवस्था और सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सकता है। यह तर्क कुछ हद तक सही भी है। बड़े मंदिरों में रोजाना लाखों श्रद्धालु आते हैं, जिनकी व्यवस्था करना आसान नहीं होता। ऐसे में यदि कुछ लोग अतिरिक्त शुल्क देकर अलग व्यवस्था चाहते हैं, तो उससे प्राप्त धन का उपयोग सार्वजनिक सुविधाओं में किया जा सकता है।

लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब यह व्यवस्था असंतुलित हो जाती है। जब वीआईपी सुविधाएं इतनी अधिक हो जाती हैं कि आम श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध संसाधन और समय कम पड़ने लगते हैं, तब यह एक प्रकार का अन्याय बन जाता है। कई बार देखा गया है कि वीआईपी दर्शन के लिए सामान्य कतारों को रोका जाता है, जिससे आम लोगों का इंतजार और बढ़ जाता है। इससे असंतोष और आक्रोश पैदा होना स्वाभाविक है।

इसके अलावा, मंदिरों में कार्यरत कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों का व्यवहार भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। कई मामलों में आम श्रद्धालुओं के साथ कठोर और अपमानजनक व्यवहार किया जाता है, जबकि वीआईपी लोगों के साथ अत्यधिक विनम्रता दिखाई जाती है। यह दोहरा व्यवहार समाज में पहले से मौजूद वर्ग विभाजन को और गहरा करता है।

धार्मिक स्थलों की मूल भावना पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं होते, बल्कि वे मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन के केंद्र होते हैं। जब वहां पहुंचने वाला व्यक्ति अव्यवस्था, भीड़ और भेदभाव का सामना करता है, तो उसकी आध्यात्मिक अनुभूति प्रभावित होती है। यह अनुभव उसे निराश और हताश कर सकता है।

इस समस्या का समाधान आसान नहीं है, लेकिन असंभव भी नहीं। सबसे पहले, मंदिर प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वीआईपी सेवाओं की संख्या और प्रभाव सीमित रहे। इन सेवाओं का उद्देश्य केवल अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना होना चाहिए, न कि आम श्रद्धालुओं के अधिकारों को कम करना।

दूसरा, भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। ऑनलाइन बुकिंग, टाइम स्लॉट सिस्टम, और डिजिटल कतार प्रबंधन जैसे उपायों से भीड़ को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है। इससे सभी श्रद्धालुओं को एक व्यवस्थित और सम्मानजनक अनुभव मिल सकता है।

तीसरा, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों को संवेदनशीलता और शिष्टाचार का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। हर श्रद्धालु, चाहे वह वीआईपी हो या आम व्यक्ति, सम्मान का पात्र है। यह भावना केवल नीतियों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी दिखाई देनी चाहिए।

चौथा, सरकार और संबंधित ट्रस्टों को इस मुद्दे पर स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए। धार्मिक स्थलों पर समानता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है।

अंततः, यह भी जरूरी है कि समाज स्वयं इस मुद्दे पर जागरूक हो। जब तक लोग इस असमानता को सामान्य मानते रहेंगे, तब तक इसमें बदलाव आना कठिन है। आस्था का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि समानता, करुणा और न्याय जैसे मूल्यों को अपनाना भी है।

आज समय आ गया है कि हम यह सोचें कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। क्या हम ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ भगवान के दर्शन भी पैसे और पहुँच के आधार पर तय होंगे? या हम उस मूल भावना को बचाए रखेंगे, जिसमें हर व्यक्ति को समान अधिकार और सम्मान प्राप्त हो?

मंदिरों की पवित्रता केवल उनकी भव्यता या व्यवस्था से नहीं, बल्कि वहां मिलने वाले अनुभव से तय होती है। यदि वह अनुभव भेदभाव और असमानता से भरा होगा, तो आस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। इसलिए यह जरूरी है कि हम इस मुद्दे को गंभीरता से लें और मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाएं, जहाँ हर श्रद्धालु को यह महसूस हो कि वह वास्तव में भगवान के दरबार में है—जहाँ सब बराबर हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

मानसून से पहले जमीनी स्थिति देखने सड़क पर उतरे मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून को लेकर चल रही तैयारियों का जायजा लेने के लिए शनिवार को पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने राजधानी की प्रमुख सड़कों का निरीक्षण किया। गवर्नमेंट ऑन व्हील्स पहल के तहत दक्षिण दिल्ली के विभिन्न इलाकों में हुए इस निरीक्षण में कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जलभराव वाले क्षेत्रों की समस्या समझी और अधिकारियों को उसका उचित समाधान करने के निर्देश दिए।मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को मूलचंद चौराहा, एम्स चौराहा, छतरपुर मेट्रो क्षेत्र, नेल्सन मंडेला मार्ग, मुनिरका फ्लाईओवर और विवेकानंद मार्ग सहित कई ऐसे अंडरपास का निरीक्षण किया जहां प्रत्येक वर्ष बारिश के दौरान जलभराव की समस्या सामने आती है। मंत्री ने इन जगहों पर अहम बिंदुओं को समझा और वहां चल रहे कार्यों की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि जब आप खुद इन जगहों पर आते हैं, तो स्थिति साफ दिखती है। कहाँ सुधार हुआ है, कहाँ काम धीमा है और कहाँ बारिश के समय दिक्कत आ सकती है।कई जगहों पर मंत्री ने गाड़ी से उतरकर नालों की सफाई, चल रहे डीसिल्टिंग कार्य और सड़कों की स्थिति का निरीक्षण किया। कुछ जगहों पर अधूरी सफाई और संभावित रुकावटें सामने आईं, जिन्हें उन्होने तुरंत ठीक करने के निर्देश दिए। प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि अगर नाले की सफाई अधूरी है या कहीं पानी का रास्ता बंद है, तो पूरा इलाका प्रभावित होता है। अभी हमारा पूरा ध्यान इन कमजोर कड़ियों को समय रहते ठीक करने पर है। खासतौर पर उन इलाकों पर ध्यान दिया जा रहा है जो निचले स्तर पर हैं या जहां अंडरपास हैं। इन जगहों पर थोड़ी सी तेज बारिश भी जलभराव और यातायात बाधा का कारण बन सकती है। इस दौरान अलग-अलग विभागों की मौजूदगी में कई मुद्दों पर चर्चा हुई और जिम्मेदारियां तय की गईं।

मार्च में यमुना की हालत बिगड़ी, प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में यमुना नदी की जल गुणवत्ता को लेकर चिंताजनक स्थिति सामने आई है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की मार्च 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, नदी में प्रदूषण स्तर जनवरी और फरवरी की तुलना में काफी बढ़ गया है। खासतौर पर फीकल कोलीफॉर्म और जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) के स्तर में तेज उछाल दर्ज किया गया है, जो जल की गुणवत्ता में गंभीर गिरावट का संकेत है। रिपोर्ट के मुताबिक, यमुना के विभिन्न निगरानी स्थलों—पल्ला, वजीराबाद, आईएसबीटी पुल, आईटीओ पुल, निजामुद्दीन पुल, हिंडन कट, ओखला बैराज और असगरपुर—से लिए गए नमूनों में प्रदूषण का स्तर अधिक पाया गया। असगरपुर क्षेत्र में फीकल कोलीफॉर्म का स्तर मार्च में चार लाख एमपीएन प्रति 100 मिलीलीटर तक पहुंच गया, जबकि इसकी अधिकतम स्वीकार्य सीमा 2,500 और वांछनीय स्तर 500 है। यह आंकड़ा जनवरी में साढ़े तीन लाख और फरवरी में 92 हजार था, जिससे स्पष्ट है कि प्रदूषण में लगातार वृद्धि हो रही है। जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग यानी बीओडी का स्तर भी अत्यंत चिंताजनक रहा। रिपोर्ट के अनुसार, विभिन्न स्थानों पर बीओडी 2 से 60 मिलीग्राम प्रति लीटर तक दर्ज किया गया, जबकि मानक सीमा अधिकतम 3 मिलीग्राम प्रति लीटर है। असगरपुर में बीओडी 60 मिलीग्राम प्रति लीटर तक पहुंच गया, जो पिछले महीने 34 था। हालांकि आईएसबीटी पुल पर फीकल कोलीफॉर्म स्तर में कुछ सुधार देखने को मिला, लेकिन अधिकांश स्थानों पर स्थिति खराब बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि नदी में बढ़ते प्रदूषण का मुख्य कारण अनुपचारित सीवेज का सीधे जल में मिलना है। इससे न केवल जल गुणवत्ता प्रभावित होती है, बल्कि पर्यावरण और जनस्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ता है। फीकल कोलीफॉर्म की अधिकता पानी में मल प्रदूषण का संकेत देती है, जो इसे उपयोग के लिए असुरक्षित बनाती है। इस बीच पर्यावरण विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने रिपोर्ट जारी करने में देरी पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि मानसून के बाद जब नदी में जल प्रवाह कम हो जाता है, तब प्रदूषण तेजी से बढ़ता है, ऐसे में नियमित निगरानी और त्वरित डेटा उपलब्ध कराना बेहद आवश्यक है। समिति द्वारा ड्रेनों का मार्च माह का आंकड़ा जारी कर दिया गया है, लेकिन सीवेज शोधन संयंत्रों का डेटा अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यमुना की स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है। इसके लिए सीवेज प्रबंधन में सुधार, निगरानी तंत्र को मजबूत करने और प्रदूषण नियंत्रण उपायों को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता है।

झील पार्क हत्याकांड : युवक की बेरहमी से हत्या, नाबालिग समेत तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के वेलकम थाना क्षेत्र स्थित झील पार्क में एक युवक की निर्मम हत्या का मामला सामने आया है। युवक पर पहले चाकू से हमला किया गया और बाद में उसका सिर कुचल दिया गया। पुलिस ने इस सनसनीखेज वारदात में एक नाबालिग सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान मोहम्मद शमीम (21) निवासी लकड़ी मार्केट, वेलकम के रूप में हुई है। वह शुक्रवार शाम अपने कुछ दोस्तों के साथ घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, मगर उसका कोई पता नहीं चल सका। शनिवार सुबह स्थानीय लोगों ने झील पार्क में एक युवक का शव पड़ा देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त मोहम्मद शमीम के रूप में की। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि शमीम पर पहले चाकू से हमला किया गया और बाद में उसका सिर कुचलकर हत्या की गई। घटना की सूचना मिलते ही क्राइम टीम और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य एकत्र किए। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और तकनीकी व स्थानीय सूचनाओं के आधार पर मृतक के साथ आखिरी बार देखे गए तीन युवकों को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपितों में वसीम उर्फ मियां और तिलक राज उर्फ राज शामिल हैं, जबकि तीसरा आरोपित 17 वर्षीय नाबालिग है। पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि शमीम उर्फ सुई उन्हें अक्सर परेशान करता था और धमकी देता था। इसी कारण उन्होंने मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस फिलहाल हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियार की बरामदगी के प्रयास कर रही है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

डिब्रूगढ़ राजधानी के समय में रहेगा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)।नई दिल्ली से डिब्रूगढ़ के बीच चलने वाली राजधानी एक्सप्रेस के गुवाहाटी स्टेशन पर ठहराव समय में बदलाव किया गया है। डिब्रूगढ़ से नई दिल्ली आते समय गाड़ी संख्या 20503 गुवाहाटी स्टेशन सुबह 5.10 बजे पहुंचेगी और वहां से 5.30 बजे चलेगी। वहीं नई दिल्ली से डिब्रूगढ़ जाते समय गाड़ी संख्या 20504 शाम 6.15 बजे गुवाहाटी पहुंचेगी और वहां से 6.35 बजे चलेगी।

दिल्ली पुलिस ने आतंकवादी संगठन से संबंध के संदेह में ओडिशा के युवक को गिरफ्तार किया

भुवनेश्वर(एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने एक आतंकवादी संगठन से संबंध होने के संदेह में भुवनेश्वर निवासी 22 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया है। आधिकारिक बयान में शनिवार को यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि आरोपी की पहचान गंगा नगर के यूनिट-6 क्षेत्र निवासी शेख इमरान के रूप में हुई है। इसमें बताया गया कि ओडिशा और दिल्ली पुलिस की संयुक्त टीम ने युवक को राष्ट्रविरोधी गतिविधियों संबंधी आरोप में शुक्रवार को गिरफ्तार किया। इसमें कहा गया कि राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ द्वारा एक सप्ताह पहले कुछ युवकों को पकड़े जाने और उनके सोशल मीडिया पोस्ट का विश्लेषण किए जाने के बाद इमरान पुलिस की जांच के दायरे में आया। बयान के अनुसार, युवकों से पूछताछ और उनके सोशल मीडिया पोस्ट के विश्लेषण के आधार पर ओडिशा संपर्क का पता चला, जिसके बाद शेख इमरान को पकड़ा गया। इसमें कहा गया कि पूछताछ में पता चला कि बेरोजगार युवक इमरान कट्टरपंथी समूह का सक्रिय सदस्य है। बयान में कहा गया कि इमरान सोशल मीडिया पर एक 'ग्रुप' के संपर्क में आया था जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा के विरुद्ध हानिकारक कट्टर धार्मिक सामग्री साझा की जा रही थी। उसे भुवनेश्वर के उपमंडलीय न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया जहां से उसे राष्ट्रीय राजधानी ले जाने के लिए 'ट्रांजिट रिमांड' पर लिया गया। इमरान के कब्जे से एक मोबाइल फोन, एक लैपटॉप और अन्य सामग्री जब्त की गई।

निजी स्कूल ईडब्ल्यूएस श्रेणी के छात्रों से वर्दी के पैसे की नहीं मांग सकते : शिक्षा निदेशालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। निजी स्कूल आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, वंचित समूह और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों से वर्दी और किताबें उपलब्ध कराने को लेकर पैसे की मांग नहीं कर सकते हैं। शिक्षा निदेशालय ने निजी स्कूलों को ईडब्ल्यूएस श्रेणी के छात्रों को निशुल्क वर्दी और किताबें उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। इसके अलावा स्कूल इस श्रेणी के तहत केवल दाखिले के समय ही आय प्रमाण पत्र मांग सकते हैं। नियमों का उल्लंघन करने पर स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई होगी। निदेशालय ने अभिभावकों की शिकायतों के निपटान के लिए मुख्यालय स्तर पर एक समर्पित शिकायत निवारण प्रकोष्ठ का गठन किया। इसमें तीन सदस्य शामिल हैं। इसी तरह हर जिले में भी टीम गठित की गई है। जिले की टीम को प्रतिदिन निदेशालय में शिकायतों की जानकारी देनी होगी। साथ ही, अभिभावक इस नंबर पर 9818154069 शिकायत कर सकते हैं।नियमों का उल्लंघन करने पर स्कूलों के खिलाफ होगी कार्रवाईशिक्षा निदेशालय को ईडब्ल्यूएस श्रेणी के अभिभावकों द्वारा शिकायत मिली है, जिसमें कई निजी स्कूल छात्रों को निशुल्क किताबें, यूनिफॉर्म और लिखने का सामान नहीं दे रहे हैं। साथ ही, इन सामग्री को देने के लिए अभिभावकों से पैसे मांग कर रहे हैं। इसके अलावा निदेशालय के संज्ञान में आया है कि स्कूल ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत हर वर्ष आय प्रमाण पत्र जमा करने का दबाव बना रहे हैं। निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि यह विभाग द्वारा जारी निर्देशों का उल्लंघन है। ऐसे में स्कूल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो सकती है।

सेंट्रल रिज में हरियाली बढ़ाएगा डीडीए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए डीडीए सेंट्रल रिज क्षेत्र का इको-रिस्टोरेशन (पर्यावरण पुनर्स्थापन) करेगा। इससे क्षेत्र की जैव विविधता को संरक्षित रखा जाएगा। इसके लिए डीडीए के उद्यान विभाग की तरफ से निविदा जारी की गई है। परियोजना के तहत मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार, पौधारोपण और झाड़ियों को हटाने जैसे कार्य किए जाएंगे। इसके लिए करीब 28 लाख रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। काम को पूरा करने के लिए छह महीने का समय तय किया गया है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का पश्चिम बंगाल दौरा और जनसंवाद की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पश्चिम बंगाल की पवित्र धरती को नमन करते हुए राज्य की जनता से सीधे संवाद स्थापित करने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि वह शीघ्र ही पश्चिम बंगाल के रानीगंज और गलसी-पनागढ़ क्षेत्रों का दौरा करेंगी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'बंगाल की पवित्र धरती को नमन। कुछ ही देर में रानीगंज और गलसी-पनागढ़ की सम्मानित जनता से संवाद का अवसर मिलेगा। बंगाल भाजपा के हमारे कर्मठ कार्यकर्ता साथियों का उत्साह साफ बता रहा है कि टीएमसी के सिंडिकेट राज की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। ममता दीदी का जाना तय है और सेवा, सुशासन और विकास का एक नया युग इस मई से आरंभ होगा।'

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का बढ़ता उत्साह इस बात का संकेत है

कि पश्चिम बंगाल में परिवर्तन की लहर तेज हो रही है। उन्होंने दावा किया कि जमीनी स्तर पर लोगों का समर्थन लगातार बढ़ रहा है और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से यह स्पष्ट हो रहा है कि जनता अब बदलाव के लिए तैयार है। रेखा गुप्ता ने अपने बयान में आगे कहा कि राज्य में सेवा, सुशासन और विकास को केंद्र में रखते हुए एक नई प्रशासनिक और राजनीतिक व्यवस्था की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में ऐसा नेतृत्व सामने आएगा जो जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा और प्रदेश को नई दिशा तथा गति प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल राजनीतिक विस्तार नहीं बल्कि जनहित में स्थायी और सकारात्मक बदलाव लाना है।

वहीं, इससे पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से शिष्टाचार भेंट की। इस महत्वपूर्ण बैठक में दिल्ली के समग्र विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस मुलाकात के दौरान पार्टी नेतृत्व से उन्हें महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जो भविष्य की योजनाओं को अधिक प्रभावी दिशा देने में सहायक सिद्ध होगा।

बता दें कि इस बार राज्य में मतदान दो चरणों में कराया जाएगा, जो पिछली बार के मुकाबले काफी कम है। चुनाव आयोग द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार, पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को होगा, जिसमें 152 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। वहीं दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा, जिसमें बाकी 142 सीटों पर मतदान कराया जाएगा। मतगणना 4 मई को होगी, जिसके बाद नई सरकार की तस्वीर साफ हो जाएगी। राज्य की कुल 294 विधानसभा सीटों पर इस बार चुनाव हो रहे हैं। खास बात यह है कि इस बार चुनाव सिर्फ दो चरणों में संपन्न होंगे जबकि 2021 के विधानसभा चुनाव 8 चरणों में कराए गए थे। इससे चुनाव प्रक्रिया को अधिक तेज और व्यवस्थित बनाने की कोशिश मानी जा रही है।

केजरीवाल का आरोप : लोकप्रियता गिरने पर सरकार सोशल मीडिया नियंत्रित करना चाहती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता में तेजी से गिरावट का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार पर सोशल मीडिया को नियंत्रित करने की कोशिश करने का दावा किया है। शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किए गए संदेश में केजरीवाल ने कहा कि देश के सामने कई गंभीर चुनौतियां मौजूद हैं, लेकिन सरकार उनका समाधान निकालने में विफल रही है। उन्होंने दावा किया कि जनता, विशेषकर युवा वर्ग, अपनी नाराजगी और निराशा सोशल मीडिया के माध्यम से व्यक्त कर रहा है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि सरकार समस्याओं का समाधान करने के बजाय आलोचना करने वालों पर कार्रवाई कर रही है। उनके अनुसार, अब सोशल मीडिया पर नियंत्रण स्थापित करने की योजना बनाई जा रही है, जिससे असहमति की आवाजों को दबाया जा सके। उन्होंने 'कम्युनिटी नोट्स' जैसे तथ्य-जांच उपकरण पर संभावित नियंत्रण को लेकर भी चिंता जताई और इसे स्वतंत्र अभिव्यक्ति के लिए खतरा बताया। केजरीवाल ने कहा कि इस तरह के कदम जनता के बढ़ते असंतोष को दबाने में सफल नहीं होंगे। गौरतलब है कि केंद्र सरकार की ओर से सोशल मीडिया मंचों पर भ्रामक सूचनाओं को रोकने के लिए सख्त नियमों पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, इस संबंध में अभी तक सरकार या संबंधित मंत्रालय की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

प्रदेश कांग्रेस ने शालीमार बाग में बेदखली से पहले पुनर्वास की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने शालीमार बाग गांव में प्रस्तावित बेदखली को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि किसी भी परिवार को उचित आर्थिक मुआवजा या वैकल्पिक आवास दिए बिना हटाया जाना मानवीय दृष्टि से उचित नहीं होगा। यादव ने बताया कि दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश पर मुख्य सड़क चौड़ीकरण के लिए 30 मई 2026 तक 143 मकानों को हटाने की प्रक्रिया चल रही है, जिससे 157 परिवार प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि इनमें से अधिकांश परिवार पिछले 30-35 वर्षों से यहां रह रहे हैं और अपनी पूरी जीवनभर की कमाई से घर बनाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना पुनर्वास के बेदखली से लोगों की आजीविका और बच्चों की शिक्षा पर भी असर पड़ेगा। क्षेत्र में स्कूल, अस्पताल और अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे लोगों का जीवन यहीं से जुड़ा हुआ है।देवेंद्र यादव ने रेखा गुप्ता सरकार से अपील की कि प्रभावित परिवारों के लिए मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए पहले मुआवजा या वैकल्पिक आवास सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्य जरूरी हैं, लेकिन यह लोगों के जीवन और आशियाने की कीमत पर नहीं होना चाहिए।

विजेंद्र गुप्ता ने रोहिणी में 50 लाख के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आज रोहिणी में 50 लाख के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर बुनियादी ढांचे में स्पष्ट और ठोस बदलाव दिखना अत्यंत आवश्यक है।

विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि लगभग 50 लाख की लागत से किए जा रहे ये कार्य रोहिणी के सेक्टर-7 और सेक्टर-8 सहित नाहरपुर गांव में विभिन्न स्थानों पर संचालित किए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर आवश्यक नागरिक सेवाओं को सुदृढ़ करना है। इन परियोजनाओं में गलियों का निर्माण, पुरानी पानी की पाइपलाइन बदलना और सीवर एवं नालियों को बेहतर बनाना शामिल है ताकि लंबे समय से चली आ रही लोगों की समस्याओं का समाधान तय समय में हो सके।

उन्होंने बताया कि सेक्टर-8 में विभिन्न पॉकेट्स में नई गलियों के निर्माण कार्य प्रारंभ किए गए, जिससे आंतरिक संपर्क व्यवस्था बेहतर होगी। इसके साथ ही पॉकेट बी-4 में नालियों के पुनर्निर्माण, पॉकेट ए-1 में आरएमसी (रेडी मिक्स कंक्रीट) सड़कों के पुनर्विकास तथा पॉकेट ए-16 में दो नालों के भीतर जल पाइपलाइनों को बदलकर नया लगाने के कार्यों का शिलान्यास किया गया।

इसके अतिरिक्त, नाहरपुर गांव में दो स्थानों पर सीवर लाइन के नवीनीकरण कार्यों का उद्घाटन किया गया, जिससे स्वच्छता एवं जल निकासी की स्थिति में सुधार होगा। सेक्टर-7 में पॉकेट डी-12 एवं जी-22 में नालों के भीतर जल पाइपलाइनों को बदलकर नया लगाने के कार्य भी शामिल हैं, जिससे जल आपूर्ति अधिक विश्वसनीय एवं प्रभावी बनेगी।

विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आधारभूत संरचना पर निरंतर ध्यान देना आवश्यक है, ताकि विकास समावेशी एवं सार्थक बना रहे। उन्होंने कहा कि मूलभूत नागरिक सुविधाओं में निरंतर निवेश न केवल जीवन स्तर को बेहतर बनाता है, बल्कि शासन के प्रति जनविश्वास को भी सुदृढ़ करता है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज में बालिका कबड्डी प्रतियोगिता संपन्न, विजेता टीमों को किया गया सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, पंजाबी बाग (दिल्ली विश्वविद्यालय) एवं क्रीड़ा भारती दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस प्रतियोगिता में विभिन्न संस्थानों की कुल 58 टीमों ने भाग लेकर खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समापन समारोह में विजेता टीमों को प्रमाण पत्र एवं पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

क्रीड़ा भारती के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्घाटन सेवानिवृत्त प्रोफेसर एवं क्रीड़ा भारती दिल्ली प्रांत के उपाध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश शर्मा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. नीलम गोयल एवं डॉ. जय प्रकाश शर्मा के प्रेरक उद्बोधन और टॉस के साथ किया गया।

प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. नीलम गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि खेल न केवल शारीरिक सुदृढ़ता का माध्यम हैं, बल्कि यह मानसिक शक्ति, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से

ही सशक्त भारत और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने छात्राओं को निरंतर अभ्यास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि क्रीड़ा भारती दिल्ली प्रांत के प्रचार प्रमुख श्री निर्देश शर्मा का विशेष सानिध्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कबड्डी जैसे पारंपरिक खेल के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि वर्ष 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों में कबड्डी को शामिल कराने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके लिए इस खेल का व्यापक प्रचार-प्रसार आवश्यक है। उन्होंने खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

समारोह में क्रीड़ा भारती दिल्ली प्रांत के विशिष्ट अतिथि क्रीड़ा भारती दिल्ली सह-प्रांत प्रचार प्रमुख श्री अशोक कुमार निर्भय भी उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए तथा प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को पदक देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में टीम योद्धा ने प्रथम स्थान, टीम फाइटर्स ने द्वितीय स्थान, टीम थंडर ने तृतीय स्थान तथा टीम स्ट्राइकर्स ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में अंतरराष्ट्रीय कबड्डी कोच श्रीमती सत्यवंती, शारीरिक शिक्षा विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. कविता वत्स एवं डॉ. कुमारी सीमा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इनके मार्गदर्शन में प्रतियोगिता का संचालन सुव्यवस्थित ढंग से किया गया, जिससे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का उचित अवसर मिला।

कालेज की प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. नीलम गोयल का इस अवसर पर विशेष अभिनंदन किया गया। उनके निरंतर समर्थन और प्रेरणा ने प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि खेल से स्वास्थ्य सुदृढ़ होता है, खेल से चरित्र का निर्माण होता है और चरित्र से राष्ट्र का निर्माण होता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बड़े लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने और ओलंपिक जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

इस आयोजन में क्रीड़ा भारती दिल्ली प्रांत के आईटी प्रमुख जतिन जी एवं पूजा मिश्रा जी, प्रदेश भाजपा प्रवक्ता प्रोफ़ेसर राजकुमार फुलवरिया का भी सराहनीय सहयोग रहा। उनके प्रयासों से कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित किया जा सका।

इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय कोच सत्यवती जी की रेफरी टीम अन्य शिक्षकों और अधिकारियों का भी विशेष सहयोग रहा। यह प्रतियोगिता न केवल खेल भावना को बढ़ावा देने में सफल रही, बल्कि छात्राओं को आत्मविश्वास, अनुशासन और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने का भी एक सशक्त मंच प्रदान कर गई।

दिल्ली पुलिस का अपराधियों के खिलाफ अभियान, तीन अलग-अलग ऑपरेशन चलाकर की गिरफ्तारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने फरार एवं घोषित अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाते हुए तीन अलग-अलग मामलों में सफलता हासिल की है। इन कार्रवाइयों में एक घोषित अपराधी की गिरफ्तारी, एक सनसनीखेज लूट का खुलासा तथा एक अपराधी से लूटी गई संपत्ति की बरामदगी शामिल है।

जानकारी के अनुसार पश्चिमी जिले की विशेष टीम ने पुलिस स्टेशन पंजाबी बाग क्षेत्र में झपटमारी के एक मामले में फरार और अदालत द्वारा घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी, जिसके बाद घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसकी पहचान सोनू कुमार (25) के रूप में हुई। इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल राज कुमार, हेड कांस्टेबल रामनिवास एवं हेड कांस्टेबल प्रदीप की विशेष भूमिका रही। अभियान का नेतृत्व इंस्पेक्टर मुकेश मीना ने किया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की तलाश काफी दिनों से चल रही थी। बीते दिन मुखबिर की सूचना के आधार पर सादे कपड़े में तैनात पुलिस टीम ने गिरफ्तारी की। वहीं पुलिस स्टेशन हरिनगर क्षेत्र में 4 अप्रैल को हुई दिन-दहाड़े हथियारबंद लूट की घटना में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस मामले में पीड़ित से सोने की चूड़ी और 4,000 रुपए नकद लूटे गए थे।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 4 अप्रैल को लूट की शिकायत मिली थी, जिसके बाद मामला दर्ज कर विशेष टीम का गठन किया गया। जांच में 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। तकनीकी निगरानी और खुफिया जानकारी के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर पकड़ा गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी काफी शातिर थे और पुलिस से बचने के लिए लगातार स्थान बदल रहे थे, लेकिन मुखबिर की सूचना के आधार पर इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

इसी क्रम में पुलिस स्टेशन मायापुरी में 8 अप्रैल को दर्ज लूट के एक मामले में अपराधी को गिरफ्तार कर लूटा गया ड्राइविंग लाइसेंस बरामद किया। आरोपी की पहचान आजाद उर्फ साहिल (30) के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान सीसीटीवी और स्थानीय खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस ने सागरपुर क्षेत्र में आरोपी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी को जेल भेजकर बरामद समान वापस कर दिया।

भाई अवतार सिंह रागी की 100वीं जयंती पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, विरासत को सहेजने पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रख्यात गुरबानी कीर्तनकार भाई अवतार सिंह रागी की 100वीं जयंती के अवसर पर दिल्ली के माता सुंदरी कॉलेज ऑडिटोरियम में एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश-विदेश से आए विद्वानों, कलाकारों और धार्मिक हस्तियों ने भाग लेकर उनके जीवन और योगदान को याद किया।

इस अवसर पर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि भाई अवतार सिंह रागी 20वीं सदी के प्रमुख रागियों में शामिल रहे, जिन्होंने गुरबानी कीर्तन की पारंपरिक शैली को संरक्षित और आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि यह परंपरा सिख गुरुओं के समय से चली आ रही है, जिसे जीवित रखना अत्यंत आवश्यक है।

संगोष्ठी का आयोजन नाद म्यूजिक इंस्टिट्यूट (अमेरिका) द्वारा दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी और माता सुंदरी कॉलेज के संगीत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. तजिंदर पाल सिंह ने भाई अवतार सिंह रागी को पारंपरिक गुरबानी कीर्तन का प्रतीक बताया और उनकी प्रमुख कृति ÷गुरबानी संगीत प्राचीन रीत रत्नावली÷ का उल्लेख किया, जिसे 1978 में पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा प्रकाशित किया गया था।

माता सुंदरी कॉलेज की प्राचार्या डॉ. हरप्रीत कौर ने अपने संबोधन में सिख संगीत परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस विरासत को संरक्षित रखना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

संगोष्ठी में अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम और भारत से आए वक्ताओं ने भाग लिया और भाई अवतार सिंह रागी के जीवन, शिक्षाओं और उनके योगदान पर अपने विचार साझा किए। उनके पुत्र भाई कुलतार सिंह ने अपने पिता से मिली प्रेरणा और मूल्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि यही मार्गदर्शन उनके जीवन और कीर्तन यात्रा की आधारशिला बना।

कार्यक्रम में भाई बलदीप सिंह और डॉ. फ्रांसेस्का कैसियो स

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

मेरठ : बेटी की मौत के बाद 6 महीने तक घर में रखा शव, परफ्यूम छिड़ककर छिपाता रहा राज

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में रिश्तों और इंसानियत को झकझोर देने वाली एक रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। सदर बाजार के तेली मोहल्ला निवासी एक पिता ने अपनी 32 वर्षीय बेटी की मौत के बाद उसका अंतिम संस्कार करने के बजाय, करीब छह महीने तक उसके शव को घर के भीतर ही छिपाए रखा। हैरान करने वाली बात यह है कि शव से आने वाली दुर्गंध को दबाने के लिए आरोपी पिता तीन महीने तक उस पर परफ्यूम और रूम फ्रेशनर छिड़कता रहा। जब लाश पूरी तरह कंकाल में तब्दील हो गई, तो वह मकान में ताला लगाकर देहरादून फरार हो गया। इस सनसनीखेज मामले का खुलासा शुक्रवार को तब हुआ जब आरोपी उदय भानू विश्वास को उसके परिजनों ने बेगमबाग स्थित एक चाय की दुकान पर कुछ रिक्शा चालकों के साथ देखा। शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त उदय भानू से जब उसकी अविवाहित बेटी प्रियंका के बारे में पूछा गया, तो उसने गोलमोल जवाब देते हुए कहा कि उसका इलाज देहरादून के एक अस्पताल में चल रहा है। शक होने पर परिजन उसे जबरन घर ले आए और बंद मकान का दरवाजा खुलवाया। अंदर का नजारा देख सबकी रूह कांप गई; बिस्तर पर प्रियंका का कंकाल पड़ा हुआ था। जांच में सामने आया है कि प्रियंका की मौत अक्टूबर 2025 में दशहरे के आसपास हुई थी। आरोपी ने इस बात को रिश्तेदारों से छिपाए रखा और दिसंबर तक शव के साथ ही उसी घर में रहा। जब पड़ोसियों को बदबू का अहसास होने लगा, तो वह परफ्यूम का इस्तेमाल करने लगा। 25 दिसंबर के बाद वह घर छोड़कर भाग गया और देहरादून में रिक्शा चलाने लगा। इस बीच, रिश्तेदारों के फोन आने पर वह बेटी के इलाज का बहाना बनाता रहा।

मणिपुर में पेट्रोलिंग कर रहे जवान की गोली मारकर हत्या, बीएसएफ में था तैनात

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार को पेट्रोलिंग ड्यूटी पर तैनात बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के एक जवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अधिकारियों के मुताबिक कांस्टेबल मिथुन मंडल को शाम को गोली लगी। गोली लगने के बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने बताया कि मिथुन मंडल पश्चिम बंगाल के भगजन टोला गांव के रहने वाले थे और बीएफएफ में तैनात थे। बता दें फरवरी में दो समुदायों के बीच हुई जातीय झड़पों के बाद कुकी गांव मोंगकोट चेपू और पड़ोसी तांगखुल नागा इलाके में गोलीबारी की घटनाएं होती रही हैं। यहां जारी तनाव के बीच पेट्रोलिंग कर रहे बीएफएफ के जवान पर यह हमला हुआ है। मणिपुर पुलिस ने बयान जारी कर बताया कि हमले के पीछे शामिल लोगों को पकड़ने के लिए सुरक्षा बल इलाके में सर्च ऑपरेशन और चला रहा है। फिलहाल हमलावरों की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। सीएम वाई खेमचंद सिंह ने कहा कि कांस्टेबल मिथुन मंडल की दुखद शहादत की कड़ी निंदा करता हूं। पश्चिम बंगाल के इस बहादुर बेटे के ड्यूटी के दौरान दिए गए बलिदान को कभी नहीं भुलाया जाएगा।

एर्नाकुलम से बेंगलुरु जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पत्थरबाजी

पलक्कड़ (एजेंसी)। पलक्कड़ के एर्नाकुलम से बेंगलुरु जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा पत्थर फेंकने की घटना सामने आई है। घटना में ट्रेन को मामूली नुकसान पहुंचा है, हालांकि किसी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है। रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अधिकारी के अनुसार यह शाम करीब 4:30 बजे पलक्कड़ जिले के पराली इलाके के पास हुई। तब ट्रेन अपनी नियमित गति से बेंगलुरु की ओर बढ़ रही थी। अचानक किसी ने ट्रेन पर पत्थर फेंक दिया। जिससे कोच में लगी एक खिड़की का शीशा क्षतिग्रस्त हुआ। रेलवे पुलिस के अधिकारी ने बताया कि घटना के तुरंत बाद स्थिति पर काबू पाया गया। रेलवे कर्मचारियों ने भी तत्परता दिखाकर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने इस बारे में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कुछ स्थानीय लोगों से भी जानकारी जुटाई है, ताकि घटना के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके। पुलिस ने दावा किया है कि यह कृत्य किसी मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति या नशे की हालत में किसी व्यक्ति द्वारा किया गया हो सकता है। हालांकि, अधिकारियों ने कहा है कि सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

गोवा, महाराष्ट्र, बंगाल और आखिर में पंजाब... 35 साल बाद पकड़ा गया हत्या का आरोपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 35 साल से फरार चल रहे एक हत्या आरोपी छवि लाल वर्मा को पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार किया है। यह मामला 2 अगस्त 1991 का है, जब पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी इलाके में एक घर के अंदर मां और बेटे पर चाकू से हमला हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान मां की मौत हो गई, जबकि बेटा कई दिनों बाद ठीक हो गया। होश में आने पर बेटे ने बताया कि हमला उनके किराएदार छवि लाल ने किया था। यह जानकारी मिलते ही आरोपी को एहसास हुआ कि वह जल्द ही पकड़ा जाएगा, इसलिए वह फरार हो गया। पुलिस ने लंबे समय तक उसकी तलाश की और उसके उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर स्थित घर पर भी नजर रखी, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। हैरानी की बात यह रही कि छवि लाल ने कभी अपने परिवार से सीधे संपर्क नहीं किया, यहां तक कि अपने बच्चों की शादी में भी नहीं पहुंचा। इसके साथ ही समय बीतने के साथ मामला ठंडा पड़ गया, लेकिन हाल ही में क्राइम ब्रांच ने पुरानी फाइलों की समीक्षा शुरू की। करीब छह माह पहले इस केस को फिर से खोला और नई जांच शुरू हुई। जांच के दौरान पता चला कि छवि लाल अपने परिवार से सीधे बात करने के बजाय पड़ोसियों के जरिए संदेश भेजता था। इसी आधार पर पुलिस ने उसके गांव पर फिर नजर रखी और आखिरकार एक सुराग मिला। पुलिस ने 9 अप्रैल को लुधियाना में छवि लाल को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मुझे लगा था कि उसकी मकान मालकिन के पास काफी पैसा है, इसलिए लूट और हत्या की योजना बनाई थी।

पाकिस्तान में सीजफायर को लेकर वार्ता के बीच भारत ने की बड़ी कूटनीतिक पहल

ईरान युद्ध से प्रभावित खाड़ी के 6 अहम देशों से की अलग-अलग बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मीडिया ईस्ट संकट के स्थायी समाधान को लेकर पाकिस्तान में अस्थायी सीजफायर से संबंधित पक्ष आगे का रास्ता तलाशने के लिए जुटे। इसी दौरान भारत ने एक बड़ी कूटनीतिक पहल की है, जिसमें ईरान युद्ध से प्रभावित खाड़ी के 6 अहम देश शामिल हुए। भारत ने गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के देशों के साथ अपनी एकजुटता जाहिर की है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भारत का यह संदेश सऊदी अरब, कतर, कुवैत, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान तक पहुंचाया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने खाड़ी के इन छह देशों को एक बार फिर यह बात दोहराई है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की वजह से पैदा होने वाली जरूरी खाने-पीने की चीजों की सप्लाई चेन में आने वाली किसी भी तरह की रुकावट के समाधान में हमारा समर्थन जारी रहेगा।

वाणिज्य मंत्रालय की ओर से इस संबंध में शुक्रवार को बयान जारी किया गया था, उससे स्थिति और साफ हुई कि मौजूदा संकट की स्थिति में खाड़ी देशों की चुनौतियों को लेकर भारत का स्टैंड क्या है।

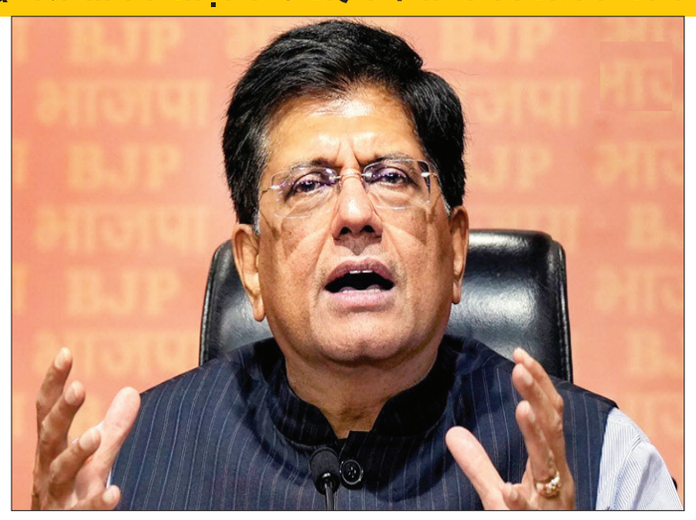

गोयल ने गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल के सेक्रेटरी जनरल जासेम मोहम्मद अल बुदैवी से वर्चुअल कॉल में उम्मीद जताई कि क्षेत्र में जो युद्धविराम घोषित हुआ है, वह स्थायी होगा और स्थायी शांति एवं स्थिरता का रास्ता साफ करेगा। इस दौरान गोयल ने वर्चुअल माध्यम से ही जीसीसी के यूएई, बहरीन और कुवैत जैसे सदस्यों से अलग से भी बात की। भारत के लिए खाड़ी देशों के इस ग्रुप के साथ इस तरह की एकजुटता दिखाना इस वजह से बहुत ही अहम है, क्योंकि यह ब्लॉक भारत का सबसे बड़ा तेल और गैस सप्लायर है। इसके अलावा खाड़ी देशों के इस ग्रुप के साथ भारत की फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर भी बातचीत चल रही है। गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल से पीयूष गोयल की चर्चा से पहले पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी कतर की यात्रा पर गए।

रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्री एस जयशंकर भी शनिवार से संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा पर हैं। पश्चिम एशिया संकट की वजह से खाड़ी देश हों या फिर भारत, सबसे बड़ी दिक्कत होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर हो रही है। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को जिस तरह से नियंत्रण में कर लिया है, उससे अगर भारत के सामने तेल और गैस का संकट खड़ा हुआ है तो खाड़ी देशों का निर्यात भी बंद हुआ है और उन तक पहुंचने वाले खाने-पीने की चीजों की सप्लाई चेन पर भी असर पड़ा है। ऐसे में गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल में ओमान की सदस्यता का इस समय अलग मायने है। ऐसे में ओमान को गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल के अन्य खाड़ी मुल्क सदस्यों के साथ एक टेबल पर लाना भारत की बड़ी कूटनीतिक पहल साबित हो सकती है।

थाईलैंड से भारत लाया जा रहा मोस्ट वांटेड गैंगस्टर साहिल, हरियाणा एसटीएफ हिरासत में लेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सुरक्षा एजेंसियों और हरियाणा पुलिस को संगठित अपराध के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। मोस्ट वांटेड गैंगस्टर साहिल चौहान को थाईलैंड से निर्वासित कर भारत वापस लाया जा रहा है। शनिवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान के उतरते ही हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स उसे अपनी हिरासत में ले लेगी। साहिल चौहान न केवल हरियाणा पुलिस बल्कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी की हिट लिस्ट में भी प्रमुखता से शामिल था।

साहिल चौहान संगठित अपराध की दुनिया का एक खूंखार नाम बन चुका था। वह वर्तमान में जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर कौशल चौधरी के गिरोह का सबसे सक्रिय और मुख्य सदस्य माना जाता है। जांचकर्ताओं के अनुसार, साहिल विदेश में बैठकर भारत में कई कॉन्ट्रैक्ट किलिंग (सुपारी लेकर हत्या) की साजिशें रच रहा था। वह हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर के व्यापारियों से रंगदारी वसूलने और उन्हें डराने-धमकाने के दर्जनों मामलों में वांछित है। भारत से बाहर रहने के कारण वह सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ था, क्योंकि वह वहीं से अपने गिरोह के नेटवर्क को संचालित कर रहा था। शनिवार को साहिल चौहान की वापसी को देखते हुए दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं। जैसे ही वह भारतीय जमीन पर कदम रखेगा, एसटीएफ उसे अपनी कस्टडी में लेकर सुरक्षित स्थान पर ले जाएगी। इसके बाद उसे अदालत में पेश कर रिमांड की मांग की जाएगी। सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि साहिल की गिरफ्तारी से कौशल चौधरी गिरोह की कमर टूट जाएगी। यह कार्रवाई उन अपराधियों के लिए एक सख्त संदेश है जो विदेश भागकर भारतीय कानून से बचने का भ्रम पाले हुए हैं।

गिरफ्तारी और निर्वासन की प्रक्रिया- साहिल की गिरफ्तारी केंद्र सरकार की सुरक्षा एजेंसियों और हरियाणा पुलिस के बीच बेहतर तालमेल का परिणाम है। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी होने के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां उसकी तलाश में थीं। हाल ही में उसे थाईलैंड में हिरासत में लिया गया था, जिसके बाद भारत सरकार ने कूटनीतिक स्तर पर उसके निर्वासन की प्रक्रिया को तेजी से पूरा कराया।

जेल से बाहर आने दुष्कर्म के आरोपी ने चली चाल, युवती से शादी का किया नाटक

-लड़की ने अपील की हाईकोर्ट ने आरोपी की जमानत याचिका की खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नाबालिग लड़की से रेप के आरोपी ने जेल से निकलने का प्लान बनाया। उसने अपनी चिकनी-चुपड़ी बातों में लड़की को उलझाकर उससे शादी कर ली। शादी के बाद उसे जमानत मिल गई और वह जेल से बाहर आ गया, लेकिन बाद में लड़की को अहसास हुआ कि ये शादी एक फरेब थी। ऐसे में लड़की ने कोर्ट में अपील की और आरोपी की जमानत याचिका खारिज हो गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला दिल्ली हाईकोर्ट का है। आरोपी पर लॉ स्टूडेंट के नाबालिग होने के दौरान उसके साथ दुष्कर्म करने और फिर अपने खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद उससे शादी करने का आरोप है। कोर्ट ने कहा कि यह शादी जेल जाने से बचने की एक चाल थी। जस्टिस गिरीश कथपालिया ने कहा कि आरोपी ने यह शादी सिर्फ जमानत पाने की एक चाल के तौर पर की, जबकि उसने एक नाबालिग लड़की के साथ बार-बार दुष्कर्म किया था, लेकिन शादी कर लेने से भी आरोपी इस अपराध से बरी नहीं हो जाएगा।

कोर्ट ने पीड़ित के बदलते रुख पर भी बात की। बता दें पीड़िता ने कहा कि उसे एफआईआर की बातों की जानकारी नहीं थी, क्योंकि शिकायत उसके वकील ने लिखी थी। कोर्ट ने कहा कि यह बात यकीन करने लायक नहीं है कि लॉ की स्टूडेंट होने के बावजूद उसे एफआईआर की बातों का पता नहीं था, जबकि शिकायत का अनुवाद अंग्रेजी से हिंदी में किया गया था। जज ने दोनों के बर्ताव को देखते हुए जमानत की अर्जी खारिज कर दी। प्रॉसिक्यूशन के मुताबिक वह आरोपी सोशल मीडिया पर उस लड़की से मिला और उससे दोस्ती कर ली। बाद में, उसने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसे दो बार गर्भपात करवाने के लिए मजबूर किया। जब वह बालिग हो गई तो उसने उससे शादी करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद उसने एफआईआर दर्ज करवाई। फिर उस शख्स ने फरवरी 2026 में उससे शादी कर ली। हाई कोर्ट ने कहा आरोपी के गिरफ्तार होने और जेल में जाने के बाद ही वह उससे शादी करने को राजी हुआ, इसलिए इस कोर्ट के आदेश के तहत उसकी अंतरिम जमानत अर्जी का निपटारा कर दिया गया। अतिरिक्त सरकारी ने इस अर्जी का विरोध करते हुए कहा कि पुलिस को उस महिला के खिलाफ भी कार्रवाई करने की जरूरत है। आरोपी ने कहा कि उसकी उस महिला से शादी हो चुकी है और यह जमानत के लिए एक सही मामला है।

बिहार में मुख्यमंत्री की रेस में चिराग पासवान का बयान... मैं इस रेस में शामिल नहीं

नीतिश को पागल कहने वाली राजद को जनता ने 25 सीटों पर सिमट दिया

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब राज्यसभा सांसद बन गए हैं। वे 14 अप्रैल को सीएम पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इसके साथ ही अगले दिन बिहार में नई सरकार का गठन होगा।

जहां बिहार में नई सरकार को लेकर हलचल तेज है। वहीं शनिवार सुबह जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और मंत्री विजय चौधरी, सीएम नीतीश से मिलने पहुंचे। सीएम आवास पर करीब 2 घंटे तक जेडीयू नेताओं की बैठक हुई। बैठक में नए मंत्रिमंडल के स्वरूप और उसमें युवा चेहरों को शामिल करने को लेकर चर्चा हुई। वहीं, पटना में भाजपा की अहम बैठक होने वाली है। इसमें बिहार बीजेपी के प्रभारी विनोद तावड़े मौजूद रहने वाले है। बैठक में सीएम चेहरे और नई सरकार के गठन पर चर्चा हो सकती है।

इधर, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने स्पष्ट किया कि वे बिहार में सीएम की रेस में नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार का सिर्फ चेहरा बदलेगा, लेकिन फॉर्मूला वहीं रहेगा।

राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के बयान पर अशोक चौधरी ने कहा, एक व्यक्ति मुख्यमंत्री का पद छोड़कर राज्यसभा जा रहा है। इनके परिवार में ऐसा उदाहरण नहीं है। इनके परिवार में उदाहरण है कि पिता (लालू यादव) जेल गए.....माता (राबड़ी देवी) को मुख्यमंत्री बना दिया था। चुनाव के पहले कहते थे कि नीतीश मानसिक रूप से पागल हो गए हैं। इसके बाद बिहार की जनता दिखा दिया राजद 25 सीटों पर सिमट गई। आने वाले समय में राजद का पूरा सत्यानाश होगा। नई सरकार के सवाल पर चौधरी ने कहा कि नीतीश के राज्यसभा सदस्य बनने से फिलहाल सरकार बदलने की कोई बात नहीं है।

शुक्रवार को नीतीश ने राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ ग्रहण की। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें शपथ दिलाई। इस मौके पर बिहार एनडीए के कई नेता मौजूद रहे। इसके साथ ही नीतीश कुमार ने इस शपथ के साथ एक अनोखा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। वे देश के उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हो गए हैं,

जो चारों सदनों, लोकसभा, राज्यसभा, बिहार विधानसभा और विधान परिषद के सदस्य रह चुके हैं। राज्यसभा में यह उनका पहला कार्यकाल है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को मिली जान से मारने की धमकी

वाराणसी (एजेंसी)। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को जान से मारने की धमकी मिलने के मामले में भेलूपुर थाने में शनिवार को अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(4) और 352 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। धमकी देने वाले ने ऑडियो मैसेज के माध्यम से कहा था कि शंकराचार्य को अतीक अहमद की तरह मार दिया जाएगा और उनका समय नजदीक आ गया है। पुलिस के अनुसार, शंकराचार्य को धमकी दिए जाने के मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच के दौरान धमकी भेजने वाले मोबाइल नंबर की भी पहचान की जा रही है। शंकराचार्य के मीडिया प्रभारी संजय पांडेय ने बताया कि हाल ही में ज्योतिष पीठ के आधिकारिक मोबाइल नंबर पर एक अप्रैल से लगातार टेक्स्ट मैसेज आने शुरू हुए थे। नंबर को ब्लॉक करने के बाद छह अप्रैल को वॉइस मेल में दो धमकी भरे ऑडियो संदेश भेजे गए। धमकी देने वाले ने ऑडियो में कहा, 'इस दुनिया से उनका समय आ गया है, अब ज्यादा दिन नहीं रह सकते।' बार-बार शंकराचार्य जी महाराज से बात करने का दबाव बनाया गया। संदेश में यह भी कहा गया कि जहां भी वे यात्रा कर रहे हैं, बीच रास्ते में ही उन्हें खत्म कर दिया जाएगा। धमकी देने वाले ने दावा किया कि 'मेरे जैसे लाखों लोग हैं, जो उन्हें मारने के लिए तैयार हैं।'

गर्मी के लिए हो जाएं तैयार! यूपी-बिहार समेत कई राज्यों में बढ़ेगा पारा, हीटवेव का भी अलर्ट

चेन्नई (एजेंसी)। उत्तर भारत में इस साल अप्रैल महीने का मौसम उम्मीद के बिल्कुल विपरीत नजर आ रहा है। मार्च की शुरुआत में जिस तरह भीषण गर्मी का अहसास हुआ था, उसके उलट अप्रैल में अब तक एक भी दिन वैसी तपिश महसूस नहीं की गई है। लगातार सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभ के कारण तेज हवाओं और बारिश का दौर जारी रहने से तापमान सामान्य से करीब 4 से 5 डिग्री सेल्सियस नीचे बना हुआ है। हालांकि, मौसम विभाग का ताजा अनुमान संकेत दे रहा है कि अब उत्तर और पश्चिम भारत में धीरे-धीरे गर्मी अपना असर दिखाना शुरू करेगी।

शनिवार, 11 अप्रैल को उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगीका, जिसकी वजह से फिलहाल तापमान में बहुत अधिक बढ़ोतरी दर्ज नहीं की जाएगी। राजधानी दिल्ली और आसपास के

क्षेत्रों में आज मौसम पूरी तरह साफ रहने की संभावना है। रविवार से यहां पारे में उछाल देखा जा सकता है और अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। राहत की बात यह है कि सुबह और शाम के समय ठंडी हवाएं चलती रहेंगी, जिससे दिल्लीवासियों को फिलहाल चिलचिलाती गर्मी से जूझना नहीं पड़ेगा। उत्तर प्रदेश में भी अब बारिश की संभावना नहीं है और ज्यादातर हिस्सों में चटख धूप खिली रहेगी। राज्य में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। हालांकि, 15 अप्रैल के बाद यूपी में हीट वेव यानी लू की स्थिति बनने के आसार हैं। बारिश का रुकना किसानों के लिए एक बड़ी राहत की खबर है, क्योंकि बेमौसम बरसात ने गेहूं की फसल को काफी नुकसान पहुंचाया था। अब तेज धूप निकलने से बची हुई फसल की कटाई और सुखाने में मदद मिलेगी। पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में भी आसमान साफ रहने और धूप निकलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, इन राज्यों में 12 अप्रैल से लू का असर दिखने लगेगा और गर्मी तेजी से बढ़ेगी। दूसरी ओर, पहाड़ी राज्यों में मौसम अब भी सुहाना बना हुआ है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में छिटपुट बर्फबारी और हल्की बारिश का दौर जारी है। हिमाचल में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के कारण ऊंचे क्षेत्रों में ठंडक बनी रहेगी, जबकि मैदानी इलाकों में मौसम शुष्क रहेगा।

वृंदावन नाव हादसा : यमुना में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, अब तक 10 की मौत और 5 अब भी लापता

मथुरा (एजेंसी)। धर्मनगरी वृंदावन के केसी घाट पर शुक्रवार को हुए दर्दनाक नाव हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 22 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। शनिवार को दूसरे दिन भी लापता 5 लोगों की तलाश में बड़े स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। तलाश अभियान को तेज करने के लिए सेना (आर्मी) समेत विभिन्न राहत दलों के करीब 250 जवान तैनात किए गए हैं। रेस्क्यू टीमें घटनास्थल से लेकर 14 किलोमीटर के दायरे में जाल बिछाकर लापता लोगों को ढूंढ रही हैं। इस तलाशी अभियान में नाव जंगलों में फंसी मिल गई है लेकिन 5 लोग अभी भी लापता हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, यमुना का बहाव तेज होने के कारण लापता लोगों के दूर बह जाने की आशंका है। साथ ही, नदी के तल में भारी गाद और कीचड़ होने की वजह से शवों के रेत में दबे होने की संभावना भी जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि हादसे के 24 घंटे बीतने के बाद शव फूलकर पानी की सतह पर आ सकते हैं। यह दर्दनाक हादसा शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे हुआ, जब 37 श्रद्धालुओं से भरी एक नाव यमुना के बीचों-बीच पलट गई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि नाव की क्षमता 40 लोगों की थी, लेकिन सुरक्षा नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए किसी भी श्रद्धालु को लाइफ जैकेट नहीं दी गई थी। मृतकों में एक ही परिवार के 7 लोग शामिल हैं, जिनमें मां-बेटे, चाचा-चाची और बुआ-फूफा जैसे करीबी रिश्तेदार थे। जिस जगह नाव डूबी, वहां पानी की गहराई करीब 25 फीट बताई जा रही है।

हादसे में जीवित बचे एक युवक ने बताया कि नाव तट से करीब 50 फीट दूर थी, तभी 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने लगीं। नाव डगमगाने लगी और नाविक ने नियंत्रण खो दिया। श्रद्धालुओं ने नाविक से नाव रोकने की गुहार लगाई, लेकिन उसने अनसुना कर दिया। नाव दो बार पीपा पुल से टकराते-टकराते बची, लेकिन तीसरी बार जोरदार टक्कर हुई और नाव देखते ही देखते पानी में समा गई। पुलिस ने मुख्य आरोपी नाविक पप्पू निषाद को हादसे के 6 घंटे बाद शनिवार रात हिरासत में ले लिया है। वह हादसे के तुरंत बाद मौके से फरार हो गया था। प्रशासन अब इस मामले में कड़ी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है।

9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की एसआईआर में 6.08 करोड़ नाम कटे

यूपी में 2.04 करोड़ तो पश्चिम बंगाल में 91 लाख लोग फाइनल सूची से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग के एसआईआर के दूसरे फेज के तहत शुक्रवार को यूपी में फाइनल वोटर सूची जारी की। इसके पूरा होने के बाद 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की वोटरों की सूची में कुल 6.08 करोड़ नाम कट गए हैं। पिछले साल 27 अक्टूबर को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल मतदाताओं की संख्या करीब 51 करोड़ थी। फाइनल सूची जारी होने के बाद यह संख्या 44.92 करोड़ रह गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एसआईआर के दूसरे फेज में यूपी, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल, गुजरात, मध्य प्रदेश, गोवा समेत पुडुचेरी, अंडमान-निकोबार, लक्षद्वीप की फाइनल वोटर सूची जारी की गई है। यूपी में शुक्रवार को जारी हुई एसआईआर की फाइनल सूची में वोटर्स की संख्या 13फीसदी घटकर 13.39 करोड़ रह गई यानी 2.04 करोड़ लोगों के नाम कट गए हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में करीब 91 लाख वोटर्स के नाम फाइनल सूची से बाहर हो गए हैं।

चुनाव आयोग ने 24 जून 2025 को पूरे देश में एसआईआर कराने का आदेश दिया था। अब तक 10 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश कवर हो चुके हैं। एसआईआर के पहले फेज में बिहार, दूसरे फेज में 9 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर कराया गया था। वहीं असम में एसआईआर के बजाय 10 फरवरी को स्पेशल रिवीजन पूरा किया गया था। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान कई राज्यों में शेड्यूल में कई बार बदलाव हुए। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में राजनीतिक दलों ने इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

बता दें देश के करीब 99 करोड़ मतदाताओं में से 60 करोड़ को इस अभियान में शामिल किया जा चुका है। अब बाकी 39 करोड़ मतदाताओं को एसआईआर के तीसरे फेज 17 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों में कवर किया जाएगा। इन 22 राज्यों-यूटी में एसआईआर प्रक्रिया इस महीने पांच विधानसभा चुनावों के बाद शुरू की जाएगी। पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान करीब 91 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक यह कार्रवाई नवंबर से चल रही प्रक्रिया के तहत की गई है, आयोग के 28 फरवरी तक के आंकड़ों के मुताबिक एसआईआर शुरू होने के बाद 63.66 लाख नाम हटाए गए थे, जिससे मतदाताओं की संख्या करीब 7.66 करोड़ से घटकर 7.04 करोड़ रह गई। बाद में जांच और प्रक्रिया पूरी होने के साथ कुल हटाए गए नामों की संख्या बढ़कर करीब 90.83 लाख हो गई है।

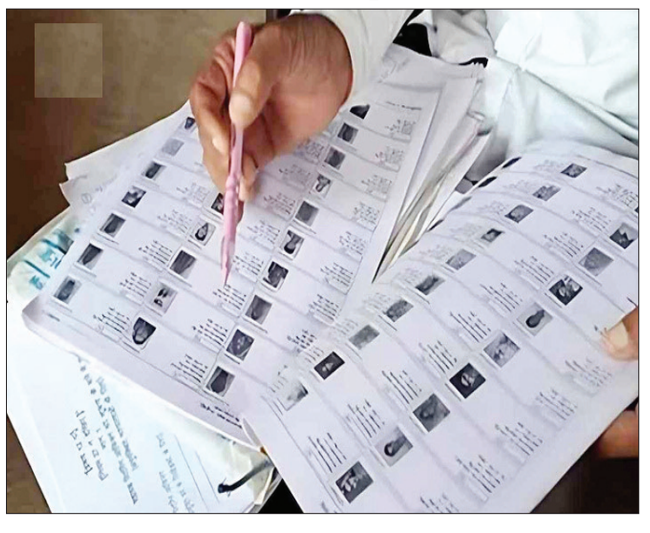

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

लिंग्याज विद्यापीठ के मेगा जॉब फेयर में 872 युवाओं को मिला रोजगार

फरीदाबाद, (एजेंसी)। फरीदाबाद स्थित लिंग्याज विद्यापीठ में आयोजित दो दिवसीय मेगा जॉब फेयर में शनिवार दूसरे दिन भी उत्साह अपने चरम पर देखने को मिला। दिल्ली एनसीआर सभी यूनिवर्सिटीज से दोनों दिनों में 2164 छात्रों ने जॉब फेयर में साक्षात्कार दिए। पहले दिन की शुरुआत के बाद दूसरे दिन शेष कंपनियों ने भाग लेते हुए भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाया, जिससे युवाओं को और अधिक रोजगार अवसर प्राप्त हुए। इस अवसर पर विभिन्न सेक्टरों–आईटी, मैन्युफैक्चरिंग, बैंकिंग, हेल्थकेयर, रिटेल और मार्केटिंग–की कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने बड़ी संख्या में उम्मीदवारों का चयन किया। कार्यक्रम के दौरान चयन प्रक्रिया में ऑन-द-स्पॉट इंटरव्यू, ग्रुप डिस्कशन और स्किल टेस्ट का आयोजन जारी रहा। युवाओं ने पूरे आत्मविश्वास और तैयारी के साथ भाग लिया, जिसका सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिला। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, इस दो दिवसीय मेगा जॉब फेयर के अंत तक 872 युवाओं का विभिन्न कंपनियों द्वारा चयन किया गया। यह उपलब्धि न केवल विद्यार्थियों के लिए बल्कि संस्थान के लिए भी गर्व का विषय है। चयनित अभ्यर्थियों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी, वहीं अन्य प्रतिभागियों को भी भविष्य के लिए मार्गदर्शन और अनुभव प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के संदेश को आगे बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनने और अपने कौशल को निरंतर विकसित करने के लिए प्रेरित किया। वहीं विधायक धनेश अदलखा द्वारा दिए गए सुझावों को भी छात्रों ने गंभीरता से लिया। विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पिचेश्वर गड्डे और वाइस चांसलर मेजर जनरल डॉ. योगेश चौधरी ने इस आयोजन की सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के जॉब फेयर आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें। दूसरे दिन करियर काउंसलिंग, रेज़्यूमे बिल्डिंग और इंटरव्यू स्किल्स से जुड़े सत्र भी आयोजित किए गए, जिससे विद्यार्थियों को न केवल नौकरी पाने बल्कि अपने करियर को सही दिशा देने में भी मदद मिली।

पलवल में प्रशासन ने 11 एकड़ क्षेत्र में अवैध निर्माण ढहाए

पलवल, (एजेंसी)। जिले में अवैध कॉलोनियों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए व्यापक स्तर पर तोड़फोड़ अभियान चलाया। नगर योजनाकार विभाग की टीम ने आल्हापुर गांव और पलवल-नूंह मार्ग पर विकसित अवैध कॉलोनियों में कार्रवाई करते हुए करीब 11 एकड़ क्षेत्र को कब्जा मुक्त कराया।मिली जानकारी के अनुसार आल्हापुर गांव की राजस्व भूमि में अवैध रूप से विकसित कॉलोनियों पर कार्रवाई करते हुए करीब पांच एकड़ क्षेत्र में बने निर्माणों को हटाया गया। इस दौरान कई अधूरे ढांचे, बाउंड्री दीवारें, मकान और एक प्रॉपर्टी कार्यालय को ध्वस्त किया गया। पूरी कार्रवाई जिला नगर योजनाकार अनिल मलिक की निगरानी में की गई। इसके अलावा पलवल-नूंह मार्ग पर विकसित अवैध कॉलोनियों पर भी प्रशासन का बुलडोजर चला। यहां करीब छह एकड़ क्षेत्र में बनाए गए ढांचे, सड़कें और बाउंड्री दीवारों को तोड़ा गया। इस अभियान में जिला प्रशासन का सहयोग भी लिया गया, जिससे कार्रवाई सुचारु रूप से पूरी हो सकी।यह अभियान शहरी क्षेत्र अधिनियम-1975 के तहत चलाया गया। मौके पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट, नगर योजनाकार विभाग की टीम और पुलिस बल मौजूद रहा, जिससे पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। जिला नगर योजनाकार अनिल मलिक ने शनिवार स्पष्ट किया कि अवैध कॉलोनियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि नियमों के विरुद्ध कॉलोनियां विकसित करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और ऐसे प्रयासों को सफल नहीं होने दिया जाएगा।

डीसी ने किया अनाज मंडी का दौरा, व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

फरीदाबाद, (एजेंसी)। उपायुक्त (डीसी) आयुष सिन्हा ने शनिवार को बल्लभगढ़ अनाज मंडी का औचक दौरा कर गेहूं खरीद व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंडी में किसानों को दी जा रही सुविधाओं, गेट पास की प्रक्रिया, गेहूं के उठान तथा लिफ्टिंग व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। डीसी ने मंडी में पहुंचकर खरीद कार्य की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो तथा खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संचालित की जाए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने गेट पास जारी करने की प्रक्रिया की जानकारी लेते हुए कहा कि किसानों को अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडी में आने वाले वाहनों का समय पर पंजीकरण किया जाए तथा गेट पास तुरंत जारी किए जाएं, ताकि मंडी में भीड़भाड़ की स्थिति न बने। इसके साथ ही उन्होंने गेहूं की तुलाई, भंडारण और उठान व्यवस्था का भी निरीक्षण किया तथा संबंधित एजेंसियों को तेजी से लिफ्टिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीसी आयुष सिन्हा ने कहा कि मंडी में खरीदा गया गेहूं समय पर उठाया जाना अत्यंत आवश्यक है, जिससे स्थान की उपलब्धता बनी रहे और किसानों को अपनी फसल उतारने में किसी प्रकार की दिक्कत न आए। अब तक मंडी में करीब 95 हजार क्विंटल गेहूं की आवक दर्ज की जा चुकी है, जिसमें से लगभग 86 हजार क्विंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी है। मार्केट कमेटी के सचिव इंद्रपाल सिंह ने बताया कि शुरुआत में गेहूं की उठान प्रक्रिया में कुछ देरी हुई थी। उन्होंने कहा कि गेहूं की चमक और गुणवत्ता के कारण उठान धीमा रहा, लेकिन अब इसमें तेजी लाई जा रही है।

ऊंचा गांव से एक्सप्रेसवे तक 10 मिनट का सफर, 4.39 करोड़ की सड़क योजना को मंजूरी

बल्लभगढ़, (एजेंसी)। ऊंचा गांव और आसपास के क्षेत्रों के हजारों लोगों के लिए बड़ी राहत की खबर है। ऊंचा गांव से साहूपुरा जाट चौक तक सीमेंटेड सड़क निर्माण की योजना को मंजूरी मिल गई है। इस सड़क के बन जाने के बाद लोग महज 10 मिनट में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे तक पहुंच सकेंगे, वहीं नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक पहुंच भी आसान हो जाएगी।लोक निर्माण विभाग द्वारा 4.39 करोड़ रुपये की लागत से इस सड़क को सीमेंटेड बनाने की योजना को स्वीकृति दी गई है। अभी तक यह सड़क तारकोल और कंक्रीट की बनी हुई थी, जो जलभराव के कारण बार-बार टूट जाती थी और गड्ढों में बदल जाती थी। लंबे समय से स्थानीय लोग इस समस्या से परेशान थे।पूर्व मंत्री एवं विधायक मूलचंद शर्मा के प्रयासों से इस परियोजना को गति मिली। उन्होंने अधिकारियों से सड़क निर्माण का प्रस्ताव तैयार कराकर सरकार के पास भेजा था, जिसे अब मंजूरी मिल गई है। साथ ही परियोजना के लिए बजट भी स्वीकृत कर दिया गया है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है।इस सड़क के बनने से ऊंचा गांव, सेक्टर-61, 62, 63, 64, 65 और आदर्श नगर सहित आसपास के कई क्षेत्रों के लोगों का आवागमन सुगम हो जाएगा। इसके अलावा साहूपुरा, मलेरना, सुनपेड़, शाहपुर कलां, सोतई, सागरपुर, डीग, असावटी, मांदकौल, फतेहपुर बिल्लौच, लढौली, ककड़ीपुर, नाई नंगला और अन्य गांवों के ग्रामीणों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा।स्थानीय निवासियों का कहना है कि पिछले एक दशक से यह सड़क जर्जर स्थिति में थी।

कांग्रेस के नेता मंडी में जाने की बजाय कांग्रेस शासित प्रदेशों का हाल देखकर आएं: मुख्यमंत्री सैनी

चंडीगढ़। एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार जनता से किये संकल्पों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। हाल ही में दो रोज पहले भी श्रमिकों से किए गए मजदूरी बढ़ाने के संकल्प को सरकार ने पूरा करते हुए उनका मासिक वेतन 19 हजार 425 रुपये तक सुनिश्चित किया है। लेकिन,कांग्रेसी सिर्फ बरगलाने में जुटे है, कभी किसानों को झूठ बोल कर गुमराह करते हैं तो कभी दूसरे वर्ग को। कांग्रेस के नेता मंडी में जाने की बजाय हिमाचल जाएं, कर्नाटक जाएं, तेलंगाना जाएं और पता करके आएं कि क्या वहां की जनता से किये वायदे उनकी सरकारों ने पूरे किए हैं या नहीं।

मुख्यमंत्री शनिवार को चरखी दादरी में विकसित दादरी रैली में बतौर मुख्यातिथि शिरकत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने 540 करोड़ 98 लाख रुपये की 43 विकास परियोजनाओं की सौगात भी दादरी विधानसभा क्षेत्र को दी। कार्यक्रम के दौरान रैली के आयोजक एवं विधायक श्री सुनील सतपाल सांगवान ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी भी मौजूद थी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि चरखी-दादरी की मिट्टी अपने आप में गौरवशाली इतिहास की गवाही देती है। यहां की हवा में शौर्य है, यहां के कण-कण में वीरता बसती है। सन् 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम हो, आजादी की लड़ाई हो अथवा आजादी के बाद चीन व पाकिस्तान से होने वाले युद्ध हों, यहां के जवानों ने सदा वीरता की नई मिसाल कायम की हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन की सरकार हर क्षेत्र का समान विकास करने की दिशा में काम कर रही है। पिछले 11 वर्षों में दादरी विधानसभा क्षेत्र के लिए कुल 271 घोषणाएं की गई हैं। इनमें से 201 घोषणाएं पूरी हो चुकी हैं तथा 58 पर काम जारी है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार ने अब तक दादरी विधानसभा क्षेत्र में 1 हजार 364 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत के विकास कार्य करवाए हैं, जबकि कांग्रेस सरकार के 10 वर्षों में 303 करोड़ 30 लाख रुपये के काम हुए थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में भी जनकल्याण के काम गति से कर रही है। आज समय की मांग है कि हम राजनीति से ऊपर उठकर विकास की राजनीति करें। हमारा लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि जनता का विश्वास जीतना है। विपक्ष केवल आरोप लगाता है, लेकिन हमारे पास काम का रिपोर्ट कार्ड है। हमने जो कहा, वह करके दिखाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दादरी का विकास अब तिगुणी रफ़्तार से होगा। चरखी-दादरी को दिसम्बर, 2016 में नया जिला बनाया गया, वहीं गांव झोझू कलां और बोंद को ब्लॉक बनाया गया। सरकार इस क्षेत्र में भी तेज गति से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि दादरी के लिए हाल ही में पेश किए गए बजट में खास परियोजनाएं बनाई गई है। इसके तहत चरखी दादरी सहित 10 जिलों में प्राकृतिक व जैविक किसानों को कृषि उपज बेचने के लिए मंडियों में जगह उपलब्ध करवाने का प्रावधान किया गया है।

कृषि मंत्री जिला हांसी के गांव बांस की अनाज मंडी में किसानों के बीच पहुंचे

चंडीगढ़। एजेंसी

हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा आज जिला हांसी स्थित बांस गांव की अनाज मंडी पहुंचे, जहां मंडी के प्रवेश द्वार पर प्रदर्शन कर रहे किसानों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। किसानों के साथ संवाद करते हुए उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रदेश सरकार गेहूं की फसल का एक-एक दाना न्यूनतम समर्थन मूल्य(एमएसपी) पर खरीदने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार ने प्रदेश की सभी मंडियों में खरीद प्रक्रिया को सुचारु और पारदर्शी बनाने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। मंडियों में किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं और शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि उन्हें किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि सरकार उनकी हर समस्या के समाधान के लिए तत्पर है। मंडियों में किसानों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि उनकी उपज की बिक्री निर्बाध रूप से हो सके।

श्री राणा ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी स्वयं मंडियों का दौरा कर स्थिति की समीक्षा कर चुके हैं। उनके निर्देशों के पश्चात प्रदेश भर में

गेहूं की खरीद और उठान (लिफ्टिंग) कार्य में तेजी लाई गई है, जिससे किसानों को समय पर राहत मिल रही है।इस दौरान कृषि मंत्री ने किसानों को चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के साथ बैठक के लिए आमंत्रित किया। किसानों ने इस पहल का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री के साथ चाय पर चर्चा के निमंत्रण के लिए कृषि मंत्री का आभार व्यक्त किया, जिससे वे अपनी समस्याएं सीधे सरकार के समक्ष रख सकें। कृषि मंत्री के आश्वासन और सकारात्मक पहल के बाद किसानों ने अपना धरना समाप्त कर दिया।

दौरे के दौरान कृषि मंत्री ने किसानों के साथ चाय पी और अधिकारियों को निर्देश देकर कई शिकायतों का तत्काल समाधान भी करवाया।

कृषि मंत्री के इस संवेदनशील और सक्रिय रुख से किसानों में विश्वास मजबूत हुआ है कि प्रदेश सरकार उनकी फसल की खरीद और मंडी व्यवस्थाओं को लेकर पूरी तरह गंभीर है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चरखी दादरी की नई सब्जी मंडी में आयोजित विकसित दादरी रैली में की अनेक घोषणाएँ

दादरी में जिला परिषद भवन का किया जाएगा निर्माण

पूर्व मंत्री स्वर्गीय सतपाल सांगवान के नाम पर पार्क बनाने की घोषणा

चंडीगढ़। एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चरखी दादरी की नई सब्जी मंडी में आयोजित विकसित दादरी रैली में अनेक घोषणाएँ की। मुख्यमंत्री ने दादरी के विधायक सुनील सांगवान द्वारा रखी गई मांगों को मंजूर करते हुए कहा कि दादरी में स्ट्रांग वाटर की निकासी के लिए लोहारू फीडर या बधवाना डिस्ट्रीब्यूटरी नदी से ड्रेन नंबर 8 तक 76 करोड़ 60 लाख की लागत से ओपन ड्रेन का निर्माण किया जाएगा। इसी प्रकार सहुवास, फतेहगढ़ माइनर का नवीनीकरण और रीमॉडलिंग किया जाएगा। गांव खातीवास, जयश्री, कोलहावास, कमोद, रावलधी, मिश्री और घीकाड़ा के लिए कमोद माइनर की रीमॉडलिंग की जाएगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि बौन्द कलां, कलानौर खुर्द, गुडान और कटेसरा गांव के लिए बौन्द डिस्ट्रीब्यूटरी का पुनर्वास किया जाएगा। डूडीवाला किशनपुरा, रामपुर, डूडीवाला नंदकरण, डोहका दीना गांवों की फिरनियों को पक्का करने का काम किया जाएगा।इसी प्रकार दादरी में जिला परिषद भवन का निर्माण किया जाएगा और सिविल अस्पताल में 100 बिस्तरों के अतिरिक्त ब्लॉक का निर्माण भी करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दादरी में पीजी कॉलेज भवन का निर्माण किया जाएगा और रानीला गांव में जमीन उपलब्ध होने पर गांव को महाग्राम योजना में शामिल किया जाएगा। शहर में जल भराव की समस्या को दूर करने के लिए कालियाना गांव में जल निकासी के लिए दादरी से कलियाणा तक वर्षा जल निकासी का प्रबंध किया जाएगा। इसी प्रकार दादरी केंद्रीय सहकारी बैंक की फीजिबिलिटी चेक करके उसकी स्थापना की जाएगी। छपार गांव को उप तहसील बनाने की मांग को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना होने के पश्चात छपार गांव को तहसील बनाने का प्रस्ताव कमेटी के पास भेज दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सारंगपुर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का नाम शहीद अमित सांगवान के नाम पर किया जाएगा। रणकोली गांव में जमीन उपलब्ध होने पर नए सरकारी आईटीआई व मिनी बस स्टैंड की स्थापना की जाएगी। समसपुर गांव में वृद्ध आश्रम का निर्माण करवाया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि चरखी दादरी में प्ले स्कूलों में आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण व मरम्मत करने का काम किया जाएगा। भागेश्वरी व अचिना गांव में जमीन उपलब्ध करवाने पर खरीद केंद्रों का निर्माण करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दादरी हल्के में 5 करोड की लागत से हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड की विभिन्न सड़कों की मरम्मत की जाएगी। मुख्यमंत्री ने दादरी के सेक्टर में पूर्व मंत्री स्वर्गीय सतपाल सांगवान के नाम पर पार्क बनाने की घोषणा की।इसी प्रकार पूर्व मंत्री सतपाल सांगवान के नाम पर दादरी में एक खेल स्टेडियम का निर्माण भी करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने दादरी शहर के प्रमुख चौकों समसपुर चौक, रावलधी चौक, दादरी बायपास चौक, बाईपास पर घीकाड़ा चौक, कल्याण मोड़ चौक, कॉलेज रोड़ चौक, महेंद्रगढ़ चौक व महेंद्रगढ़ चुंगी चौक के सौंदर्यकरण के लिए 2 करोड रुपए देने की घोषणा की।

दिल्ली-आगरा हाईवे पर सख्ती बढ़ेगी, हर किलोमीटर पर लगेंगे 360 डिग्री कैमरे

फरीदाबाद, (एजेंसी)। दिल्ली–आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर अब यातायात नियमों के उल्लंघन पर कड़ी नजर रखी जाएगी। पूरे हाईवे को अत्याधुनिक निगरानी व्यवस्था से लैस करने की तैयारी है, जिसके तहत हर एक किलोमीटर पर 360 डिग्री सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इस पहल से न केवल नियम तोड़ने वालों पर अंकुश लगेगा, बल्कि सड़क हादसों के कारणों का भी सटीक विश्लेषण किया जा सकेगा।राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा इस परियोजना के तहत कुल 215 कैमरे लगाए जाएंगे। फरीदाबाद जिले की सीमा में 27 कैमरे स्थापित किए जाएंगे, जिससे करीब 23 किलोमीटर क्षेत्र पूरी तरह निगरानी में आ जाएगा। कुल मिलाकर 179 किलोमीटर लंबे मार्ग को इस व्यवस्था के दायरे में लाया जाएगा।योजना के अनुसार, हर किलोमीटर पर लगाए जाने वाले 360 डिग्री कैमरे लगभग आधा किलोमीटर तक निगरानी करेंगे, जबकि अगले किलोमीटर पर लगा कैमरा बाकी हिस्से को कवर करेगा। इस तरह पूरे हाईवे पर लगातार निगरानी सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा हर 10 किलोमीटर पर स्वचालित नंबर प्लेट पहचान प्रणाली वाले कैमरे भी लगाए जाएंगे, जो वाहनों की नंबर प्लेट को तुरंत पहचान सकेंगे।यहतकनीक तेज रफ्तार वाहनों, बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों और अन्य यातायात उल्लंघनों की पहचान करने में सक्षम होगी। साथ ही गलत दिशा में वाहन चलाना, अनधिकृत पार्किंग, बिना हेलमेट ड्राइविंग और पैदल यात्रियों द्वारा गलत तरीके से सड़क पार करने जैसी गतिविधियों पर भी नजर रखी जाएगी।जिले में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। सीकरी, जेसीबी चौक और झाड़सेंतली जैसे क्षेत्रों में दुर्घटनाओं की संख्या अधिक पाई गई है। इस वर्ष अप्रैल माह में ही विभिन्न थाना क्षेत्रों में सड़क हादसों और खतरनाक वाहन चलाने के कई मामले दर्ज किए जा चुके हैं।मार्च में आयोजित सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में उप मंडल दंडाधिकारी अमित कुमार ने इस प्रकार की निगरानी प्रणाली लागू करने का सुझाव दिया था। उन्होंने ऐसे स्मार्ट कैमरों की जरूरत बताई थी, जो स्वत: उल्लंघनों की पहचान कर पुलिस को सूचना भेज सकें। परियोजना निदेशक धीरज सिंह ने कहा कि कैमरे लगने के बाद हादसों के वास्तविक कारणों का पता लगाना आसान होगा और जरूरत पड़ने पर पुलिस को तुरंत फुटेज उपलब्ध कराई जा सकेगी। इससे यातायात व्यवस्था में सुधार के साथ-साथ सड़क सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने शख्स को कुचला, तीन घायल

पलवल, (एजेंसी)। जिले के गांव सौन्दहद में एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर का कहर देखने को मिला। लापरवाही से चलाए जा रहे ट्रैक्टर ने न केवल एक व्यक्ति को अपनी चपेट में लिया, बल्कि घर की दीवार से टकराने के कारण मकान का बरामदा और छत भी ढह गई। इस हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पुलिस को दी गई शिकायत में गांव सौन्दहद निवासी मोहित ने बताया कि 6 अप्रैल 2026 की सुबह करीब 10 बजे गांव का ही रहने वाला उदय अपना न्यू हॉलैंड ट्रैक्टर बेहद तेज रफ्तार और लापरवाही से चला रहा था। घर के बाहर खड़े मोहित के चाचा तारा ट्रैक्टर की चपेट में आ गए और काफी दूर तक घिसटते चले गए।अनियंत्रित ट्रैक्टर इसके बाद सीधे तारा के मकान की दीवार से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मकान की दीवारें, बरामदा और छत ढह गई। उस समय बरामदे में बैठे दीघोट के रहने वाले वीरपाल और देवबती मलबे के नीचे दब गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।सभी घायलों को तुरंत सरकारी अस्पताल होडल ले जाया गया। वहां से प्राथमिक उपचार के बाद तारा की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें फरीदाबाद के प्राची अस्पताल और फिर वहां से उन्हें रेफर कर दिया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। परिजनों के घायलों के इलाज में व्यस्त होने के कारण शिकायत देने में देरी हुई। मुंडकटी थाना पुलिस ने मोहित की शिकायत पर ट्रैक्टर चालक उदय के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पांच किलो के सिलेंडर के लिए जागरुकता शिविर

फरीदाबाद। शहर में मजदूरों को सस्ती और सुविधाजनक रसोई गैस उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शनिवार को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने विभिन्न स्थानों पर जागरूकता शिविरों का आयोजन किया। इन शिविरों के माध्यम से श्रमिकों को पांच किलो के छोटे गैस सिलेंडर की जानकारी दी गई, जिससे वे आसानी से इसका लाभ उठा सकें।

डॉ. सुमिता मिश्रा ने सरकारी अस्पतालों में तुरंत सुधार के दिए निर्देश, 24 घंटे सेवाएं, निरीक्षण और कमियों के लिए ज़ीरो टॉलरेंस

चंडीगढ़। एजेंसी

हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने हरियाणा के सभी सरकारी अस्पतालों के व्यापक सुधार के आदेश दिए हैं। इसके तहत जिला अस्पतालों से लेकर राज्य के दूर-दराज के कोने में स्थित अंतिम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक स्वास्थ्य प्रणाली के हर स्तर पर निर्देश जारी किए गए हैं। संदेश साफ़ है-सख्ती से पालन और समय पर सुधार ज़रूरी हैं, ऑप्शनल नहीं।

डॉ. मिश्रा ने सभी जिला उपायुक्त, सिविल सर्जन, सरकारी मेडिकल कॉलेज के निदेशक और सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट को भेजे एक पत्र में कहा है कि लापरवाही, देरी या टालमटोल करने पर तुरंत प्रशासनिक एक्शन लिया जाएगा और संबंधित अधिकारियों की व्यक्तिगत जवाबदेही तय की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सुधार की पहल के तहत, 13 अप्रैल से सभी सरकारी अस्पतालों में एक हफ़्ते का सफ़ाई अभियान शुरू किया जाएगा। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अस्पताल परिसर, जिसमें वार्ड, कॉरिडोर, पार्क और आस-पास के इलाके शामिल हैं, की अच्छी तरह से सफ़ाई करें, साथ ही बायोमेडिकल वेस्ट का सही मैनेजमेंट भी करें। पारदर्शिता और निगरानी करने के लिए तय अधिकारियों को सफाई की एक्टिविटी के फोटोग्राफिक सबूत देने होंगे, जिससे रियल-टाइम अकाउंटेबिलिटी का सिस्टम मज़बूत होगा।

उन्होंने कहा कि प्रोफेशनलिज्म और मरीज़ों का भरोसा बढ़ाने के लिए अस्पताल के सभी स्टाफ़-मेडिकल, पैरामेडिकल और प्रशासनिक को ड्यूटी के दौरान तय यूनिफ़ॉर्म पहनने और पहचान और पद साफ़-साफ़ दिखाने का निर्देश दिया गया है। इस कदम से मरीज़ों के साथ बातचीत और संस्थागत अनुशासन में सुधार होने की उम्मीद है।

सरकार ने मरीज़ों के अनुभव को बेहतर बनाने पर बहुत ज़ोर दिया है। अस्पतालों को यह पक्का करना चाहिए कि मरीज़ों और उनके अटेंडेंट के लिए साफ़ टॉयलेट, पीने का साफ़ पानी, साफ़ बिस्तर और बैठने की सही व्यवस्था जैसी ज़रूरी सुविधाएँ मौजूद हों।

इसके अलावा, संस्थागत को प्रभावी क्यू मैनेजमेंट सिस्टम के ज़रिए मरीज़ों के आने-जाने को आसान बनाने के निर्देश दिए गए हैं। इंतज़ार का समय कम करने और भीड़ कम करने के लिए जहाँ भी ज़रूरत हो, वहाँ और रजिस्ट्रेशन काउंटर और हेल्प डेस्क बनाए जाएँगे।

सभी अस्पतालों को निर्देश दिया गया है कि वे आयुष्मान भारत हेल्प डेस्क को बिना किसी रुकावट के काम करने दें, ताकि योग्य लाभार्थियों को बिना किसी प्रक्रिया में देरी के समय पर मदद मिल सके। इसके साथ ही, एम्बुलेंस सर्विस चौबीसों घंटे पूरी तरह चालू रहनी चाहिए और सरकार इमरजेंसी में किसी भी रुकावट के लिए ज़ीरो-टॉलरेंस अप्रोच अपनाए।उन्होंने कहा कि मां और बच्चे की हेल्थ की अहमियत को समझते हुए, सरकार ने अस्पतालों को मैटरनिटी और बच्चों के वार्ड को अपग्रेड करने का निर्देश दिया है। लोकल संस्थाओं के साथ मिलकर, सुखदायक रंगों से दोबारा पेंट करके और बच्चों के लिए सही आर्टवर्क लगाकर, ज्यादा स्वागत करने वाला और स्ट्रेस-फ्री माहौल बनाने के लिए जगहों को बढ़ावा दिया जा रहा है।उन्होंने बढ़ते तापमान को देखते हुए, अस्पतालों से कहा गया है कि वे मरीज़ों और विज़िटर्स के लिए साफ़ और ठंडे पीने के पानी की लगातार सप्लाई पक्का करें। अधिकारियों को लोगों की सेहत की सुरक्षा के लिए और ज्यादा कूलिंग इंतज़ाम और मच्छरों को कंट्रोल करने के तरीकों के लिए एनजीओ और चौरिटेबल ऑर्गनाइज़ेशन से मदद लेने के लिए भी कहा गया है।उन्होंने कहा कि अस्पताल तक आसान पहुंच और मार्गदर्शन को बेहतर बनाने के लिए, सभी जगहों पर साफ़ और दिखने वाले साइनेज लगाने होंगे। इसके अलावा, साफ़ और सुरक्षित माहौल बनाने के लिए सरकारी नियमों के हिसाब से सभी कबाड़ सामान, खराब गाड़ियां और इस्तेमाल न होने वाले इक्विपमेंट को तुरंत हटा देना चाहिए।उन्होंने समय पर मेडिकल मदद के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए, सभी डायग्नोस्टिक और लैबोरेटरी सर्विस को-जिसमें कैथ लैब जैसी ज़रूरी यूनिट भी शामिल हैं-24म7 काम करने का निर्देश दिया गया है, ताकि यह पक्का हो सके कि मरीज़ों को तुरंत और बिना किसी रुकावट के देखभाल मिले। नियमों का पालन करवाने के लिए जिला उपायुक्त और सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट को निर्देश दिया गया है कि वे पांच दिनों के अंदर अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले अस्पतालों का खुद निरीक्षण करें। इन निरीक्षण में साफ-सफाई, इंफ्रास्ट्रक्चर और सर्विस डिलीवरी शामिल होगी और रिव्यू के लिए फोटोग्राफिक रिपोर्ट जमा करनी होगी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली लू ले लो आ

दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-1-3-6

वृष
इ उ ए ओ वा वी वू वे चो

संतोष से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मिथुन
का की कू घ ङ छ के को हा

मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहे। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-7

कर्क
ही हू हे हो डा डी डू डे डो

स्वास्थ्य में ताजगी बनने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-5-7-8

सिंह
मा मी मू मे मो टा टी टू टे

सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-1-2-5

कन्या
टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-7

तुला
रा री रु रे रो ता ती तू ते

महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। शुभांक-5-6-8

वृश्चिक
तो ना नी नू ने नो य यी यू

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। अच्छे समय का इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-2-5-7

धनु
ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें। शुभांक-5-6-7

मकर
मे जा जी खी खू खे खो गा गी

अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-7-8

कुंभ
गू गे गो सा सी सू से सो दा

कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। शुभांक-5-7-8

मीन
दी दू थ झ ञ द दो चा ची

पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। शुभांक-1-4-5

काकुरो पहेली - 3856

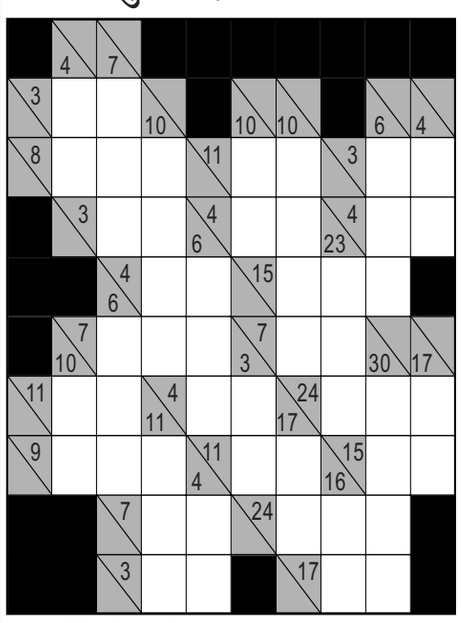

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

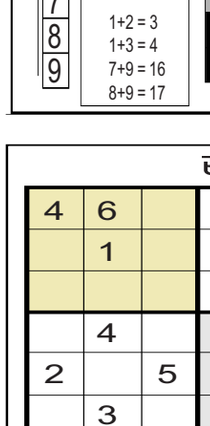

काकुरो - 3855 का हल

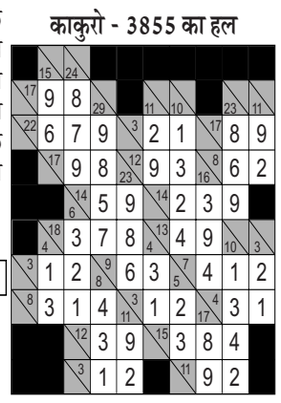

हंसी के फव्वारें

फौजदारी का मुकदमा था.

अपराध स्वीकार कर लेने के पश्चात वकील ने अपराधी से पूछा-'तुमने उसे कितने थप्पड़ मारे थे ?'

'जी एक !'

तभी वह आदमी चिल्ला पड़ा जिसे मार पड़ी थी-'यह झूठ बोलता है मीलॉर्ड ! इसने मुझे पांच थप्पड़ मारे थे !'

इस पर अपराधी ने भोलेपन से कहा-'मीलॉर्ड ! मैंने मारा तो एक ही थप्पड़ था, पर इसके स्वास्थ्य को देखते हुए मैंने उसे पांच किश्तों में बांट दिया था.'

□ □ □

एक बार परेड हो रही थी.

एक कमांडर को बहुत कम जवानों के नाम याद रहते थे. वह जिस किसी जवान का नाम जानता था, वरेड के समय उसी को ज्यादा टोकता था.

उस दिन परेड में वह चिल्लाया-'महेश ! परेड के साथ नहीं चलते. कदम बराबर मिलाओ ! तुम बहुत सुस्त चलते हो.'

'सर !'

सूबेदार ने सूचना दी-'महेश तो आज छुट्टी पर है.'

'तो क्या हुआ ?'

कमांडर और जोर से चीखा-'वह वहां भी सुस्त चल रहा होगा.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3856

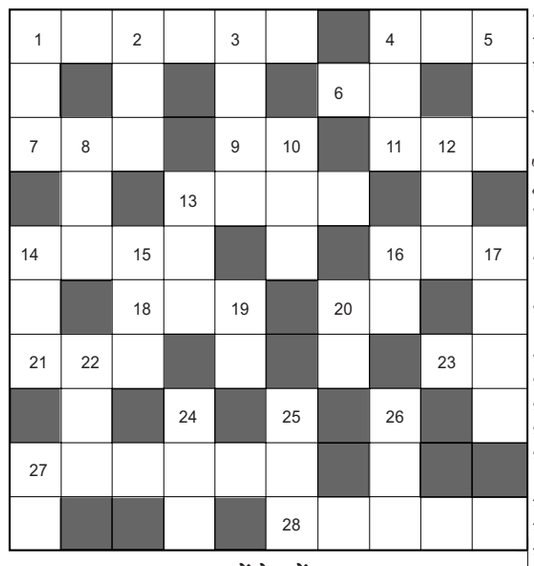

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'गमजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3855

क	ल	यु	ग	■	जा	न	ए	म	न
भी	■	वा	■	दि	ल	■	ला	■	या
अ	क्स	■	शि	वा	■	खा	न	दा	न
ल	■	ठि	का	ना	■	मो	■	■	श
वि	■	■	र	■	आ	शी	र्वा	द	■
दा	मि	नी	■	भा	ई	■	■	ह	स्ती
ना	■	ल	क्ष्य	■	ना	ला	य	क	■
क	स	म	■	स	■	ट	■	■	मं
ह	■	■	दौ	ड़	■	सा	थ	सा	थ
ना	स्ति	क	■	क	री	ब	■	■	न

सूडोकु -3856

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3855 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 3856

बाएँ से दाएँ
1. बादलों की गड़गड़ाहट-4
3. नीरस, रस विहीन-4
8. नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10. कंठस्थ करना-3
11. जुड़वा-3
13. उक्ति,काव्य कृति-3
15. आने वाला दिन-2
17. पर,पराया,दूसरा-2
18. हाथ-2
19. कविता लिखने वाल-2
21. बजाने वाला-3
25. कक्ष,रूम-3
26. ठिकाना,नीड़-3
27. हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30. अभिप्राय-4
31. आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे
2. तरुणाई,लड़कपन-3
4. सहायता,आधार-3
5. बीताना,यापन करना-4
6. दिखावा,पाखंड-4
7. जरुरत,स्वार्थ-3
8. राजी करना-3
9. योग्य-3
12. मसलना-3
13. इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14. सुगंध,लास-3
16. रोकड़ राशि-3
20. रुकना, स्थिर होना-3
22. विजय दशमी -4
23. भोर,सवेरा-3
24. सना हुआ,तर-4
25. छल,धोखा-3
28. अनुकृति-3
29. श्रंगार -3

शब्द पहेली -3855 का हल

अ	लि	आ	व	श्य	क	■	का	ग	वा	स	
ज	ल	■	र	■	म	छ	ली	■	र	मा	
र	■	अ	दा	का	र	■	न	र	■	धा	
अ	र	मा	न	■	बं	द	■	ज	मी	न	
म	■	न	■	म	द	म	स्त	■	रा	■	
र	ज	त	प	ट	■	क	र	म	ज	ला	
■	प	■	ट	क	रा	ना	■	स	■	ल	
मु	ना	दी	■	ना	ग	■	द	ल	ह	न	
ला	■	प	री	■	गा	झी	वा	न	■	पा	
का	का	■	त	न	य	■	घ	■	न	ल	
त	र	सा	ना	■	न	ग	र	भ	व	न	

चंद्रकला

गहनों की चमक पड़ न जाए फीकी

चमकदार गहने लगे सुंदर

गहनों के बगैर नारी की साज-सज्जा अधूरी है। नारी के गले, नाक, हाथ व पैर में कोई गहने न होना अशुभ माना जाता है। किसी भी पारिवारिक व सामाजिक त्योहार पर नारी को गहने पहनना ही पड़ते हैं।

गहनों की चमक नारी के सौंदर्य में अभिवृद्धि कर देती है। तभी तो गहनों से सजी-धजी नवविवाहिता किसी 'जन्नत की हूर' सी लगती है।

गहनों की चमक जब तक बरकरार रहती है, तब तक ही वे सुंदर लगते हैं। जैसे-जैसे इनकी चमक खोती जाती है, वैसे-वैसे इन पर कालापन छाने लगता है।

हर चीज का यदि सही तरीके से रखरखाव नहीं किया जाए तो वह खराब होती जाती है। उसी प्रकार गहनों की उचित साफ-सफाई व रखरखाव न करने पर इनकी चमक कम होती जाती है।

नियमित सफाई व अच्छी पैकिंग से खास मौकों पर पहने जाने वाले इन कीमती गहनों की उम्र बढ़ सकती है और इनकी वही चमक बरकरार रह सकती है, जो इन्हें खरीदते वक्त थी।

क्या कारण है चमक खोने का :

आमतौर पर गहनों में जमा मैल व गंदगी से इनकी चमक खो जाती है। किसी-किसी का पसीना ऐसा होता है जिससे गहने काले पड़ जाते हैं।

नमीयुक्त हवा में गहनों को खुला छोड़ देने से भी इनकी चमक प्रभावित होती है।

कैसे रखें चमक बरकरार :

- पानी को गुनगुना गरम करके उसमें कुछ देर सोने या चाँदी के गहनों को डालकर रखें।
- गहनों में जमा मैल को साफ करने के लिए उन्हें हल्के हाथों से टूथ ब्रश से रगड़ें।
- गहनों पर कभी भी परफ्यूम का छिड़काव न करें।
- अधिक समय तक चमक को बरकरार रखने के लिए उन्हें मुलायम कपड़े, रुई या पैक डिब्बी में रखें।

चंद्रकला

सामग्री : 200 ग्राम मैदा, 250 ग्राम खोआ, 1 किलो शक्कर, 20 ग्राम मिश्री, 8-10 बादाम, 15-20 पिस्ता, 4-5 छोटी इलायची, 1/4 चम्मच केशर, 2 चाँदी के वर्क, डेढ़ बड़े चम्मच तलने का घी।

विधि : बादाम-पिस्ता छीलकर महीन काट लें। केशर खूब महीन काट लें। इलायची चूर लें। मिश्री के चने की दाल के बराबर टुकड़े कर लें। खोआ कस लें। इसमें मेवा, मिश्री, इलायची व केशर मिला लें। इसके 8 हिस्से कर लें।

मैदे को घी देकर कड़ा सान लें। इसकी 16 लोई बना लें, प्रत्येक लोई को 3 इंच गोल पतली बेल लें। एक पूरी पर 1 हिस्सा मसाला रखकर दूसरी से ढँक दें व किनारों को उँगली से गूँथ लें।

शक्कर की एक तार चाशनी बना लें। घी गर्म कर मध्यम आँच पर चंद्रकला गुलाबी तल लें और कड़ाही से निकालकर तुरंत गर्म चाशनी में डालें। पलटते हुए 15-20 मिनट चाशनी में रखें। निकालकर वर्क लगा लें।

चंद्रकला

कैसा हो गर्मी में मेकअप का अंदाज

गर्मियों में धूप, धूल व पसीने के कारण त्वचा चिपचिपी-सी हो जाती है। ऐसे में त्वचा की उचित देखभाल के साथ ही आवश्यकता है मेकअप का अंदाज बदलने की। सर्दियों की अपेक्षा इस मौसम में कम मेकअप करना चाहिए। अपने चेहरे को नेचुरल लुक देने का प्रयास करें। यदि आपकी त्वचा बेदाग है तो फाउंडेशन का उपयोग बिलकुल न करें। चेहरे पर थोड़ा-सा लिक्विड मॉइश्चराइजर और बेबी पावडर लगा लें, इससे आपके चेहरे को 'ट्रांसल्यूसेंट' लुक मिलेगा।

रात के समय यदि आप किसी पार्टी में जा रही हैं तो चेहरे पर लिक्विड फाउंडेशन लगाना सबसे बेहतर है। यदि आपकी स्क्रीन बहुत ज्यादा ड्राय हो तो आप क्रीमयुक्त मॉइश्चराइजर का ही इस्तेमाल करें। मेकअप करते समय उसे अधिक न रगड़े। चाहे फाउंडेशन हो या ब्लशर- हमेशा हल्के हाथों से ही लगाएँ। किसी गीले स्पॉन्ज से भी इसे लगाया जा सकता है।

यदि आपको चेहरे के दाग-धब्बे व मुँहासे छिपाने हों तो फाउंडेशन या पावडर लगाने से पहले कंसीलर लगा लें। कंसीलर को किसी छोटे-से ब्रश से लगाएँ और फिर ऊपर से थोड़ा पावडर लगा लें। नेचुरल लुक के लिए लिपस्टिक के स्थान पर लिप-ग्लास लगाएँ। रात के समय चेहरे की रंगत को बढ़ाने के लिए लिपस्टिक को लिप ब्रश की मदद से ही लगाएँ ताकि ज्यादा देर तक रहे।

गर्मियों के मौसम में दिन के लिए लाइट ब्राउन, रोज, पिंक और रात के लिए ब्रांज, कोरल, कॉपर और बरगंडी कलर की लिपस्टिक का ही इस्तेमाल करें। इससे आपके चेहरे की सुंदरता और चमक दोगुनी हो जाएगी।

आँखों के लिए दिन में सिर्फ काजल लगाएँ। यदि चाहें तो जरा-सा आई शेडो भी लगा सकती हैं। ब्राउन और ग्रे आई शेडो आपके चेहरे को नेचुरल लुक देते हैं। रात के समय आप आई लाइनर लगा सकती हैं। मगर लगाने के बाद उसे स्पॉन्ज एप्लीकेटर से अच्छी तरह मिला लें।

इससे आपकी आँखें सुंदर दिखेंगी। रात के मैकअप में आईब्रोज के नीचे जरा-सा हाई-लाइटर लगा लें। इसके लिए आप व्हाइट या किसी भी लाइट-कलर के शेडो का इस्तेमाल कर सकती हैं। रात और दिन में मस्कारा अवश्य लगाएँ। मस्कारा लगाने से पहले आई-लैशेज को अच्छीतरह सुलझा लें जिससे वे एक-दूसरे से न चिपकें।

गालों पर हल्का-सा ब्लशर लगा लें। पावडर ब्लशर इस्तेमाल करने में सबसे आसान है। जो हमेशा मैकअप करने के बाद ही लगाया जाना चाहिए। ब्लशर को चिक बोन्स पर लगाएँ, फिर उसे बाहर की ओर अच्छी तरह से मिला लें। मिलाने के बाद देख लें कि कोई भी हिस्सा छूट न गया हो। सिर्फ उसी ब्लशर का इस्तेमाल करें जिसका रंग आपके चेहरे के रंग से मिलता-जुलता हो। परफ्यूम्स भी आपके मैकअप का ही एक हिस्सा है।

इस मौसम में इसकी खुशबू वाले परफ्यूम्स ही लगाने चाहिए। दिन के समय कोलोन लगाना बेहतर है। कपड़ों में लीफ-ग्रीन, ऑलीव-ग्रीन, लाइम-ग्रीन, लेमन येलो, क्रीम, लाइट ब्राउन, पिंक, टरक्वॉइस ब्लू और लाइट ब्लू कलर्स सबसे खूबसूरत लगते हैं। फ्लोरल प्रिंट्स, चेक्स, डॉट्स या लेस और एम्ब्रॉयडरी के कपड़े भी इस मौसम में अच्छे लगते हैं।

मैकअप को लेकर आप कई कलर्स का उपयोग कर सकती हैं,पर इसके लिए यह देखना जरूरी है कि आपके चेहरे पर कौन-सा रंग सूट करता है, इसलिए रंगों के चुनाव में थोड़ी-सी सावधानी बरतें।

पहनें परिधान शरीर के हिसाब से

जिन महिलाओं का शरीर आनुपातिक नहीं हो, उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किस तरह के परिधान पहनकर शरीर के दोषों को छिपाया और गुणों को उभारा जा सकता है। जिन महिलाओं के शरीर में शारीरिक अनुपात सही नहीं है वे अपने शरीर पर पहनने वाले परिधान का तालमेल इस तरह बनाएँ-

छोटी व मोटी गर्दन होने पर-

ऐसी गर्दन पर गोल गले के परिधान न पहनकर %वी% आकार के गले के परिधान पहनें।

अधिक लंबी व पतली गर्दन होने पर-

ऐसी गर्दन पर गहरे गले के परिधान न पहनें इससे गर्दन और अधिक लंबी नजर आती है। कॉलर वाले गले के परिधान सुंदर लगते हैं। इससे लंबाई भी कम नजर आती है। आप हाईनेक और स्टैंड कॉली भी पहन सकती हैं।

भारी शरीर पर-

सूती, कोटा या अधिक कलफ वाले परिधान न पहनें। चुस्त परिधान या अधिक पतली साड़ी भी न पहनें, क्योंकि पतले परिधान मोटे व बेडोल शरीर का प्रदर्शन करते हैं। आप सिल्क, शिफॉन, जॉर्जेट, और बिना कलफ वाले कॉटन का उपयोग कर सकती हैं।

Disclaimer (अस्वीकरण) :

टाइम्स ऑफ पीडिया में पब्लिश किये गए आलेखों में व्यक्त किए गए विचार लेखक के निजी विचार हैं। इसमें दी गई किसी भी सूचना डाटा की सटीकता, संपूर्णता, व्यावहारिकता अथवा सच्चाई के प्रति टाइम्स ऑफ पीडिया उत्तरदायी नहीं है। आलेख में सभी सूचनाएं ज्यों की त्यों प्रस्तुत की गई हैं। इस आलेख में दी गई कोई भी सूचना अथवा तथ्य अथवा व्यक्त किए गए विचार टाइम्स ऑफ पीडिया के नहीं हैं, तथा टाइम्स ऑफ पीडिया उनके लिए किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं है। (TOP Legal Cell)

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त डायरी

सीएसए में 'लिटिल फन फिएस्टा' के तहत रचनात्मकता को दिया गया बढ़ावा

कानपुर (एजेंसी) । चन्द्रशेखर आजाद कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) ने छोटे बच्चों को शैक्षणिक गतिविधियों की ओर आकर्षित करने के लिए एक नई पहल की है। इस पहल को 'लिटिल फन फिएस्टा' नाम दिया गया है जिसके तहत सीनियर छात्र नन्हे बच्चों को खेल–खेल में रचनात्मकता को बढ़ावा दे रहे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को स्नातक के छठे सेमेस्टर के छात्रों ने नन्हे बच्चों को नई–नई चीजें सिखाया। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में लिटिल फन फिएस्टा प्रदर्शनी का आयोजन स्नातक छठे सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा किया गया। इस प्रदर्शनी का आयोजन विशेष रूप से 03 से 06 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए किया गया था। इसके पीछे मुख्य लक्ष्य बच्चों में रचनात्मकता को बढ़ावा देना। खेल-खेल में शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से नई चीजें सिखाना। मनोरंजन के साथ उनके मानसिक और सामाजिक विकास को गति देना आदि था। कार्यक्रम का शुभारंभ मानव विकास एवम् परिवारिक अध्ययन विभाग की प्रभारी डॉ. मुक्ता गर्ग द्वारा किया गया। इस अवसर पर नर्सरी के बच्चों, उनके अभिभावकों एवं परिसर में निवास कर रहे लोगों ने उत्साहपूर्वक अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न गतिविधियों जैसे खेल, चित्रकला एवं रचनात्मक कार्यों का आयोजन किया गया, जिसमें की बच्चों की सहभागिता एवं उत्साह अत्यंत प्रशंसनीय रहा। एवं अभिभावकों ने कार्यक्रम की प्रशंसा की और बच्चों के लिए बहुत उपयोगी बताया। इस अवसर पर नर्सरी शिक्षिका रेनू तथा विभाग की शिक्षिकाएँ डॉ. सुमेधा चौधरी एवं डॉ. श्वेता सिंह ने अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई।

अपहृत बेटे की सकुशल बरामदगी पर पिता ने मुख्यमंत्री योगी का जताया आभार

बस्ती (एजेंसी) । जनपद बस्ती में अपहृत युवक की सकुशल बरामदगी के बाद पीड़ित परिवार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पुलिस महानिदेशक और बस्ती पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया है। पीड़ित अनय उपाध्याय के पिता मनोज कुमार उपाध्याय ने कहा कि उनके बेटे का कुछ अज्ञात लोगों ने अपहरण कर लिया था। इसकी सूचना मिलते ही उन्होंने थाना लालगंज में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल कार्रवाई की और उनके बेटे के साथ उसके साथी को भी सुरक्षित बरामद कर लिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए वो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और बस्ती पुलिस का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने समय पर कार्रवाई कर बेटे की जान बचाई। आठ अप्रैल को अनय उपाध्याय अपने मित्र के साथ वाराणसी गया था, जहां 09 अप्रैल को कुछ अज्ञात लोगों ने दोनों को बंधक बनाकर उनके परिजनों से फिरौती मांगनी शुरू कर दी। सूचना मिलते ही थाना लालगंज पुलिस ने मामला दर्ज कर त्वरित कार्रवाई शुरू की। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीम वाराणसी पहुंची और स्थानीय पुलिस के सहयोग से मोबाइल लोकेशन ट्रेसिंग व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनों युवकों को गोइठहां चौराहा स्थित एक रेस्टोरेंट से सकुशल बरामद कर लिया। इस दौरान पुलिस ने तीन आरोपितों को हिरासत में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। बरामद युवकों में अनय उपाध्याय (19) और उसका साथी दिव्यांशु उर्फ राहुल उपाध्याय (17) शामिल हैं। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से परिजनों ने राहत की सांस ली है और प्रशासन की तत्परता की सराहना की है।

सरेराह अधिवक्ता की गोली मारकर हत्या

मीरजापुर (एजेंसी) । ।उत्तर प्रदेश में जनपद मीरजापुर कटरा कोतवाली क्षेत्र के कतवारूपुरा में शनिवार सुबह वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव सिंह उर्फ रिंटू सिंह की बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि अधिवक्ता को बदमाशों ने नजदीक से गोली मारी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर फरार हो गए। घटना स्थल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। परिजन का आरोप है कि अधिवक्ता ने पहले ही कटरा कोतवाली में हत्या की आशंका जताते हुए प्रार्थना पत्र दिया था, लेकिन समय रहते कार्रवाई नहीं होने से यह घटना हो गई। इससे पहले भी उन पर दो बार हमला हो चुका था। बताया जाता है कि मृतक की पत्नी देवरी कला ग्राम प्रधान हैं। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। कटरा कोतवाली प्रभारी बैद्यनाथ सिंह ने बताया कि अधिवक्ता की गोली मारकर हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और हमलावरों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए टीमें लगाई गई हैं। घटना के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दो बाइकों की सीधी टक्कर में तीन युवकों की मौत

कानपुर (एजेंसी) । बिल्हौर थाना क्षेत्र के उत्तरीपुरा कस्बे में देर रात तेज रफ्तार दो बाइकों की आमने-सामने हुई टक्कर में तीन युवकों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक युवती समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाते हुए शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना उत्तरीपुरा कस्बे की जा है, जहां देर रात दो बाइकें तेज रफ्तार में आमने-सामने टकरा गईं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए और सवार युवक दूर जा गिरे। हादसे में ग्राम खजुरिया नेवादा निवासी रघुवर (21), ग्राम पूरा निवासी जतिन उर्फ बिहारी (20) और ओम (23) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं राहुल और कविता गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया । प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों बाइक चालक तेज गति में थे और किसी ने हेलमेट नहीं पहना था। सड़क पर अंधेरा होने के कारण वे एक-दूसरे को देख नहीं सके, जिससे यह हादसा हो गया। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। हादसे में जान गंवाने वाले ओम के परिवार की हालत सबसे ज्यादा दयनीय है। पिता का कई वर्ष पहले निधन हो चुका है और वह अपनी मां व दो बहनों का सहारा था। मेडिकल स्टोर चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। वहीं जतिन फास्ट फूड का ठेला लगाकर घर चलाता था। एक साल पहले उसके भाई की भी सड़क हादसे में मौत हो चुकी थी, ऐसे में दूसरी त्रासदी ने परिवार को पूरी तरह तोड़ दिया है। रघुवर अपने पिता के साथ खेती-बाड़ी कर परिवार का हाथ बंटाता था। तीनों युवकों की मौत की खबर मिलते ही गांवों में शोक की लहर दौड़ गई। उत्तरीपुरा चौकी प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर घायलों का उपचार कराया जा रहा है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने बदला गांव का नाम, अब गुरुदेव रविंद्र नाथ ठाकुर के नाम से होगी नई पहचान

सीएम योगी ने 314 परियोजनाओं का किया लोकार्पण, बोले— जहां प्रजा सुखी, वही सच्चा शासन

लखनऊ (एजेंसी) । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखीमपुर खीरी जनपद को कई विकास परियोजनाओं की सौगात दी। मोहम्मद तहसील क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने मियांपुर गांव का नाम बदलने का एलान किया। उन्होंने कहा कि मियांपुर का नाम रविंद्र नगर किया जाएगा। लखीमपुर खीरी के मोहम्मदी तहसील क्षेत्र के मियांपुर गांव का नाम बदलकर अब रविंद्र नगर किया जाएगा। इसकी घोषणा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मियांपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान की। मुख्यमंत्री ने यहां पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) से विस्थापित होकर बसाए गए बंगाली हिंदू परिवारों को भूमि का मलिकाना हक प्रदान किया। साथ ही अन्य विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने खास तौर पर विभाजनकारी राजनीति से सावधान रहने की बात कही। उन्होंने तुष्टिकरण और विभाजन की राजनीति पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री योगी ने जिले में दो जगहों पर आयोजित कार्यक्रम में 817 करोड़ की 314 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसके साथ ही 4356 थारू परिवारों और 2350 विस्थापित परिवारों को भूमि का मालिकाना हक संबंधी अधिकार पत्र प्रदान किए। रविंद्र नाथ ठाकुर के नाम से जाना जाएगा गांव सीएम योगी ने कहा कि पापी पाकिस्तान ने पहले भारत का विभाजन किया, फिर पाकिस्तान भी टुकड़े हुए। पाकिस्तान अभी और टुकड़ों में बंटने वाला है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पाप की सजा वहां रह रहे हिंदू, सिख, बौद्ध, पारसी लोगों को मिली है। क्योंकि वहां किसी और जाति के लिए कोई जगह नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस का पाप देखा। आपका अधिकार लिया और वोट लेते रहे। लेकिन आपको जमीन का अधिकार नहीं दिया। आपकी पहचान छिपाने के लिए गांव का नाम भी मियांपुर रख दिया। एक भी मियां, नाम मियांपुर। अब ये मियांपुर नाम नहीं रहेगा। अब इस गांव का नाम रविंद्र नगर होगा। गुरुदेव रविंद्र नाथ ठाकुर के नाम पर यह गांव जाना जाएगा। थारू परिवारों को भी मिला जमीन का मालिकाना हक इससे पहले सीएम योगी ने पलियाकलां के चंदनचौकी में 4356 थारू परिवारों को 538 हेक्टेयर जमीन के स्वामित्व संबंधी अधिकार पत्र दिए। 1976 से ये परिवार सिर्फ जमीन का उपयोग कर रहे थे, अब वे इसके मालिक बन गए हैं। इसके अलावा सीएम योगी ने यहां विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसमें सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। जहां प्रजा सुखी, वही सच्चा शासन- सीएम योगी सीएम योगी ने कहा कि सच्चा शासन वही है, जहां प्रजा सुखी रहे। शासन की खुशी का आधार उसकी जनता की खुशी है। यह कार्य तभी होता है जब शासन सत्ता में संवेदना होती है। बिना भेदभाव के काम हो। आज जो काम हो रहा है ये उसी संवेदना का काम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों में संवेदनाओं का अभाव था। अपने परिवारवाद से ऊपर उठ पाते तो इन थारू परिवारों के बारे में सोच पाते।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में कतार प्रबंधन की समीक्षा,

वाराणसी (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में स्थित श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन के लिए प्रतिदिन लाखों की संख्या में उमड़ रहे श्रद्धालुओं की सुविधा और दर्शन में घंटों प्रतीक्षा न करना पड़े इसके लिए मंदिर प्रबंधन ने व्यापक तैयारी की है। भीषण गर्मी को देखते हुए मंदिर प्रबंधन ने दर्शन के लिए कतार व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया है। कतार बद्ध श्रद्धालुओं को शीघ्र दर्शन कराने के लिए अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती की गई है। मंदिर के प्रवेश और निकास मार्गों को स्पष्ट रूप से निर्धारित किया गया है, जिससे आवागमन सुचारु बना रहे। शनिवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की ओर से यह जानकारी दी गई। बताया गया कि श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में देश के विभिन्न भागों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान श्री विश्वेश्वर के दर्शन के लिए निरंतर पहुंच रहे हैं। बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुगम दर्शन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की है। मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ विश्वभूषण के अनुसार , श्रद्धालुओं को अधिक समय तक कतार में प्रतीक्षा न करनी पड़े, इसके लिए समय-समय पर कतार प्रबंधन की समीक्षा की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है तथा पेयजल और स्वच्छता के लिए भी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। मंदिर प्रशासन का मुख्य उद्देश्य यह है कि सभी श्रद्धालु सहजता और तीव्रता के साथ बाबा के दर्शन कर सकें तथा उनकी आस्था और विश्वास को पूर्ण सम्मान मिले। प्रशासन सभी श्रद्धालुओं से सहयोग की अपेक्षा करता है ताकि व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो सके।

देवराहा बाबा आश्रम के समीप मिला एक और शव, 11 हुई मृतकों की संख्या; बचाव कार्य जारी

मथुरा (एजेंसी) । वृंदावन में यमुना नदी में मोटरबोट पलटने से हुआ हादसे के बाद बचाव कार्य में जुटी टीम को एक और श्रद्धालु की लाश मिली है। इसके साथ ही इस हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या 11 हो गई है। एनडीआरएफ और अन्य टीमें राहत-बचाव कार्य में जुटी हैं। हादसे के कारणों की जांच जारी है। वृंदावन के केसीघाट और बंशीवट के बीच यमुना नदी में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा हुआ, जिसमें 37 श्रद्धालुओं से भरी मोटरबोट पांटून पुल से टकराकर पलट गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में अब तक 11 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि कई अन्य लापता बताए जा रहे हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और अन्य बचाव दल युद्धस्तर पर लापता लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं। यह हादसा तब हुआ जब लुधियाना, हिसार, मुक्तसर और जगरांव से आए श्रद्धालुओं का एक दल यमुना नदी की सैर कर रहा था। दोपहर के समय, केसीघाट और बंशीवट के बीच स्थित पांटून पुल के पास अचानक मोटरबोट लहराने लगी और पुल से जा टकराई। टक्कर के बाद नाव पलट गई, जिससे उसमें सवार श्रद्धालु यमुना के गहरे पानी में डूबने लगे। चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, पीएसी के गोताखोर, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गईं। अब तक 15 लोगों को बचा लिया गया है, जिन्हें घायल अवस्था में वृंदावन के रामकृष्ण मिशन अस्पताल और मांट स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया है। शाम तक शेष लापता श्रद्धालुओं की तलाश जारी थी, जिसमें यमुना नदी के विभिन्न हिस्सों में एनडीआरएफ का सर्च ऑपरेशन जारी है। देवराहा बाबा आश्रम के समीप एक और शव मिलने की सूचना है, जिससे मृतकों की संख्या 11 हो गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसा पांटून पुल को लापरवाही से हटाए जाने के दौरान हुआ, जिसकी चपेट में मोटरबोट आ गई। हालांकि, दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है और सच्चाई का पता लगाया जा रहा है। यह श्रद्धालु सुबह दो बसों में वृंदावन पहुंचे थे, जिनमें सबसे अधिक संख्या लुधियाना के यात्रियों की थी। कुल 130 श्रद्धालुओं के दो दल आए थे, जिनमें से 37 लोग इस मोटरबोट पर सवार थे।

बीएचयू दक्षिणी परिसर में राष्ट्रीय स्तर के कार्यशाला में 'सॉफ्टबॉल' की नवीनतम नियमों पर प्रशिक्षण

वाराणसी (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के राजीव गांधी दक्षिण परिसर (आर.जी.एस.सी.), बरकछा में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में दूसरे दिन शनिवार को 'सॉफ्टबॉल' खेल के ऑफिशिएटिंग एवं कोचिंग तकनीक की प्रशिक्षकों एवं रेफरी को जानकारी दी गई। सॉफ्टबॉल में उन्नत नियम व्याख्या, ऑफिशिएटिंग एवं कोचिंग तकनीक विषयक कार्यशाला में भारत में सॉफ्टबॉल के बढ़ते महत्व तथा वैज्ञानिक प्रशिक्षण एवं मानकीकृत ऑफिशिएटिंग के महत्व को बताया गया। दक्षिणी परिसर के आचार्य प्रभारी प्रो. बी.एम.एन.कुमार के अनुसार कार्यशाला का उद्देश्य खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं रेफरी की तकनीकी एवं व्यावहारिक दक्षताओं का विकास करना है। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का आयोजन स्पोर्ट्स बोर्ड, आर.जी.एस.सी., बी.एच.यू ने किया है। कार्यशाला के पहले दिन उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. ए. के. नेमा (महासचिव, स्पोर्ट्सबोर्ड, बी.एच.यू.) ने खेलों में अनुशासन, नियमों की समझ एवं प्रशिक्षित अधिकारियों की आवश्यकता पर बल दिया। उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथियों के रूप में आईसीएमआर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली के पंकज सिंह तथा सेंट जोसेफ कॉलेज, बेंगलुरु के खेल निदेशक जितेंद्र मेवारा ने खेलों में वैज्ञानिक प्रशिक्षण एवं पेशेवर दृष्टिकोण पर खासा जोर दिया। आचार्य प्रभारी ने बताया कि कार्यशाला में दो दिन ऑफिशिएटिंग मैकेनिक्स, कोचिंग तकनीक, शारीरिक फिटनेस, प्रतियोगिता प्रबंधन, स्कोरिंग प्रणाली एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण पर विस्तृत सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस प्रकार की कार्यशालाएं खेल संस्कृति को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उल्लेखनीय है कि सॉफ्टबॉल, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में एक लोकप्रिय खेल है। आमतौर पर यह माना जाता है कि सॉफ्टबॉल का विकास इंडोर बेसबॉल नामक खेल से हुआ है, जो पहली बार खेला गया था। शिकागो में 1887 में इसका जन्म हुआ। सॉफ्टबॉल का मूल बेसबॉल के समान ही है। बल्लेबाजी और फील्डिंग की रणनीति भी समान है लेकिन सॉफ्टबॉल बहुत छोटे मैदान पर खेला जाता है और एक मैच केवल सात पारियों का होता है।

सीएम डैशबोर्ड से समग्र विकास की दिशा में तेजी से बढ़ रहा सीएम योगी का उत्तम प्रदेश

लखनऊ (एजेंसी) । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पिछले नौ वर्षों से समग्र विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस दौरान प्रदेश में न केवल बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है, बल्कि समाज के हर वर्ग का उत्थान भी सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी के सपनों को साकार करने में सीएम डैशबोर्ड अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। सीएम डैशबोर्ड से जनसुनवाई, जन कल्याणकारी योजनाओं और राजस्व कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है, जिससे जिलों को बेहतर प्रशासनिक मानक स्थापित करने में मदद मिल रही है। इसी कड़ी में सीएम डैशबोर्ड की मार्च की रिपोर्ट में प्रदेशभर में हमीरपुर ने बेहरीन प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया है जबकि बरेली ने दूसरा और रामपुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। सीएम डैशबोर्ड की ओर प्रदेशभर के जिलों में 49 विभागों के 110 कार्यक्रमों की विभिन्न मानकों के आधार पर समीक्षा की जाती है। इसके बाद जिलों की रैंकिंग जारी की जाती है। सीएम डैशबोर्ड की मार्च माह की रिपोर्ट के अनुसार हमीरपुर ने प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। बरेली जिले ने दूसरा स्थान और रामपुर जिले ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। जिलाधिकारी रामपुर अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि सीएम डैशबोर्ड की रिपोर्ट उन जिलों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करती है, जिन्होंने प्रशासनिक दक्षता, विकास कार्यों और राजस्व प्रबंधन में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। डीएम ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप रामपुर में विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। यही वजह है कि रामपुर पिछले कई माह से मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की रिपोर्ट में टॉप टेन जिलों में अपने जगह बनाए हुए है। वहीं, हमीरपुर ने विकास एवं राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंकिंग में 10 में से 9.55 अंक प्राप्त किए हैं। इसी तरह बरेली ने 9.54 अंक हासिल किये हैं। सीएम डैशबोर्ड रिपोर्ट के अनुसार रामपुर ने 10 में से 9.51 अंक प्राप्त किये हैं। इसी तरह मैनपुरी चौथे और हरदोई पांचवे पायदान पर है। वहीं टॉप टेन जिलों में शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, जालौन, सोनभद्र और कौशांबी ने जगह बनाई है।

लापरवाही पर सवा दो करोड़ की वसूली का दंड अंतरात्मा को झकझोरने वाला, कोर्ट ने रद्द किया नोटिस

प्रयागराज (एजेंसी) । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के एक लेखाकार पर लगाए गए सवा दो करोड़ रुपये की वसूली के दंड को रद्द कर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के एक लेखाकार पर लगाए गए सवा दो करोड़ रुपये की वसूली के दंड को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि केवल लापरवाही के आधार पर कर्मचारी के खिलाफ इतनी बड़ी राशि की वसूली का दंड न सिर्फ अत्यंत असंगत है, बल्कि अदालत की अंतरात्मा को झकझोरने वाला है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की अदालत ने शामली में तैनात लेखाकार सत्यव्रत की याचिका पर दिया है। याची पर आरोप था कि 2016 से 2021 के बीच शामली में तैनाती के दौरान उन्होंने एक निजी पेपर मिल पर बकाया 2.14 करोड़ रुपये की वसूली के लिए सक्रियता नहीं दिखाई। विभाग ने तर्क दिया कि लेखाकार की लापरवाही के कारण विभाग को वित्तीय हानि हुई और दंड स्वरूप उनसे पूरी बकाया राशि वसूलने का आदेश जारी कर दिया। इसके खिलाफ याची ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि जिस बकाया राशि के लिए लेखाकार को दोषी ठहराया गया, उसका नोटिस 2009 में जारी हुआ था, जबकि याची की तैनाती वहां 2016 में हुई। विभाग ने केवल एक कर्मचारी पर गाज गिराई, जबकि पहले से तैनात लेखाकारों और उच्च अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की गई। कोर्ट ने यह भी पाया कि रिकॉर्ड में ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है, जिससे यह साबित हो कि याची ने इस लापरवाही से कोई व्यक्तिगत लाभ प्राप्त किया है। कोर्ट ने याची के खिलाफ सवा दो करोड़ की वसूली का आदेश रद्द कर दिया। जबकि, परिनिंदा और वेतन वृद्धि रोकने की सजा को बरकरार रखा। लापरवाही के मामले में अदालत का हस्तक्षेप तब उचित होता है, जब लगे कि अनुशासनात्मक प्राधिकारी ने छोटी सी बात को सुलझाने के लिए बहुत बड़ा कदम उठाया है। दिया गया दंड अत्यधिक या चौंकाने वाला है, यह न सिर्फ मनमानी है,

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

हिम्मत: डरपोक राजू की बहादुरी की प्रेरक कहानी

भारत के एक बहुत ही सुंदर और हरे-भरे राज्य में 'शांतिपुर' नाम का एक गाँव था। इस गाँव के किनारे से एक साफ़ और ठंडे पानी की नदी बहती थी। गाँव में आम, अमरूद और नीम के बड़े-बड़े पेड़ थे। इसी शांतिपुर गाँव में एक दस साल का लड़का रहता था, जिसका नाम था राजू। राजू पढ़ाई में बहुत होशियार था और उसका दिल बहुत साफ था। लेकिन राजू की एक बहुत बड़ी परेशानी थी-वह बहुत डरपोक था।

उसे हर चीज़ से डर लगता था। रात के अंधेरे से, तेज़ आवाज़ से, ऊँचाई से, और यहाँ तक कि गली के छोटे-छोटे जानवरों से भी। जब भी आसमान में बिजली कड़कती, राजू डर के मारे अपने बिस्तर के नीचे छिप जाता था।

राजू के इस डरपोक स्वभाव की वजह से गाँव के दूसरे बच्चे अक्सर उसका मज़ाक उड़ाते थे। जब बच्चे क्रिकेट खेलते और गेंद किसी पुरानी हवेली या झाड़ियों में चली जाती, तो वे राजू को डराने के लिए कहते, 'राजू, जा जाकर गेंद ले आ, वहाँ भूत रहता है!' राजू डर के मारे कांपने लगता और रोने-रोने को हो जाता। सब बच्चे उस पर ज़ोर-ज़ोर से हँसते थे। राजू को यह सब बहुत बुरा लगता था। वह अक्सर सोचता था कि काश उसके अंदर भी दूसरे बच्चों की तरह बहादुरी होती।

बच्चों, क्या आप जानते हैं कि असली साहस या हिम्मत किसे कहते हैं? हिम्मत का मतलब यह नहीं होता कि आपको कभी डर ही न लगे। असली हिम्मत तो वह होती है जब आप बहुत डरे हुए हों, लेकिन फिर भी सही काम करने के लिए आगे कदम बढ़ाएं। राजू को भी जल्द ही इस बात का मतलब समझ आने वाला था।

राजू वैसे तो जानवरों से बहुत डरता था, लेकिन एक दिन स्कूल से लौटते समय उसने देखा कि सड़क के किनारे एक छोटा सा भूरे रंग का पिल्ला (कुत्ते का बच्चा) ठंड से कांप रहा था। वह बहुत भूखा और कमजोर लग रहा था। राजू को पहले तो डर लगा, लेकिन पिल्ले की मासूम आँखों को देखकर राजू का दिल पसीज गया।

राजू ने अपने टिफिन में बची हुई आधी रोटी उस पिल्ले के सामने डाल दी। पिल्ला तुरंत रोटी खा गया और अपनी छोटी सी पूंछ हिलाते हुए राजू के जूतों को चाटने लगा। उस दिन से राजू और उस पिल्ले की पक्की दोस्ती हो गई। राजू ने उसका नाम 'शेरू' रखा। अब रोज स्कूल आते-जाते राजू शेरू के लिए कुछ न कुछ खाने को लाता। शेरू राजू को देखकर उछल-कूद करता। शेरू के साथ रहकर राजू अपना डर भूल जाता था।

गर्मियों का मौसम खत्म हुआ और बारिश का मौसम आ गया। इस बार शांतिपुर गाँव में बहुत भयानक बारिश हुई। लगातार तीन दिनों तक मूसलाधार बारिश होती रही। आसमान में काले-काले बादल छाए रहते और तेज़ बिजली कड़कती रहती। सूरज तो जैसे कहीं छिप ही गया था।

इतनी तेज़ बारिश के कारण गाँव के किनारे बहने वाली नदी का पानी बहुत बढ़ गया। नदी में बाढ़ जैसी स्थिति आ गई।

तभी अचानक, बाहर हवा की आवाज़ के बीच राजू को एक जानी-पहचानी आवाज़ सुनाई दी। कूँ... कूँ... कूँ...

राजू ने तुरंत अपनी रजाई हटाई। यह आवाज़ शेरू की थी! राजू ने खिड़की से बाहर झाँक कर देखा। उसका घर नदी के थोड़ा पास ही था। राजू ने देखा कि शेरू नदी के किनारे एक बड़े से पत्थर पर फँसा हुआ था। बाढ़ का पानी तेज़ी से उस पत्थर की तरफ बढ़ रहा था। शेरू बहुत डरा हुआ था और मदद के लिए रो रहा था।

राजू के पिता ने भी खिड़की से बाहर देखा और बोले, 'अरे बाप रे! नदी का बहाव बहुत तेज़ है। उस पिल्ले का बचना नामुमकिन है। बाहर जाना बहुत खतरनाक है।'

यह सुनकर राजू का दिल ज़ोर से धड़कने लगा। उसका प्यारा दोस्त शेरू मौत के मुँह में था!

राजू को बहुत डर लग रहा था। उसके हाथ-पैर कांप रहे थे। बिजली कड़क रही थी, जिससे उसका डर और भी बढ़ रहा था। लेकिन जब उसने शेरू की रोती हुई मासूम आँखें देखीं, तो उसे लगा कि अगर वह नहीं गया तो शेरू डूब जाएगा।

राजू ने अपनी आँखें बंद कीं और गहरी साँस ली। आज उसे अपने डर से ज्यादा शेरू की फिक्र हो रही थी। यही वह पल था जब राजू के अंदर हिम्मत जागी। बिना किसी को बताए, राजू ने अपनी चमकीली पीली रेनकोट (ऋष्ट्वद्वष्ड्ढह्ल) पहनी। उसने घर के आंगन से एक लंबी और मजबूत लकड़ी उठाई और दरवाज़ा खोलकर तूफानी बारिश में बाहर निकल गया।

'राजू! बेटा, वापस आओ! यह खतरनाक है!' राजू के माता-पिता घबरा कर चिल्लाए। लेकिन राजू तब तक नदी के किनारे पहुँच चुका था।

नदी का पानी बहुत ठंडा था और बहाव तेज़ था। राजू ने एक कदम पानी में रखा। पानी उसके घुटनों तक आ रहा था। उसे लगा कि वह बह जाएगा, लेकिन उसने अपनी लकड़ी को ज़मीन पर ज़ोर से टिकाया। 'डरो मत शेरू! मैं आ रहा हूँ!' राजू ने तेज़ हवाओं के बीच चिल्लाकर कहा।

राजू धीरे-धीरे, एक-एक कदम सावधानी से बढ़ाते हुए उस पत्थर की तरफ जाने लगा जहाँ शेरू फँसा था। पानी की लहरें राजू को पीछे धकेल रही थीं, लेकिन उसने हार नहीं मानी। कड़कती बिजली भी अब उसे डरा नहीं पा रही थी।

आखिरकार, राजू उस पत्थर तक पहुँच गया। उसने शेरू को उठाया और अपने रेनकोट के अंदर, अपने सीने से लगा लिया। शेरू ने राजू का चेहरा चाटना शुरू कर दिया। राजू को अब वापस लौटना था। वापसी का सफर और भी मुश्किल था क्योंकि उसके एक हाथ में शेरू था। लेकिन राजू की हिम्मत अब दोगुनी हो चुकी थी।

पूरे जोर और सावधानी के साथ, राजू नदी से बाहर आ गया।

जब राजू शेरू को लेकर घर पहुँचा, तो उसके माता-पिता दौड़कर आए और उसे गले लगा लिया। वे रो रहे थे और साथ ही बहुत गर्व भी महसूस कर रहे थे। बारिश रुकने के बाद, यह खबर पूरे गाँव में फैल गई कि डरपोक राजू ने तूफानी नदी में जाकर एक पिल्ले की जान बचाई है।

गाँव के लोग राजू के घर आए। जो बच्चे कल तक राजू को 'डरपोक' कहकर चिढ़ाते थे, वे आज हैरान थे। गाँव के सरपंच ने राजू की पीठ थपथपाई और कहा, 'शाबाश बेटा! तुमने आज जो किया है, वह हर कोई नहीं कर सकता। तुमने साबित कर दिया कि असली हिम्मत शरीर की ताकत में नहीं, बल्कि दिल की अच्छाई और इरादों में होती है।'

उस दिन के बाद से, शांतिपुर गाँव में किसी ने भी राजू को डरपोक नहीं कहा। राजू का भी अपने अंदर का सारा डर हमेशा के लिए खत्म हो गया था। शेरू अब राजू के साथ ही उसके घर में रहने लगा था। राजू ने समझ लिया था कि डर लगना कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन डर के आगे हार मान लेना बुरी बात है। अगर हम अपने मन में ठान लें और थोड़ी सी हिम्मत दिखाएं, तो हम किसी भी बड़ी से बड़ी मुसीबत का सामना कर सकते हैं।

प्यारे बच्चों, लोटपोट की इस कहानी से हमें यही सीख मिलती है कि डर के आगे ही असली जीत है!

सीख

डर पर काबू पाना : असली हिम्मत कभी न डरने में नहीं है, बल्कि डरे हुए होने के बावजूद सही काम करने में है।

दूसरों की मदद : जब हम किसी कमज़ोर या ज़रूरतमंद की मदद करने का फैसला करते हैं, तो हमारे अंदर अपने आप हिम्मत आ जाती है।

खुद पर विश्वास : हमें कभी भी खुद को कमज़ोर नहीं समझना चाहिए। मुसीबत के समय हमारे अंदर छिपी हुई ताकत ही हमारा सबसे बड़ा हथियार होती है।

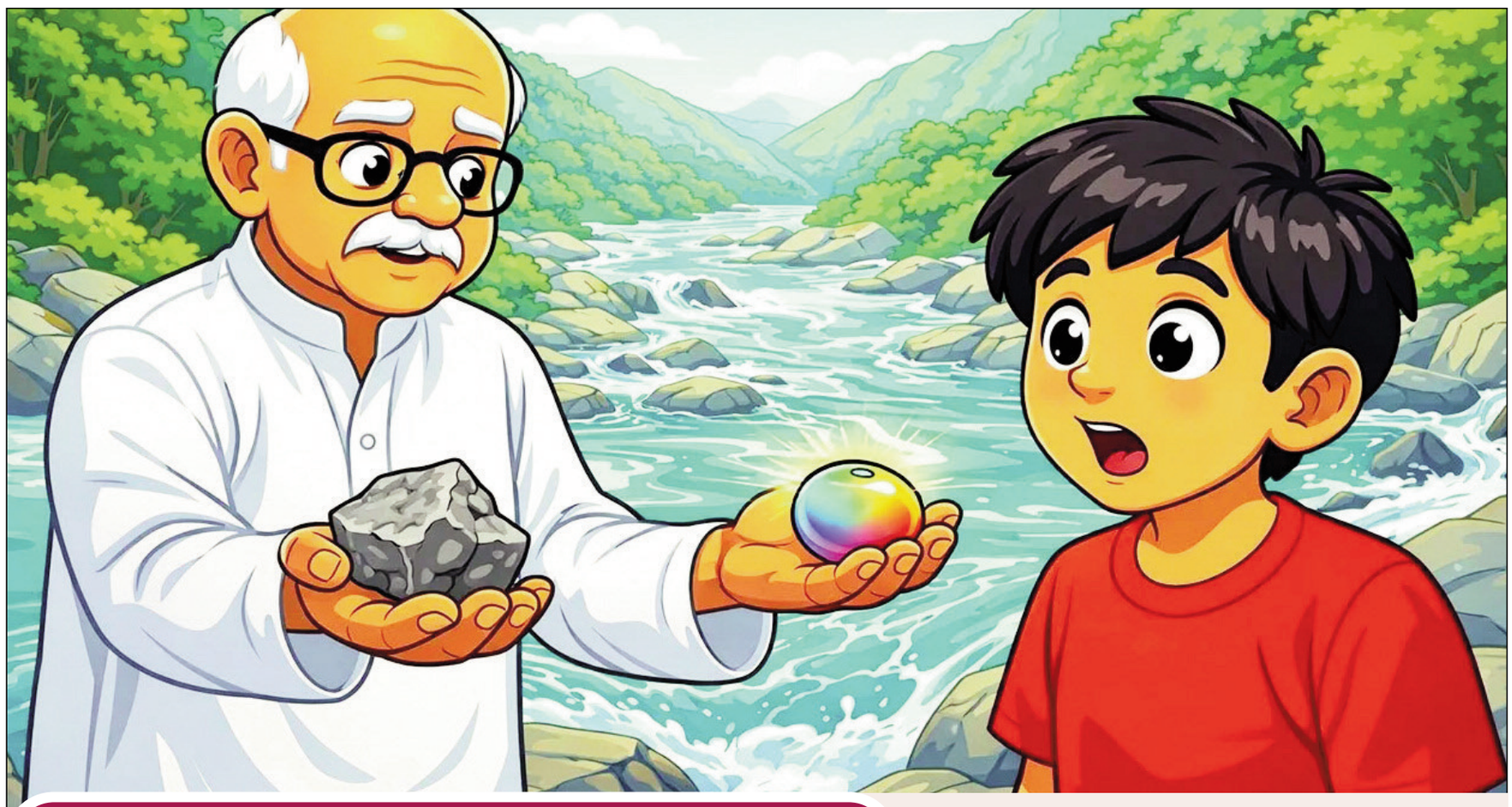

नुकीले पत्थर से सीख

रवि और दादाजी की प्रेरणादायक कहानी

भारत के एक बहुत ही सुंदर और शांत शहर 'देहरादून' में एक 12 साल का लड़का रहता था, जिसका नाम था 'रवि'। रवि पढ़ाई में बहुत होशियार था और उसके अंदर एक जन्मजात टैलेंट था-वह बहुत शानदार चित्रकला करता था। उसके द्वारा बनाए गए चित्र एकदम असली लगते थे। लेकिन, रवि के अंदर एक बहुत बड़ी कमी थी। वह स्वभाव से बहुत कामचोर था और थोड़ी सी मेहनत या कठिनाई आने पर तुरंत हार मान लेता था।

प्रकृति में हर चीज़, चाहे वह एक छोटा सा पौधा हो या एक कठोर पत्थर, हमें जीवन की कोई न कोई बड़ी सीख ज़रूर देती है। रवि को भी जल्द ही एक नुकीले पत्थर से सीख मिलने वाली थी, जो उसकी ज़िंदगी को हमेशा के लिए बदलने वाली थी।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता और रवि की हार

एक दिन रवि के स्कूल में घोषणा हुई कि अगले महीने पूरे राज्य स्तर की 'राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता' होने वाली है। स्कूल के प्रिंसिपल सर ने रवि को बुलाया और कहा, 'रवि, तुम्हारी कला बहुत बेहतरीन है। इस साल हमारे स्कूल की तरफ से तुम इस प्रतियोगिता में हिस्सा लोगे। लेकिन याद रखना, इसके लिए तुम्हें रोज़ कम से कम चार घंटे अभ्यास करना होगा।'

रवि शुरुआत में बहुत खुश हुआ। उसने घर आकर नए रंग और ब्रश निकाले और पेंटिंग बनानी शुरू की। लेकिन दो-तीन दिन बाद ही उसका उत्साह खत्म होने लगा। लगातार बैठकर पेंटिंग करने से उसकी कमर में दर्द होने लगा और उंगलियां सुन्न हो गईं।

'मुझसे यह सब नहीं होगा! इतना दर्द कौन सहेगा? मैं तो वैसे भी अच्छा चित्र बनाता हूँ, मुझे इस अभ्यास की क्या ज़रूरत है?' यह सोचकर रवि ने अपने रंग और ब्रश मेज पर फेंक दिए और बिस्तर पर लेटकर मोबाइल देखने लगा।

रवि के दादाजी, 'रामनाथ जी', घर के एक बहुत ही समझदार और अनुभवी व्यक्ति थे। वे कई सालों तक में काम कर चुके थे और उन्हें पता था कि बिना अनुशासन और मेहनत के कोई भी इंसान महान नहीं बन सकता।

जब दादाजी ने देखा कि रवि ने प्रतियोगिता की तैयारी छोड़ दी है और वह मुश्किलों से भाग रहा है, तो उन्हें बहुत चिंता हुई। वे जानते थे कि अगर रवि को सही समय पर नहीं समझाया गया, तो उसका सारा टैलेंट (Talent) बर्बाद हो जाएगा।

अगले दिन रविवार था। दादाजी सुबह-सुबह रवि के कमरे में आए और बोले, 'रवि बेटा, उठो! आज हम दोनों शहर के बाहर 'नीलधारा' नदी के किनारे एक छोटी सी ट्रैकिंग (पहाड़ी सैर) पर जाएंगे।'

रवि ने मुँह बनाते हुए कहा, 'दादाजी, मुझे नहीं जाना। वहाँ बहुत चलना पड़ेगा और मेरे पैरों में दर्द हो जाएगा।' लेकिन दादाजी ने उसकी एक न सुनी। वे उसे लगभग जबरदस्ती अपने साथ लेकर निकल पड़े।

नीलधारा नदी शहर से कुछ किलोमीटर दूर एक पहाड़ी इलाके में बहती थी। वहाँ पहुँचने का रास्ता बहुत ही कच्चा, ऊबड़-खाबड़ और कंटीला था। रवि पूरे रास्ते शिकायत करता रहा। 'दादाजी, कितनी धूप है! रास्ता कितना खराब है! हम यहाँ क्यों आए हैं?'

दादाजी बस मुस्कुराते रहे और अपनी छड़ी के सहारे आगे बढ़ते रहे। अचानक, नदी के किनारे पहुँचने से थोड़ा पहले, रवि का पैर एक बहुत ही तीखे और खुरदरे पत्थर पर पड़ा। पत्थर इतना नुकीला था कि वह रवि के जूतों के सोल (स्थ्वद्ग) को पार करता हुआ उसके पैर में हल्का सा चुभ गया।

'आउच! मम्मा!' रवि दर्द के मारे ज़ोर से चिल्लाया। उसने गुस्से में उस पत्थर को उठाया और दूर फेंकने लगा। 'यह कितना गंदा और नुकीला पत्थर है! इसने मेरे पैर में चोट लगा दी। इसे तो यहाँ होना ही नहीं चाहिए!'

दादाजी ने रवि का हाथ पकड़ लिया। उन्होंने वह नुकीला पत्थर रवि के हाथ से लिया और कहा, 'रुको बेटा! इस पत्थर को फेंको मत। आज तुम्हें इस नुकीले पत्थर से सीख लेनी है। इसे अपने पास रखो और चलो, अब नदी आ गई है।'

दोनों नीलधारा नदी के किनारे पहुँचे। नदी का पानी बहुत ही साफ, ठंडा और तेज़ी से बहने वाला था। पानी के बहाव की आवाज़ से मन को बहुत शांति मिल रही थी।

दादाजी ने रवि से कहा, 'बेटा, तुम्हारे हाथ में जो पत्थर है, वह बहुत ही भद्दा और नुकीला है। अब ज़रा इस नदी के पानी के अंदर हाथ डालो और जो सबसे सुंदर, चिकना और गोल पत्थर (Pebble) तुम्हें मिले, उसे बाहर निकालो।'

रवि ने अपने जूते उतारे और नदी के ठंडे पानी में गया। नदी का तल (क्ष्ह्वह्यद्व) अनगिनत छोटे-बड़े, रंग-बिरंगे और बेहद चिकने पत्थरों से भरा हुआ था। रवि ने एक बहुत ही सुंदर, बिल्कुल गोल और चमकता हुआ 'सफ़ेद पत्थर' पानी से बाहर निकाला। वह पत्थर इतना चिकना था कि उसे हाथ में पकड़ने पर बहुत अच्छा लग रहा था।

'दादाजी, देखिए! यह पत्थर कितना सुंदर और चिकना है। मैं इसे अपने घर ले जाकर अपनी मेज पर सजाऊंगा,' रवि ने खुशी से कहा।

दादाजी ने एक पास के बड़े से पत्थर पर बैठते हुए रवि को अपने पास बुलाया। उन्होंने रवि के एक हाथ में वह 'नुकीला और भद्दा पत्थर' रखा और दूसरे हाथ में वह 'चिकना और सुंदर पत्थर' रखा।

दादाजी ने गंभीर और शांत स्वर में कहा, 'रवि बेटा, क्या तुम जानते हो कि ये दोनों पत्थर एक ही पहाड़ से टूटकर नीचे गिरे थे? सालों पहले ये दोनों बिल्कुल एक जैसे ही खुरदरे और नुकीले थे।'

रवि ने हैरानी से पूछा, 'तो फिर यह दूसरा पत्थर इतना गोल और सुंदर कैसे बन गया, दादाजी?'

यही वह पल था जहाँ इस कहानी की सबसे बड़ी नुकीले पत्थर से सीख छिपी थी। दादाजी ने मुस्कुराते हुए समझाया, 'बेटा, तुम्हारे दाहिने हाथ में जो नुकीला पत्थर है, वह पहाड़ से टूटकर नदी के बाहर सूखे किनारे पर गिर गया। उसने नदी के तेज़ बहाव से डरकर पानी में जाने से इंकार कर दिया। वह अपनी जगह पर आराम से पड़ा रहा। उसे कोई दर्द नहीं सहना पड़ा, किसी तेज़ धारा का सामना नहीं करना पड़ा। लेकिन इसका नतीजा क्या हुआ? आज वह वैसा का वैसा ही नुकीला, खुरदरा और भद्दा है। लोग उसे देखकर गुस्सा करते हैं क्योंकि वह पैरों में चुभता है।'

दादाजी ने फिर उस सुंदर पत्थर की तरफ इशारा किया और कहा, 'लेकिन इस दूसरे पत्थर ने आराम नहीं चुना। यह पहाड़ से सीधा इस नदी के तेज़ और खतरनाक बहाव में कूद गया। सालों तक यह पानी के थपेड़े सहता रहा। यह कभी दूसरे पत्थरों से टकराया, तो कभी ज़मीन पर रगड़ाया। इसे बहुत दर्द हुआ होगा, यह बहुत घिसा होगा। लेकिन उस 'घिसने' और 'कठिनाइयों को सहने' का नतीजा क्या हुआ? आज यह पत्थर एकदम गोल, चिकना और इतना सुंदर बन गया है कि तुम इसे अपने घर में सजाना चाहते हो।'

दादाजी की बातें रवि के दिल में किसी तीर की तरह जाकर लगीं। उसे अचानक अपनी और उस पेंटिंग प्रतियोगिता की याद आ गई।

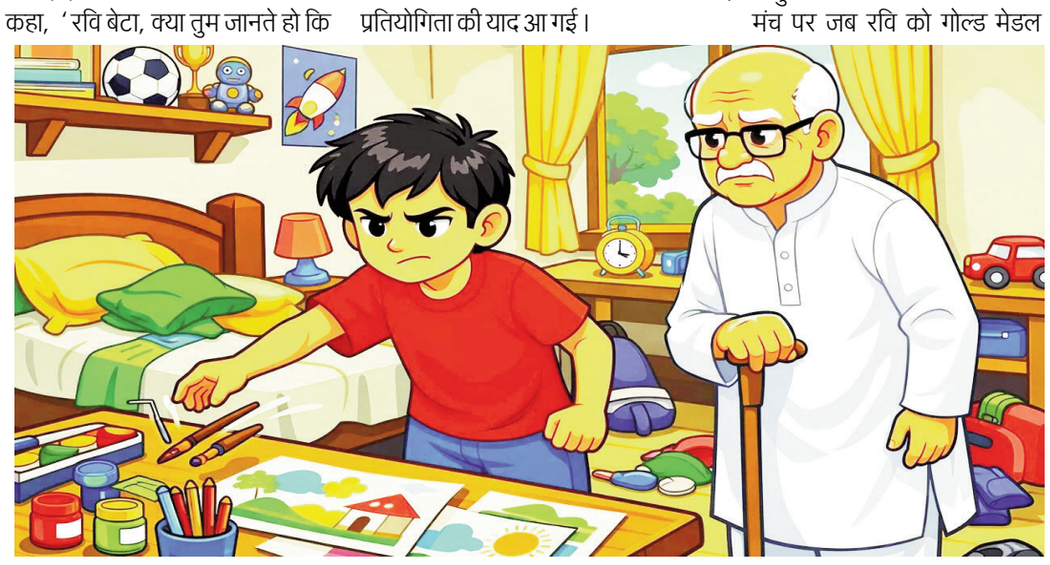

दादाजी ने रवि के कंधे पर हाथ रखा और कहा, 'बेटा, इंसान का जीवन भी बिल्कुल इन पत्थरों की तरह होता है। अगर तुम मेहनत से डरोगे, अपनी कमर के दर्द और उंगलियों की थकान से भागोगे, तो तुम जीवन भर उस नुकीले पत्थर की तरह ही रह जाओगे—एकदम साधारण, जिससे कोई प्यार नहीं करता। लेकिन अगर तुम 'सफलता की नदी' में कूदकर मेहनत की रगड़ सहोगे, अभ्यास का दर्द बर्दाश्त करोगे, तो एक दिन तुम इस 'गोल पत्थर' की तरह चमकोगे, जिसे पूरी दुनिया सम्मान देगी।'

रवि की आँखों से अज्ञानता का पर्दा हट चुका था। उसने उन दोनों पत्थरों को अपनी जेब में रख लिया। 'मुझे माफ़ कर दीजिए दादाजी,' रवि ने नम आँखों से कहा। 'मुझे आपकी नुकीले पत्थर से सीख पूरी तरह समझ आ गई है। मैं अब अपनी मेहनत से पीछे नहीं हटूंगा। दर्द चाहे जितना भी हो, मैं अभ्यास करूँगा और उस प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ दूँगा।' अगले दिन से रवि का रूटीन पूरी तरह बदल गया। उसने मोबाइल फोन एक तरफ रख दिया। वह रोज़ स्कूल से आकर लगातार पाँच घंटे अपनी पेंटिंग का अभ्यास करता। उसकी उंगलियों में दर्द होता, उसकी आँखें थक जातीं, लेकिन वह रुकता नहीं था। जब भी उसका मन हार मानने को करता, वह अपनी मेज पर रखे उस 'चिकने पत्थर' को देख लेता और उसे दादाजी की बात याद आ जाती।

एक महीने बाद प्रतियोगिता का दिन आया। रवि ने वहां एक बहुत ही शानदार और जीवंत पेंटिंग बनाई। जब प्रतियोगिता का परिणाम (ऋद्धह्यद्वह्यद्वह्ल) घोषित हुआ, तो पूरे राज्य में रवि को 'प्रथम पुरस्कार' मिला!

मंच पर जब रवि को गोल्ड मेडल और ट्रॉफी दी जा रही थी, तो उसने दर्शकों में बैठे अपने दादाजी की तरफ देखा और मुस्कुरा दिया। उसे पता था कि यह मेडल उसकी कला का नहीं, बल्कि उस 'रगड़' और 'मेहनत' का है जो उसने पिछले एक महीने में सही थी।

बच्चों, लोटपोट की ये हिंदी कहानियां हमें जीवन की सबसे महत्वपूर्ण सच्चाई से रूबरू कराती हैं। बिना दर्द सहे, कोई भी महान नहीं बन सकता।

सीख

मेहनत और संघर्ष : सफलता पाने के लिए हमें मेहनत की आग में तपना ही पड़ता है। बिना संघर्ष और कठिनाइयों का सामना किए कोई भी इंसान महान नहीं बन सकता।

आराम का लालच : जो लोग आराम का रास्ता चुनते हैं और मेहनत से भागते हैं, वे जीवन में कभी भी निखर नहीं पाते और पीछे रह जाते हैं (नुकीले पत्थर की तरह)।

दर्द ही दवा है : अभ्यास करते समय होने वाला दर्द असल में हमारी कमियों को दूर कर रहा होता है, इसलिए उससे घबराने के बजाय उसका डटकर सामना करना चाहिए।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त समाचार

उत्तर कोरिया और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच वार्ता, सहयोग को और बढ़ाने पर बनी सहमति

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया और चीन के विदेश मंत्रियों ने अपने देशों के बीच सहयोग और आदान-प्रदान को और गहरा करने पर सहमति व्यक्त की। दोनों विदेश मंत्रियों ने अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर गहन चर्चा की, दोनों देशों के सरकारी मीडिया आउटलेट्स ने शुक्रवार को यह जानकारी दी चीन के विदेश मंत्री वांग यी सात साल में पहली बार उत्तर कोरिया की यात्रा पर गुरुवार को प्योंगयांग के लिए रवाना हुए। चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि वांग और उत्तर कोरिया के विदेश मंत्री चो सोन हुई ने अपनी मुलाकात में मौजूदा अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि वे मुद्दे क्या थे।

आव्रजन बोर्ड ने खारिज की फलस्तीनी एक्टिविस्ट महमूद खलील की अपील, निर्वासन की ओर बड़ा कदम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक आव्रजन अपील बोर्ड ने महमूद खलील की निर्वासन मामले को खारिज करने की नवीनतम याचिका को अस्वीकार कर दिया है। यह एक ऐसा फैसला है जिसकी काफी हद तक उम्मीद थी और जो कोलंबिया विश्वविद्यालय के पूर्व स्नातक छात्र और फलस्तीनी कार्यकर्ता को पुनः गिरफ्तारी और संभावित निष्कासन के एक कदम और करीब ले आता। खलील के वकीलों के अनुसार, आव्रजन अपील बोर्ड ने गुरुवार को निष्कासन का अंतिम आदेश जारी किया। बोर्ड के फैसले सार्वजनिक नहीं हैं और अमेरिकी न्याय विभाग से इस संबंध में की गई पूछताछ का तत्काल कोई जवाब नहीं मिला।

कैलिफोर्निया : बेदखली का नोटिस देते समय शेरिफ के एक डिप्टी की हत्या

सैकरामेंटो, एजेंसी। बेदखली का नोटिस तामील कर रहे पुलिस अधिकारी की एक व्यक्ति ने मध्य कैलिफोर्निया में गोली मारकर हत्या कर दी। मरने वाला पुलिस अधिकारी एक शेरिफ का डिप्टी था। वहीं, घंटों तक चले गतिरोध के बाद अधिकारियों ने उस शख्स को मार गिराया। तुलारे काउंटी के डिप्टी पोर्टरविले में एक घर में बेदखली का नोटिस देने गए थे, तभी एक 60 वर्षीय व्यक्ति ने उन पर गोली चला दी, शेरिफ विभाग ने फेसबुक पर यह जानकारी दी। वह व्यक्ति कई घंटों तक राइफल लेकर घर के अंदर छिपा रहा। एक समय ऐसा भी आया जब उस व्यक्ति द्वारा पुलिसकर्मियों पर लगातार गोलीबारी करने पर अधिकारियों ने घर में गैस छोड़ी।

संयुक्त राष्ट्र की समिति में तीन साल के नए कार्यकाल के लिए फिर से चुनी गईं राजदूत प्रीति सरन

वाशिंगटन, एजेंसी। अनुभवी राजनयिक प्रीति सरन को जटिल वैश्विक सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों के माध्यम से इस संस्था का नेतृत्व करने में उनकी विशेषज्ञता को देखते हुए 2027 से शुरू होने वाले तीन साल के नए कार्यकाल के लिए प्रतिष्ठित संयुक्त राष्ट्र आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार समिति (सीईएससीआर) में फिर से चुना गया है। राजदूत सरन वर्तमान में सीईएससीआर के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं, जो संयुक्त राष्ट्र की वह संस्था है जो इस बात की निगरानी के लिए जिम्मेदार है कि सदस्य देश आर्थिक और सामाजिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय समझौतों को कैसे लागू करते हैं। सीईएससीआर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करता है।

एरिजोना के छोटे हवाई अड्डे पर विमान दुर्घटना, दो की मौत

फीनिक्स, एजेंसी। एरिजोना के एक छोटे हवाई अड्डे पर विमान दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। माराना के मेयर जॉन पोस्ट ने बताया कि विमान हवाई पट्टी से बाहर चला गया और उसमें आग लग गई। शहर के प्रवक्ता विक हॅथवे ने कहा, विमान में दो लोग सवार थे, जिनकी मौत हो गई। उनकी पहचान नहीं हुई है। माराना पुलिस विभाग ने बताया कि दुर्घटना में कोई अन्य चोटिल नहीं हुआ। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) दुर्घटना के कारण की जांच कर रहा है।

सूडान के दारफुर में शादी समारोह में ड्रोन हमला, 30 लोगों की मौत

दारफुर, एजेंसी। सूडान के दारफुर क्षेत्र के एक कस्बे में शादी समारोह पर हुए ड्रोन हमले में महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 30 नागरिकों की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र ने गुरुवार को यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि यह हमला उत्तर दारफुर के कुतुम कस्बे में आयोजित एक विवाह समारोह को निशाना बनाकर किया गया। यह हमला सूडानी सेना और अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के बीच चल रहे संघर्ष के दौरान ड्रोन हमलों में आई तेजी के बीच हुआ है।

नेतन्याहू की धमकी से बैकफुट पर पाकिस्तान, इजरायल विरोधी पोस्ट डिलीट कर भागे ख्वाजा आसिफ

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शुक्रवार को इस्लामाबाद में होने वाली ऐतिहासिक शांति वार्ता से ठीक पहले एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा इजरायल के खिलाफ की गई तीखी टिप्पणियों ने न केवल दोनों देशों के बीच तनाव पैदा कर दिया है, बल्कि इस महत्वपूर्ण वार्ता में पाकिस्तान की तटस्थ मध्यस्थ वाली छवि पर भी गंभीर सवालिया निशान लगा दिए हैं। इजरायल ने पाकिस्तान की भूमिका पर कड़ा ऐतराज जताते हुए इसे असहनीय करार दिया है। इसके बाद रक्षा मंत्री को अपना पोस्ट डिलीट करना पड़ गया है। विवाद तब शुरू हुआ जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इजरायल को मानवता के लिए अभिशाप और कैंसर बताते हुए लेबनान में नरसंहार करने का आरोप लगाया। हालांकि, इजरायल की फटकार के बाद उन्होंने यह पोस्ट डिलीट कर दी, लेकिन तब तक कूटनीतिक नुकसान हो चुका था।

नेतन्याहू ने हड़काया : इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने आसिफ के बयानों को अपमानजनक बताया। इजरायल ने कहा कि एक तरफ पाकिस्तान खुद को शांति प्रयासों में एक तटस्थ खिलाड़ी के रूप में पेश कर रहा है और दूसरी तरफ इजरायल के खिलाफ बोल रहा है, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने इसे भयानक यहूदी विरोधी रक्तपात

करार दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इजरायल उन आतंकवादियों के खिलाफ अपनी रक्षा करना जारी रखेगा जो उसके विनाश की कसम खाते हैं।

दांव पर लगी पाकिस्तान की मध्यस्थता : यह विवाद ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के अस्थायी युद्धविराम को स्थायी शांति में बदलने के लिए मेजबानी कर रहा है। पाकिस्तान को इस युद्धविराम का श्रेय दिया जा रहा था, लेकिन इस ताजा विवाद ने उसकी निष्पक्षता पर सवाल उठा दिए हैं। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने भी इजरायली हमलों को रोकने के लिए पाकिस्तान से मदद मांगी थी, जिससे पाकिस्तान की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई थी। एक तरफ कूटनीतिक विवाद है, तो दूसरी तरफ जमीन पर युद्धविराम की स्थिति भी नाजुक बनी हुई है। वार्ता से महज 24 घंटे पहले अमेरिका-ईरान संघर्ष विराम में दरारें दिखने लगी हैं। वाशिंगटन ने तेहरान पर आरोप लगाया है कि वह हॉर्मुज के रास्ते तेल की आवाजाही को सुगम बनाने के अपने वादे को पूरा नहीं कर रहा है। युद्धविराम के पहले 24 घंटों में इस मार्ग से केवल एक तेल टैंकर और पांच मालवाहक जहाज गुजरे, जबकि सामान्य तौर पर यहां से रोजाना 140 जहाज गुजरते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ईरान की आलोचना करते हुए कहा कि वह समझौते का पालन करने में बहुत खराब प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने साफ शब्दों में लिखा, 'यह वह समझौता नहीं है जो हमने किया था!' आपको बता दें कि इस्लामाबाद में होने वाली इस बैठक में एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल भी शामिल होने वाला है, लेकिन इजरायल और पाकिस्तान के बीच छिड़ी इस जुबानी जंग ने माहौल को विषाक्त कर दिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पाकिस्तान को सीधी चेतावनी देते हुए कहा है कि इजरायल के विनाश की बात को बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। पीएम नेतन्याहू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का इजरायल को खत्म करने का आह्वान बहुत बुरा है। यह ऐसा बयान नहीं है जिसे किसी भी सरकार से बर्दाश्त किया जा सके, खासकर उस सरकार से जो शांति के लिए न्यूट्रल आर्बिटर होने का दावा करती है।' दरअसल, पाकिस्तान के विदेश मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक्स पर पोस्ट में लिखा 'इजरायल बुरा है और इंसानियत के लिए श्राप है। इस्लामाबाद में शांति वार्ता चल रही है, लेबनान में नरसंहार हो रहा है। इजरायल बेगुनाह नागरिकों को मार रहा है, पहले गाजा, फिर ईरान और अब लेबनान, खून-खराबा लगातार जारी है।'

इजरायल के खिलाफ आग उगलते हुए पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने कहा, 'मैं उम्मीद और प्रार्थना करता हूं कि जिन लोगों ने फिलिस्तीनी धरती पर इस कैंसर जैसे राज्य का निर्माण किया है, वे यूरोपीय यहूदियों से छुटकारा पाएं और उन्हें नरक में जलाएं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बीते दिन इजरायल के हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने बताया कि इजरायल के हमले के बाद लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम से फोन पर बातचीत की। पीएम शहबाज ने एक्स पर लिखा, 'मैंने आज शाम लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम से बात की। मैंने लेबनान के खिलाफ इजरायल के लगातार हमले की कड़ी निंदा की और इन दुश्मनी की वजह से लेबनान में हजारों लोगों की जान जाने पर दुख जताया।

नाइजीरिया में सैन्य ठिकाने पर आतंकी हमला, ब्रिगेडियर जनरल समेत कई सैनिकों की मौत

अबूजा, एजेंसी। नाइजीरिया के पूर्वोत्तर क्षेत्र में गुरुवार तड़के हुए एक आतंकी हमले में नाइजीरियाई सेना के ब्रिगेडियर जनरल सहित कई सैनिकों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि हमलावरों के सेना के ठिकाने पर हमला किया। नाइजीरियाई सेना ने कहा है कि हमले को सेना ने विफल कर दिया, लेकिन इस दौरान कई सैनिक मारे गए हैं। नाइजीरिया ने अभी तक मृतकों का सही आंकड़ा जारी नहीं किया है। सेना के प्रवक्ता माइकल ओनोजा ने एक बयान में कहा कि हमला बोर्नो राज्य के बेनिशेख इलाके में हुआ। उन्होंने हमलावरों को आतंकवादी बताया। नाइजीरिया के पूर्वोत्तर में इस्लामी उग्रवादी संगठनों के लिए सेना द्वारा आतंकी शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। स्थानीय प्रशासन के अध्यक्ष जन्ना लावन अजीमी ने सोशल मीडिया पर घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि 'एक साहसी और समर्पित अधिकारी, 29 टास्क फोर्स ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल ओ. ओ. ब्राइमा सहित अन्य वीर जवानों की शहादत अत्यंत पीड़ादायक है, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। सेना के प्रवक्ता ओनोजा ने पुष्टि की कि ब्रिगेडियर जनरल ओसेनी ब्राइमाह इस अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। अफ्रीका का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश नाइजीरिया लंबे समय से गंभीर

सुरक्षा संकट का सामना कर रहा है, विशेषकर उत्तरी क्षेत्र में, जहां एक दशक से अधिक समय से उग्रवाद और अपहरण की घटनाएं जारी हैं। देश में सक्रिय प्रमुख इस्लामी उग्रवादी संगठनों में बोको हराम और उससे अलग हुआ गुट 'इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस' शामिल हैं, जो इस्लामिक स्टेट से संबद्ध है। इसके अलावा, नाइजर सीमा से सटे उत्तर-पश्चिमी इलाकों में आईएस से जुड़ा लाकुरावा समूह भी सक्रिय है।

हाल के समय में यह संकट और गहराया है, जिसमें साहेल क्षेत्र के अन्य उग्रवादी संगठन भी शामिल हो गए हैं। इनमें 'जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन' भी शामिल है, जिसने पिछले वर्ष नाइजीरिया में अपना पहला हमला किया था। इस वर्ष की शुरुआत में अमेरिका ने नाइजीरिया की सेना की मदद के लिए 200 सैनिकों और ड्रोन तैनात किए। हालांकि, अमेरिकी सेना ने स्पष्ट किया कि उसके सैनिक सीधे युद्ध में हिस्सा नहीं लेंगे और न ही किसी अभियान का नेतृत्व करेंगे, जबकि पूरी कमान नाइजीरियाई सेना के पास ही रहेगी।

संयुक्त राष्ट्र में आर्थिक-सामाजिक परिषद के अहम निकायों में भारत हुआ निर्वाचित

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंगों में से एक 'आर्थिक और सामाजिक परिषद' (ईसीओएसओसी) के विभिन्न सहायक निकायों में भारत को चुना गया है। संयुक्त राष्ट्र में देश के स्थायी मिशन ने बुधवार को बताया कि भारत को ईसीओएसओसी के जिन निकायों में 2027 से 2030 की अवधि के लिए चुना गया है उनमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास आयोग, गैर-सरकारी संगठनों की समिति और कार्यक्रम एवं समन्वय समिति (सीपीसी) शामिल हैं। भारतीय राजदूत प्रीति सरन को फिर से आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों की समिति (सीईएससीआर, 2027-2030) के लिए चुना गया। इन पर वैश्विक मामलों की जिम्मेदारी होगी। गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) की समिति ईसीओएसओसी की एक स्थायी समिति है। इसके मुख्य कार्यों में विभिन्न एनजीओ द्वारा प्रस्तुत सलाहकार दर्जे के लिए आवेदनों और पुनर्वर्गीकरण के अनुरोधों पर विचार करना शामिल है। सीपीसी योजना, कार्यक्रम निर्माण और समन्वय के लिए ईसीओएसओसी तथा महासभा की प्रमुख सहायक निकाय है। इसकी वेबसाइट के अनुसार, यह संयुक्त राष्ट्र के कार्यक्रमों की समीक्षा करती है और संयुक्त राष्ट्र की प्रणालियों के अंतर्गत समन्वय कार्यों के निष्पादन में ईसीओएसओसी की सहायता करती है।

नासा का ऐतिहासिक आर्टेमिस-2 मिशन बड़ी उपलब्धि के बाद पृथ्वी पर लौटने के करीब

वाशिंगटन, एजेंसी। नासा ने मानव अंतरिक्ष उड़ान के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि की घोषणा की है। शुक्रवार को नासा ने बताया कि उसका आर्टेमिस-2 मिशन 1 अप्रैल को सफलतापूर्वक लॉन्च हुआ था और अब अपनी ऐतिहासिक यात्रा के अंतिम चरण में पहुंच गया है। नासा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि अंतरिक्ष यान चंद्रमा के चारों ओर घूम चुका है और अब पृथ्वी पर लौट रहा है। इसकी समुद्र में लैंडिंग (स्प्लैशडाउन) 10 अप्रैल को रात करीब 8:07 बजे (ईटी) प्रशांत महासागर में होने की उम्मीद है। नासा ने अपने संदेश में कहा कि वे अंतरिक्ष यात्रियों का फिर से पृथ्वी पर स्वागत करने का इंतजार कर रहे हैं। यह मिशन पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि यह

पांच दशकों से भी ज़्यादा समय के बाद, पृथ्वी की निचली कक्षा से परे गहरे अंतरिक्ष की खोज में मानवता की वापसी का प्रतीक है। नासा के अनुसार, इस मिशन में अंतरिक्ष यात्रियों ने अब तक की सबसे लंबी दूरी तय की है, जो भविष्य में चंद्रमा पर जाने वाले अभियानों के लिए रास्ता तैयार करेगा। मिशन के दौरान पहले, चार सदस्यों वाले दल ने पृथ्वी से 248,655 मील की यात्रा करके एक नया रिकॉर्ड बनाया है। इस दल में रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन शामिल रहे। अपनी यात्रा के सबसे दूर के बिंदु पर वे लगभग 252,756 मील तक पहुंचे। यह उपलब्धि पहले अपोलो-13 मिशन के रिकॉर्ड से भी आगे निकल गई है। अधिकारियों के अनुसार, यह 10 दिन का मिशन स्पेस लॉन्च सिस्टम रॉकेट और ओरियन अंतरिक्ष यान की गहरे अंतरिक्ष में क्षमता को परखने के लिए बनाया गया है। इसमें चंद्रमा के पास से गुजरना भी शामिल था, जो भविष्य के मिशनों के लिए बहुत जरूरी कदम है। नासा की अधिकारी डॉ. लोरी ग्लेज ने कहा कि यह सफलता दिखाती है कि एजेंसी लगातार नई सीमाओं को पार करने और अंतरिक्ष में नई खोज करने के लिए प्रतिबद्ध है। ओरियन अंतरिक्ष यान से जेरेमी हैनसन ने कहा कि यह उपलब्धि पुराने अंतरिक्ष यात्रियों की विरासत को सम्मान देती है और साथ ही अंतरिक्ष अन्वेषण के एक नए दौर की शुरुआत भी करती है। आर्टेमिस-2 मिशन को नासा के उस बड़े लक्ष्य की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है, जिसमें चंद्रमा पर लंबे समय तक इंसानों की मौजूदगी स्थापित करना शामिल है।

ताइवान की विपक्षी नेता से मिले शी जिनपिंग, ट्रंप के चीन दौरे से पहले बढ़ी कूटनीतिक हलचल

बीजिंग, एजेंसी। चीन और ताइवान संबंधों के बीच एक अहम कूटनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को बीजिंग में ताइवान की विपक्षी नेता चेंग ली-वुन से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई है जब अगले महीने डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा प्रस्तावित है।

एक दशक के बाद केएमटी ने चीन का दौरा किया : चेंग ली-वुन, ताइवान की प्रमुख विपक्षी पार्टी कुओमिनतांग (केएमटी) की पहली अध्यक्ष हैं, जिन्होंने एक दशक में पहली बार पार्टी प्रतिनिधिमंडल के साथ चीन का दौरा किया है। उनका यह दौरा एक सप्ताह का है और इसे दोनों पक्षों के बीच संवाद बहाल करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। चीन ताइवान को अपना अभिन्न हिस्सा मानता है और वन चाइना नीति के तहत उसके पुनर्एकीकरण पर जोर देता रहा है। वहीं ताइवान की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) चीन के इस रुख का कड़ा विरोध करती है और ताइवान की अलग पहचान बनाए रखने की पक्षधर है। इसके विपरीत केएमटी चीन के साथ करीबी संबंधों की वकालत करती रही है, जिससे यह मुलाकात और भी अहम हो जाती है। बीजिंग रवाना होने से पहले चेंग ने अपने दौरे को शांति की यात्रा बताया और कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में से एक है, जहां स्थिरता बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों पक्षों को संवाद और सहयोग के जरिए मतभेद सुलझाने चाहिए। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका ताइवान को करीब 11 अरब डॉलर का बड़ा रक्षा पैकेज देने की योजना बना रहा है। इस पैकेज में एच आईएमआरएस रॉकेट सिस्टम, एंटी-टैंक मिसाइल, ड्रोन, होवित्जर और अन्य सैन्य उपकरण शामिल हैं। चीन ने इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध करते हुए इसे क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा बताया है। वहीं ताइवान की संसद में इस रक्षा बजट को लेकर गतिरोध बना हुआ है, क्योंकि विपक्षी दलों के कारण इसे मंजूरी नहीं मिल पाई है। इसी बीच हाल ही में अमेरिका का एक द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल ताइपेई पहुंचा और संसद से रक्षा बजट पारित करने की अपील की। विशेषज्ञों का मानना है कि डोनाल्ड ट्रंप की 14-15 मई को प्रस्तावित चीन यात्रा के दौरान ताइवान का मुद्दा प्रमुख रूप से चर्चा में रहेगा। ऐसे में शी-चेंग की यह मुलाकात न केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से अहम है, बल्कि इसका असर क्षेत्रीय और वैश्विक राजनीति पर भी पड़ सकता है।

पाकिस्तान : मरदान खदान हादसे में नौ मजदूरों की मौत, सुरक्षा की गंभीर कमी उजागर: रिपोर्ट

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मरदान इलाके में हाल ही में एक संगमरमर की खदान के ढहने से नौ मजदूरों की मौत हुई। यह घटना प्रणालीगत लापरवाही को दिखाती है। पाकिस्तान में खनन उद्योग सबसे असुरक्षित, खतरनाक और उपेक्षित क्षेत्रों में से एक है। सुरक्षा नियमों की कमी और पर्याप्त प्रक्रियाओं के न होने की वजह से मजदूर खदानों में फंस जाते हैं या खदान गिरने और विस्फोट जैसी घटनाओं में मर जाते हैं, एक रिपोर्ट में कहा गया है। प्रमुख दैनिक अखबार 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की संपादकीय में लिखा गया, 'खैबर पख्तूनख्वा के मरदान क्षेत्र ने एक और दुखद घटना देखी है, जिसमें एक संगमरमर की खदान के ढहने से नौ मजदूरों की जान चली गई। खनन उद्योग में, आधुनिक तकनीक और सुरक्षा प्रोटोकॉल के बावजूद, पूरी तरह से दुर्घटनाओं से बचना मुश्किल है। लेकिन सुरक्षा तकनीक के लिए पर्याप्त पैसा न होना और मौजूदा कानूनों का सही तरीके से पालन न होना, पाकिस्तान में खदान हादसों की संभावना बहुत बढ़ा देता है।'

खनन क्षेत्र को खदान सुरक्षा, निरीक्षण और नियमों को बढ़ाने वाले दो कानूनों के तहत सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए। लेकिन इन कानूनों को लागू करने के बावजूद कोई असर नहीं दिखता। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने लिखा गरीब पृष्ठभूमि से आने वाले खदान मजदूर अक्सर बिना प्रशिक्षण, बिना समर्थन और कम वेतन पर काम करते हैं। पाकिस्तान के अधिकारियों को मजदूरों को अच्छी ट्रेनिंग, बेहतरीन उपकरण, आपातकालीन सेवाओं तक पहुंच और सुरक्षा मानकों की जानकारी प्रदान करनी चाहिए। पिछले दिसंबर में कोयले की एक खदान में भूस्खलन के कारण दो मजदूरों की मौत हुई थी। यह हादसा क़्वेटा के बाहरी इलाके सोर्राज में हुआ था। बलोचिस्तान के मुख्य खदान निरीक्षक रफिउल्लाह ने बताया कि मजदूर खदान में थे जब बड़ी मात्रा में मिट्टी गिर गई और उन्हें मलबे में दबा दिया गया। यह जानकारी पाकिस्तानी दैनिक 'डॉन' की रिपोर्ट में दी गई। 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर में बलोचिस्तान के डुकी और चामलांग क्षेत्रों में दो अलग-अलग घटनाओं में चार कोयला मजदूरों की मौत हुई। पुलिस के अनुसार, मृतक अफ़ग़ानिस्तान के निवासी थे।

भारत-अमेरिका संबंध हुए मजबूत, विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने एफबीआई चीफ काश पटेल से मुलाकात की

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका ने अपने रणनीतिक जुड़ाव को बढ़ाया। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो के साथ एक अहम मीटिंग की। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के डायरेक्टर काश पटेल समेत सीनियर अमेरिकी अधिकारियों के साथ अलग-अलग बातचीत की। इस बातचीत का मुख्य मुद्दा रक्षा, आतंकवाद का विरोध और क्षेत्रीय सुरक्षा रहा। भारतीय दूतावास ने कहा कि अपने मौजूदा दौरे के दौरान मिसरी ने आज विदेश सचिव मार्को रुबियो से मुलाकात की और आगे कहा, 'हम इन जरूरी क्षेत्रों में अपने जुड़ाव को और गहरा करने और भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए और भी बहुत कुछ करने की उम्मीद करते हैं।' भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इस बातचीत को एक प्रोडक्टिव मीटिंग बताया। उन्होंने कहा कि यह हमारे द्विपक्षीय संबंध, खासकर व्यापार, जरूरी मिनरल्स, रक्षा और क्वाड पर केंद्रित थी। गोर ने कहा, 'विदेश सचिव रुबियो अगले महीने भारत आने का इंतजार कर रहे हैं!' यह एक संभावित उच्च स्तरीय दौरे का संकेत देता है। मिसरी और एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल की मुलाकात सुरक्षा पर केंद्रित थी। भारतीय दूतावास ने कहा, 'दोनों ने आतंकवाद, सुनियोजित अपराध और नारकोटिक्स से निपटने में भारत-अमेरिका के मजबूत सहयोग पर विचारों का अच्छा लेन-देन किया।' यह मीटिंग पारंपरिक रक्षा संबंधों के साथ-साथ कानून लागू करने और अंदरूनी सुरक्षा के मुद्दों पर दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग पर जोर देती है। मिसरी ने उपसचिव क्रिस्टोफर लैंडौ के साथ भी बातचीत की। दूतावास ने कहा, 'उन्होंने आपसी प्राथमिकताओं पर चर्चा की।

आपसी चिंता के क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर भी अपने विचार शेयर किए।' अमेरिकी विदेश विभाग के मुख्य डिप्टी प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि लैंडौ ने मिसरी के साथ अपनी मीटिंग में 'दोनों देशों के बीच करीबी पार्टनरशिप को फिर से सुनिश्चित किया। बयान में कहा गया, 'नेताओं ने दोनों देशों के बीच करीबी साझेदारी को फिर से सुनिश्चित किया और फारस की खाड़ी के हालात और दूसरी वैश्विक और क्षेत्रीय प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी साझा की। क्षेत्रीय विकास, खासकर पश्चिम एशिया में, मीटिंग्स में खास तौर पर शामिल रहे, जिसमें दोनों पक्षों ने चल रहे भू-राजनीतिक तनाव के बीच विचारों का आदान-प्रदान किया। मिसरी ने राजनीतिक मामलों के अवर सचिव एलिसन हुकर से भी मुलाकात की, जहां दोनों पक्षों ने पिछले साल दिसंबर में हुए फॉरेन ऑफिस कंसल्टेशन्स के बाद से भारत-अमेरिका द्विपक्षीय एजेंडे का जायजा लिया। भारतीय दूतावास ने कहा कि उन्होंने 'पश्चिम एशिया में हाल के विकास के साथ-साथ आपसी फायदे के क्षेत्रीय मुद्दों पर अपने विचार शेयर किए। 'इस दौरान आर्थिक और तकनीकी सहयोग पर भी फोकस रहा।

आर्थिक मामलों के अवर सचिव जैकब हेलबर्ग के साथ बातचीत में, दोनों पक्ष सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए। दूतावास ने कहा, 'वे पैक्स सिलिका के तहत सहयोग को आगे बढ़ाने और एआई और जरूरी मिनरल्स सहित बड़े आर्थिक और तकनीकी एंगेजमेंट पर सहमत हुए।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

वैश्विक घटनाओं के बीच बाजार मे रहा भारी उतार-चढ़ाव, अंत में मजबूत रिकवरी

– कच्चे तेल की कीमतें और वैश्विक बाजारों के संकेतों ने निवेशकों की धारणा को लगातार प्रभावित किया

मुंबई ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखने को मिला। पूरे हफ्ते बाजार की दिशा घरेलू कारकों से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय घटनाओं और भू-राजनीतिक तनावों से तय होती रही। पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ने की आशंका, कच्चे तेल की कीमतों में तेज बदलाव और वैश्विक बाजारों के संकेतों ने निवेशकों की धारणा को लगातार प्रभावित किया। सप्ताह की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन बीच-बीच में आई तेज रिकवरी ने बाजार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। आरबीआई की मौद्रिक नीति, अंतरराष्ट्रीय सीजफायर की खबरें और कच्चे तेल में नरमी ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया। कुल मिलाकर यह सप्ताह हाई वोलैटिलिटी और तेज सेंटिमेंट स्विंग्स का रहा। सप्ताह की शुरुआत में वैश्विक तनाव के कारण बाजार पर दबाव देखा गया। पश्चिम एशिया में युद्ध के विस्तार की आशंका और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों को सतर्क कर दिया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में गिरावट दर्ज की गई, हालांकि दिन के मध्य में खरीदारी लौटने से बाजार हरे निशान पर आ गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1=15 बजे तक बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा और बाद में मजबूत बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी 50 भी सकारात्मक स्तरों पर बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन बाजार में 800 अंकों से अधिक की गिरावट देखी गई, जहां निफ्टी 22,800 के नीचे चला गया। हालांकि इसके बाद वैश्विक संकेतों में सुधार और कच्चे तेल में गिरावट से बाजार में तेजी लौट आई। आईटी सेक्टर में खरीदारी ने भी रिकवरी को समर्थन दिया। सबसे बड़ा उछाल तब देखने को मिला जब अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर की खबरें आईं। इस सकारात्मक विकास ने वैश्विक तनाव कम किया और भारतीय बाजार में भारी खरीदारी देखने को मिली। सेंसेक्स में लगभग 3,000 अंकों की तेज रैली दर्ज की गई और निफ्टी भी 24,000 के स्तर के करीब पहुंच गया। लगातार तेजी के बाद सप्ताह के अंत में बाजार में हल्की मुनाफावसूली देखने को मिली। गुरुवार को बाजार दबाव में रहा और सेंसेक्स 900 अंकों से अधिक टूट गया। निफ्टी भी नीचे आ गया। हालांकि शुक्रवार को फिर से खरीदारी लौटी और सेंसेक्स 918.60 अंक बढ़कर 77,550.25 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी 275.50 अंक बढ़कर 24,050.60 पर पहुंच गया।

अंबेडकर जयंती पर बाजार बंद, अगले हफ्ते सिर्फ 4 दिन होगी ट्रेडिंग

– एनएसई-बीएसई में 14 अप्रैल को अवकाश, कमोडिटी बाजार में आंशिक ट्रेडिंग

मुंबई ।

अगले सप्ताह 13 अप्रैल से शुरू होने वाले कारोबारी हफ्ते में भारतीय शेयर बाजार में सिर्फ चार दिन ही ट्रेडिंग होगी, क्योंकि 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के अवसर पर एनएसई और बीएसई बंद रहेंगे। अगले सप्ताह से शुरू होने वाला कारोबारी हफ्ता शेयर बाजार निवेशकों के लिए छोटा रहेगा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) 14 अप्रैल मंगलवार को अंबेडकर जयंती के कारण बंद रहेंगे, जिससे पूरे सप्ताह में केवल चार ट्रेडिंग सत्र ही उपलब्ध होंगे। इससे पहले भी गुड फाइडे और महावीर जयंती के कारण बाजार दो दिन बंद रहा था। साल 2026 में कुल 16 ट्रेडिंग छुट्टियां निर्धारित हैं, जिनमें कई प्रमुख पर्व शामिल हैं। आगामी महीनों में 1 मई को महाराष्ट्र दिवस, 28 मई को ईद-उल-अधहा, 26 जून को मुहर्रम, 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी, 2 अक्टूबर को गांधी जयंती, 20 अक्टूबर को दशहरा, 10 नवंबर को दिवाली बलिप्रतिपदा, 24 नवंबर को गुरु नानक जयंती और 25 दिसंबर को क्रिसमस पर बाजार बंद रहेगा। कमोडिटी बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) में सुबह का सत्र बंद रहेगा, जबकि शाम को कारोबार होगा। वहीं नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज पूरे दिन बंद रहेगा।

जेपी एसोसिएट्स अधिग्रहण विवाद में अदाणी समूह को संस्थापक का समर्थन

– एनसीएलटी से मंजूरी के बाद भी कानूनी लड़ाई जारी, कर्ज से जूझ रही कंपनी का भविष्य अधर में

नई दिल्ली ।

कर्ज के भारी बोझ से जूझ रही जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के अधिग्रहण को लेकर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। कंपनी के संस्थापक जयप्रकाश गौड़ ने अदाणी समूह के पक्ष में अपना समर्थन जताया है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब प्रतिद्वंद्वी वेदांता लिमिटेड इस अधिग्रहण प्रक्रिया को अदालत में चुनौती दे रही है। संस्थापक जेपी गौड़ ने स्पष्ट किया है कि कॉमिटी ऑफ क्रेडिटर्स (सीओसी) और रेजोल्यूशन प्रोफेशनल द्वारा संचालित दिवाला समाधान प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी रही है। उनके अनुसार, बहुमत के आधार पर लिया गया निर्णय सभी हितधारकों के लिए स्वीकार्य होना चाहिए। गौरतलब है कि पिछले वर्ष नवंबर में सीओसी ने लगभग 90 प्रतिशत वोटिंग के साथ अदाणी इंटरप्राइजेस लिमिटेड की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को मंजूरी दी थी। इस प्रक्रिया में वेदांता लिमिटेड और डालमिया समूह ने भी भाग लिया था। बाद में 17 मार्च को एनसीएलटी की इलाहाबाद बेंच ने भी इस बोली को मंजूरी दे दी। हालांकि वेदांता ने 17,926 करोड़ रुपये की ऊंची बोली लगाई थी और अब उसने इस फैसले को एनसीएलएटी में चुनौती दी है। वेदांता का दावा है कि उन्हें पहले अनौपचारिक रूप से समर्थन मिला था, जिसे बाद में बिना कारण बदला गया। इसके बावजूद, संस्थापक जयप्रकाश गौड़ का कहना है कि वह सीओसी के निर्णय का सम्मान करते हैं और उन्हें विश्वास है कि गौतम अडानी के नेतृत्व में जेपी एसोसिएट्स नई दिशा में आगे बढ़ेगी। उन्होंने वेदांता की भागीदारी के लिए भी आभार जताया।

जेपी पर लगभग 57,185 करोड़ रुपये के कर्ज के डिफॉल्ट के बाद जून 2024 में कॉरपोरेट इनसॉल्वेंसी रेजोल्यूशन प्रक्रिया शुरू हुई थी। कंपनी के पास रियल एस्टेट टाउनशिप, होटल, कमर्शियल प्रॉपर्टी और सीमेंट प्लांट जैसी कई बड़ी संपत्तियां मौजूद हैं।

सोना-चांदी में जोरदार उछाल, दाम रिकॉर्ड स्तर के करीब

– घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती के बीच निवेशकों की बढ़ी दिलचस्पी

नई दिल्ली ।

देश में सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर जोरदार तेजी देखने को मिल रही है। शे निवार 11 अप्रैल को दिल्ली सराफा बाजार में सोना 1.52 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया, जबकि चांदी 2.60 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार करती दिखी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों धातुओं में मजबूती बनी हुई है, जिससे घरेलू बाजार को समर्थन मिल रहा है। देश के प्रमुख शहरों में सोने के दामों में हल्का अंतर देखा गया है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,52,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। मुंबई और कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,360 रुपये के आसपास बना हुआ है, जबकि चेन्नई में यह बढ़कर 1,54,100 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया है। चांदी की बात करें तो दिल्ली में इसकी कीमत 2,60,100 रुपये प्रति किलोग्राम दर्ज की गई। इससे पहले इसमें एक दिन में करीब 1.6 फीसदी की बढ़त देखी गई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड लगभग 4,777 डॉलर प्रति औंस और चांदी 75 डॉलर प्रति औंस के आसपास बनी हुई है। मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार एमसीएक्स के वीकली चार्ट पर सोना और चांदी दोनों लगातार मजबूती दिखा रहे हैं। दोनों धातुएं 30-वीक मूविंग एवरेज से ऊपर बनी हुई हैं, जो मजबूत अपट्रेंड का संकेत माना जाता है। हालांकि विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि अगर कीमतें प्रमुख सपोर्ट लेवल से नीचे जाती हैं तो हल्की गिरावट संभव है।

फिलहाल बाजार का रुझान सकारात्मक बना हुआ है और निवेशकों की नजर आगे की चाल पर टिकी है।

चार्जर खरीदते समय ऐसे बचें नकली प्रोडक्ट से, आर-नंबर बन सकता है सुरक्षा की गारंटी

– नकली चार्जर बना खतरा, बीआईएस कोड से करें असली की पहचान

मुंबई ।

आजकल ज्यादातर स्मार्टफोन कंपनियां अपने बॉक्स से चार्जर हटाने लगी हैं, जिसके कारण उपभोक्ताओं को अलग से चार्जर खरीदना पड़ता है। ऐसे में बाजार में नकली और घटिया क्वालिटी के चार्जरों की भरमार हो गई है। लेकिन एक छोटा सा 'आर-नंबर' कोड आपकी सुरक्षा और फोन दोनों को बड़े खतरे से बचा सकता है। अगर आप अपने चार्जर को ध्यान से देखें, तो उसके पीछे 'आर' से शुरू होने वाला एक कोड (जैसे आर-एक्सएक्सएक्स) और बीआईएस लोगो दिखाई देता है। यह कोड ब्यूरो आफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) द्वारा जारी किया जाता है, जो यह प्रमाणित करता है कि उत्पाद भारत सरकार के सुरक्षा मानकों पर खरा उतरा है। यह रजिस्ट्रेशन नंबर बताता है कि चार्जर को ओवरहीटिंग, शॉर्ट सर्किट और हाई-वोल्टेज जैसी समस्याओं के लिए टेस्ट किया गया है। यानी यह चार्जर सुरक्षित उपयोग के योग्य माना जाता है। नकली चार्जर बनाने वाले अक्सर फर्जी बीआईएस लोगो का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन उपभोक्ता आसानी से इसकी जांच कर सकते हैं। इसके लिए बीआईएसकी आधिकारिक वेबसाइट या ऐप पर जाकर आर-नंबर दर्ज करना होता है। वहां अगर चार्जर असली होगा तो निर्माता, ब्रांड और प्रोडक्ट से जुड़ी पूरी जानकारी सामने आ जाएगी।

नकली चार्जर इस्तेमाल करने के कई गंभीर खतरे होते हैं। इनमें बैटरी ब्लास्ट, फोन की बैटरी लाइफ कम होना और करंट लगने का जोखिम शामिल है। घटिया क्वालिटी के कारण फोन की परफॉर्मेंस भी प्रभावित हो सकती है।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

– वार्ता से पहले डब्ल्यूटीआई और ब्रेंट क्रूड में कमजोरी, स्ट्रेट आफ होर्मुज पर वैश्विक आपूर्ति की नजर

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और संभावित शांति वार्ता से पहले वैश्विक कच्चे तेल बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। शनिवार को होने वाली अहम बातचीत से पहले तेल की कीमतों में एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई है। निवेशकों को उम्मीद है कि यदि बातचीत सकारात्मक रहती है तो वैश्विक आपूर्ति सामान्य हो सकती है और कीमतों में और नरमी आ सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी है। डब्ल्यूटीआई क्रूड लगभग 2 डॉलर से अधिक टूटकर 95.63 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है, जबकि ब्रेंट क्रूड भी गिरकर करीब 95.20 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। यह गिरावट ऐसे समय आई है जब बाजार अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली उच्च स्तरीय बातचीत पर नजर बनाए हुए है। इससे पहले, जब सीजफायर की घोषणा से जुड़ी खबरें सामने आई थीं, तब कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 16 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई थी, जो पिछले छह वर्षों में सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है। हालांकि राजनीतिक स्तर पर बयानबाजी तेज है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका और कड़ा रुख अपना सकता है। साथ ही उन्होंने बातचीत को ईरान के लिए ÷गोल्डन चांस÷ बताया है। बाजार की नजर अब स्ट्रे आफ होर्मुज पर टिकी हुई है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। यदि यह समुद्री मार्ग सुरक्षित और खुला रहता है तो आपूर्ति स्थिर रह सकती है, जिससे कीमतों में राहत मिल सकती है। लेकिन अगर तनाव बढ़ा और मार्ग बाधित हुआ तो तेल की कीमतें फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकती हैं।

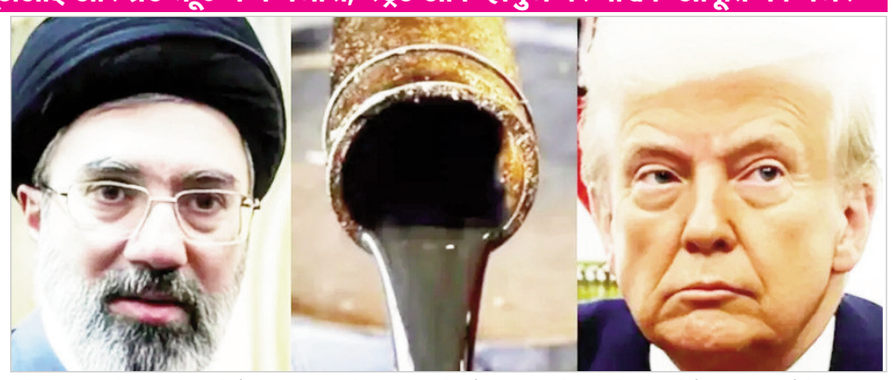

मार्च 2026 में महिंद्रा ने दर्ज की 25प्रतिशत की मजबूत वृद्धि

नई दिल्ली ।

मार्च 2026 बिक्री के लिहाज से महिंद्रा एंड महिंद्रा के लिए यह शानदार महीना रहा। कंपनी ने मार्च महीने में कुल 60,272 गाड़ियां बेचकर सालाना आधार पर 25प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की। महिंद्रा स्कॉर्पियो मॉडल एक बार फिर कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी बनकर उभरी, जिसने थार और बोलेरो जैसे लोकप्रिय मॉडलों को भी पीछे छोड़ दिया। स्कॉर्पियो की 14,578 यूनिट्स बिकीं, जो मार्च 2025 के मुकाबले 5प्रतिशत ज्यादा है। थार ने 10,872 यूनिट्स की बिक्री के साथ 22प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की, जबकि बोलेरो ने भी 9,788 यूनिट्स बेचकर 22प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। कंपनी की नई एक्सयूवी 7एक्स0 ने 9,210 यूनिट्स और एक्सयूवी 3एक्स0 ने 9,199 यूनिट्स की बिक्री के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। हालांकि, महिंद्रा के लिए कुछ चिंताएं भी सामने आईं, जैसे कि उसकी प्रीमियम एसयूवी एक्सयूवी 700 और एमपीवी मराजो की मार्च में एक भी यूनिट नहीं बिकी, जबकि पिछले साल इसी महीने में उनकी अच्छी बिक्री हुई थी। यह दर्शाता है कि कुछ मॉडलों को ग्राहकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है, जबकि कुछ अन्य बाजार में अपनी पकड़ खो रहे हैं।

पाकिस्तान में ईंधन की कीमतों में बड़ी कटौती, 135 रुपए तक घटे दाम

- पेट्रोल, डीजल, केरोसिन और लाइट डीजल ऑयल में उल्लेखनीय कमी, नई दरें 11 अप्रैल से लागू

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान सरकार ने आम जनता को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में भारी कटौती की घोषणा की है। नई दरें 11 अप्रैल से लागू हो गई हैं। पेट्रोल, डीजल, केरोसिन और लाइट डीजल ऑयल सभी के दामों में उल्लेखनीय कमी की गई है, जिससे परिवहन और कृषि क्षेत्र पर खर्च का बोझ कम होने की उम्मीद है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार पेट्रोल की कीमत में 11.83 रुपये प्रति लीटर की कमी की गई है, जिसके बाद नई कीमत 366.58 रुपये प्रति लीटर तय हुई है। वहीं डीजल के दाम में 134.81 रुपये प्रति लीटर की भारी कटौती की गई है और अब यह 385.54 रुपये प्रति लीटर में उपलब्ध होगा। इसके अलावा केरोसिन तेल की कीमत में 17.33 रुपये की कमी की गई है, जिससे इसकी नई दर 450.15 रुपये प्रति लीटर हो गई है। लाइट डीजल ऑयल भी 25.31 रुपये सस्ता होकर 369.72 रुपये प्रति लीटर पर आ गया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का पूरा लाभ जनता तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार ने राहत का कोई हिस्सा राजस्व या अन्य खर्चों में उपयोग करने के बजाय सीधे जनता को देने का निर्णय लिया है। सरकार का कहना है कि किसानों को राहत देना प्राथमिकता है ताकि उत्पादन लागत घटे और कृषि क्षेत्र को मजबूती मिले। इसके साथ ही ट्रांसपोर्ट और मोटरसाइकिल उपयोगकर्ताओं के लिए सब्सिडी जारी रखने की भी बात कही गई है।

आरबीआई का प्रस्ताव-1 लाख करोड़ से अधिक परिसंपत्ति वाली एनबीएफसी होंगी अपर लेयर में

- मौजूदा जटिल स्कोरिंग सिस्टम की जगह अब आकार आधारित मानदंड अपनाने का सुझाव

नई दिल्ली ।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के वर्गीकरण ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव का प्रस्ताव दिया है। प्रस्ताव के अनुसार अब एनबीएफसी को उनकी परिसंपत्ति (एसेट साइज) के आधार पर अपर लेयर में रखा जाएगा, जिससे मौजूदा जटिल मूल्यांकन प्रणाली को सरल और पारदर्शी बनाया जा सके। इस मसौदे पर हितधारकों से 4 मई तक सुझाव मांगे गए हैं। रतीय रिज़र्व बैंक ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए मौजूदा स्केल बेस्ड रेगुलेटरी (एसबीआर) ढांचे में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव जारी किया है। इस प्रस्ताव के तहत सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब अपर लेयर एनबीएफसी की पहचान के लिए जटिल स्कोरिंग मॉडल की जगह केवल परिसंपत्ति आधारित मानदंड अपनाया जाएगा। आरबीआई के अनुसार जिन एनबीएफसी की परिसंपत्ति 1 लाख करोड़ रुपए या उससे अधिक होगी, उन्हें उनकी नवीनतम ऑडिटेड बैलेंस शीट के आधार पर सीधे अपर लेयर श्रेणी में रखा जाएगा। इसके अलावा यदि सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीएफसी इस परिसंपत्ति सीमा को पार करती हैं, तो उन्हें भी इस श्रेणी में शामिल किया जाएगा। वर्तमान में ऐसी कई संस्थाएं बुनियादी या मध्य स्तर में वर्गीकृत रहती हैं। अभी तक अपर लेयर एनबीएफसी की पहचान एक द्विआयामी पद्धति के आधार पर होती है, जिसमें मात्रात्मक और गुणात्मक मापदंड शामिल हैं। इस प्रणाली में लगभग 70 प्रतिशत भार मात्रात्मक और 30 प्रतिशत गुणात्मक संकेतकों को दिया जाता है। हालांकि आरबीआई का मानना है कि यह ढांचा जटिल है और इसे सरल बनाना आवश्यक है ताकि नियमन अधिक पारदर्शी और प्रभावी हो सके। फिलहाल लगभग 15 एनबीएफसी को अपर लेयर में रखा गया है। इनमें बजाज फाइनेंस, श्रीराम फाइनेंस, एलएंडटी फाइनेंस, टाटा कैपिटल, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी, महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज, आदित्य बिड़ला फाइनेंस, मुथूट फाइनेंस, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज, बजाज हाउसिंग फाइनेंस, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस और टाटा संस जैसे बड़े नाम शामिल हैं। आरबीआई ने जनवरी 2025 में जारी सूची में स्पष्ट किया था कि टाटा संस को अपर लेयर में शामिल करना उसके पंजीकरण रद्द करने के आवेदन की प्रक्रिया पर कोई असर नहीं डालेगा, जो अभी समीक्षा में है। इस नए प्रस्ताव के लागू होने पर सरकारी क्षेत्र की एनबीएफसी को भी अपर लेयर में शामिल किए जाने से इस श्रेणी की संस्थाओं की संख्या बढ़ सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव वित्तीय प्रणाली में निगरानी को अधिक मजबूत बनाएगा और बड़े संस्थानों पर नियामकीय नियंत्रण और प्रभावी होगा। इक्रा के अनुसार, इससे एनबीएफसी क्षेत्र में वर्गीकरण अधिक स्पष्ट और सरल हो सकेगा।

भारत बनाएगा 10 करोड़ डॉलर का समुद्री बीमा कोष

- युद्ध जोखिम बढ़ने से महंगा हुआ बीमा, निर्यातकों को राहत देने की तैयारी

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के चलते समुद्री व्यापार पर संकट गहराता जा रहा है। इस स्थिति से निपटने के लिए भारतीय बीमा और पुनर्बीमा कंपनियां एक विशेष समुद्री बीमा कोष बनाने की योजना पर काम कर रही हैं। इसी पृष्ठभूमि में भारतीय सामान्य बीमा और पुनर्बीमा कंपनियां करीब 10 करोड़ डॉलर का समुद्री बीमा कोष तैयार करने पर विचार कर रही हैं। इस कोष का प्रबंधन जनरल इंश्योरेंस कारपोरेशनप आफ इंडिया (जीआईसी) द्वारा किया जाएगा, जिसमें समुद्री बीमा से जुड़ी अन्य कंपनियां भी भाग लेंगी। सूत्रों के अनुसार इस कोष को मजबूत बनाने के लिए सरकार संप्रभु गारंटी देने पर भी विचार कर सकती है। बीमा कंपनियां फरवरी 2026 तक समुद्री बीमा प्रीमियम का लगभग 8 प्रतिशत हिस्सा इसमें योगदान करने पर चर्चा कर रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सामान्य समुद्री बीमा युद्ध संबंधी जोखिमों को कवर नहीं करता, जिसके लिए अलग से वार-रिस्क कवर लेना पड़ता है। मौजूदा हालात में यह कवर महंगा और सीमित हो गया है। पहले जहां इसका प्रीमियम 0.25 प्रतिशत था, वहीं अब यह बढ़कर 0.5 से 1 प्रतिशत तक पहुंच गया है। पश्चिम एशिया में अस्थिरता के चलते कई बीमा कंपनियों ने जहाजों के लिए कवर रद्द करने तक के नोटिस जारी किए हैं। वहीं शिपिंग कंपनियां वैकल्पिक मार्गों की तलाश कर रही हैं या सेवाएं रोक रही हैं। प्रस्तावित बीमा कोष जोखिम को साझा कर बड़े नुकसान की भरपाई में मदद करेगा और भविष्य में इस तरह के संकटों से निपटने में अहम भूमिका निभा सकता है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

जीटी के सामने एलएसजी की घरेलू पिच पर अग्निपरीक्षा: नए सितारे संग वापसी की चुनौती

चेन्नई (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को अपने घरेलू मैदान एकाना क्रिकेट स्टेडियम पर निराशाजनक रिकॉर्ड को पीछे छोड़कर गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले में वापसी करनी होगी। इस महत्वपूर्ण मैच से पहले, एलएसजी के पास मुकुल चौधरी के रूप में एक नया सितारा उभरा है, जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा है, लेकिन घरेलू मैदान पर खराब प्रदर्शन एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। दोनों टीमों ने अपने पिछले दोनों मैच जीते हैं, जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है।

गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एक रन की रोमांचक जीत दर्ज कर अपना खाता खोला था, जबकि एलएसजी ने सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ उनके मैदानों पर प्रभावशाली जीत हासिल की थी। हालांकि, एलएसजी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लगातार संघर्ष कर रहा है। उसे अपने घरेलू मैदान को एक मजबूत गढ़ बनाना है तो खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

घरेलू मैदान पर एलएसजी का प्रदर्शन वाकई चिंताजनक रहा है। पिछले सत्र में, टीम ने यहां खेले गए आठ में से छह मैच हारे थे, जिसमें लगातार पांच हार शामिल थीं। यही वजह थी कि वे पिछले साल अंक तालिका में सातवें स्थान पर रहे। कुल मिलाकर, उन्होंने इस मैदान पर खेले गए 22 मैचों में से केवल नौ में ही जीत हासिल की है। मौजूदा सत्र में भी, घरेलू मैदान पर उनका पहला मैच निराशाजनक रहा, जहां दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 141 रन पर आउट करके छह विकेट से जीत दर्ज की थी। यह एलएसजी का इस सत्र में घरेलू मैदान पर दूसरा मैच होगा, और वे यहां अपने जीत के रिकॉर्ड को सुधारने के लिए बेताब होंगे।

एलएसजी के लिए केकेआर के खिलाफ पिछला मैच विशेष रूप से यादगार रहा, जब 21 वर्षीय राजस्थानी बल्लेबाज मुकुल चौधरी एक नए फिनिशर के रूप में उभरे। उन्होंने

आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की, जिसमें उनके आदर्श महेंद्र सिंह धोनी का पसंदीदा हेलीकॉप्टर शॉट भी शामिल था, जिससे उन्होंने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा। आयुष बडोनी की फॉर्म में वापसी, जिन्होंने केकेआर के खिलाफ अर्धशतक लगाया, एलएसजी के लिए एक और सकारात्मक पहलू है, जो उनके बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करता है।

यह मैच दोपहर में खेला जाएगा, और एकाना की धीमी पिच पर गुजरात के अनुभवी स्पिनरों राशिद खान और वाशिंगटन सुंदर का सामना करना आसान नहीं होगा। राशिद ने दिल्ली के खिलाफ 17 रन देकर तीन विकेट लिए थे और अपनी टीम की एक रन से जीत में अहम भूमिका निभाई थी। एलएसजी को अपनी घरेलू जमीन पर जीत की राह पर लौटने के लिए गुजरात के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का सामना करते हुए बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार है

लखनऊ सुपर जायंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान), मिचेल मार्श, एडन मार्क्रम, हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मुकुल चौधरी, अक्षत रघुवंशी, जोश इंग्लिस, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, मोहम्मद शमी, अवेश खान, एम सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, आकाश सिंह, प्रिंस यादव, अर्जुन तेंदुलकर, एनरिक नोर्किया, नमन तिवारी, मयंक यादव, मोहसिन खान.

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, अशोक शर्मा, प्रसिद्ध कृष्णा.

आलोचकों पर बरसे सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग, बताया रणनीति में बदलाव का कारण

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने आईपीएल में टीम के हालिया प्रदर्शन को लेकर उठ रही आलोचनाओं का करारा जवाब दिया है। उन पर आरोप लग रहे थे कि वे मौजूदा टी20 क्रिकेट की बदलती जरूरतों के हिसाब से खुद को ढाल नहीं पा रहे हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि वह पूरी तरह से खेल के नए आयामों से जुड़े हुए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच से पहले फ्लेमिंग ने अपनी बात रखते हुए स्वीकार किया कि खराब नतीजों के बाद आलोचना होना स्वाभाविक है, क्योंकि खेल में परिणाम ही लोगों की सोच तय करते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह आईपीएल से पहले खेल की दिशा से अनभिज्ञ नहीं हैं, बल्कि वह पूरे साल दुनिया भर के अलग-अलग टी20 टूर्नामेंट्स में कोचिंग देते हैं और खिलाड़ियों की नीलामी प्रक्रियाओं में भी शामिल रहते हैं। इससे उन्हें इस फॉर्मेट में हो रहे बदलावों और वैश्विक खिलाड़ियों की गहरी समझ है, जो आईपीएल में भी उनके काम आती है। फ्लेमिंग ने पिछले सीजन के प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए कहा, पिछले साल हम लय में नहीं थे, ये मैं खुद मानता हूं। लेकिन हमने जल्दी बदलाव किए हैं और अब टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं। मुझे इस ग्रुप पर पूरा भरोसा है। हालांकि, इस सीजन में हम इसे अभी तक मैदान पर पूरी तरह दिखा नहीं पाए हैं। उन्होंने

यह भी बताया कि फ्रेंचाइजी ने टीम में युवा खिलाड़ियों को शामिल कर एक नई रणनीति के साथ आगे बढ़ने की कोशिश की है।

अक्सर शांत और सौम्य रहने वाले स्टीफन फ्लेमिंग को बखूबी अंदाजा है कि आजकल उनके बारे में क्या बातें हो रही हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें चेन्नई को रिकॉर्ड पांच आईपीएल ट्रॉफियां जिताने का पर्याप्त श्रेय मिला है, तो उन्होंने विनम्रता, लेकिन दृढ़ता से अपनी बात रखी। फ्लेमिंग ने कहा, नहीं, असल में क्रेडिट मेरा नहीं, सिर्फ खिलाड़ियों का है। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए यह सिर्फ कोचिंग का एक और साल है। हमेशा से ऐसा ही रहा है कि खिलाड़ी ही मैदान पर कमाल करते हैं। मैदान के बाहर कोचिंग जरूरी होती है, लेकिन खिताब मैदान पर प्रदर्शन से जीते जाते हैं। फ्लेमिंग ने एमएस धोनी जैसे दुनिया के सबसे महान कप्तानों में से एक के साथ काम करने को अपना सौभाग्य बताया और कहा कि उन्हें अपने नतीजों पर गर्व है, लेकिन वह तारीफ या वाहवाही पाने के भूखे नहीं हैं।

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप वैभव सूर्यवंशी को, पर्पल कैप रवि बिश्नोई के नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने शुक्रवार 10 अप्रैल को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को छह विकेट से हराकर अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की। जयपुर में खेले गए इस रोमांचक मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बोर्ड पर 201 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था, जिसे मेजबान राजस्थान ने दो ओवर शेष रहते हुए ही सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। राजस्थान की इस शानदार जीत के सूत्रधार युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल रहे, जिन्होंने अपनी ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारियों से टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। मैच के हीरो युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने महज 26 गेंदों पर 8 चौकों और 7 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 78 रनों की तूफानी पारी खेली। इस धमाकेदार प्रदर्शन के साथ ही वैभव ने आईपीएल 2026 की ऑरेंज कैप पर कब्जा जमाया और टूर्नामेंट में 200 रन का आंकड़ा छूने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। अभी तक चार मैचों में उनके बल्ले से 50 की औसत और 266.67 के हैरतअंगेज स्ट्राइक रेट के साथ कुल 200 रन निकल चुके हैं। वैभव के साथ ध्रुव जुरेल ने भी 43 गेंदों पर 81 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जुरेल की इस पारी ने उन्हें आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों में जगह दिलाई। दिलचस्प बात यह है कि अब इस लिस्ट के टॉप-3 में राजस्थान रॉयल्स के ही खिलाड़ी शामिल हैं, जिसमें वैभव सूर्यवंशी (200), यशस्वी जायसवाल (183) और ध्रुव जुरेल (176) शामिल हैं। इनके अलावा दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी (160) और कोलकाता नाइट राइडर्स के अंगकृश रघुवंशी (155) भी टॉप-5 में शामिल हैं। आरसीबी की ओर से कप्तान रजत पाटीदार ने 40 गेंदों पर सर्वाधिक 63 रन बनाए, जबकि विराट कोहली ने भी 200 के स्ट्राइक रेट से 32 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। पाटीदार 142 रनों के साथ सातवें और कोहली 129 रनों के साथ आठवें पायदान पर हैं। ऑरेंज कैप की तरह ही, पर्पल कैप भी इस समय राजस्थान रॉयल्स के नाम है, जिसे युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने अपने नाम किया है। बिश्नोई ने अभी तक चार मैचों में 9 विकेट चटकाए हैं और बेंगलुरु के खिलाफ भी उन्होंने दो महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए।

मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच मुकाबला आज

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल -2026 में रविवार शाम को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (MI) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (RCB) से होगा मुकाबला होगा। आईपीएल की दो सबसे पॉपुलर टीमों के बीच अब तक कुल 34 मुक़ाबले हुए हैं, जिसमें MI 19-15 से आगे है। हालांकि 2021 से हुए सात मुकाबलों में RCB की टीम ने पांच मुक़ाबले जीते हैं, जबकि MI को सिर्फ़ दो में ही जीत हासिल की है। वानखेड़े में हुए 12 मुक़ाबलों में मेज़बान MI 8-4 से आगे है।

यह मुक़ाबला ना सिर्फ़ दो पॉपुलर टीमों बल्कि लीग के दो सबसे सफल दिग्गज खिलाड़ियों के बीच भी होगा। RCB और MI के बीच हुए मैचों में विराट कोहली 922, जबकि रोहित शर्मा 629 रन बना चुके हैं। पिछली छह पारियों में कोहली ने MI के ख़िलाफ़ चार बार 40+ का स्कोर खड़ा किया है, जबकि वानखेड़े में रोहित, RCB के ख़िलाफ़ चार अर्धशतक लगा चुके हैं।

जॉश हेज़लवुड, रोहित को सात पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट कर पाए हैं, हालांकि रोहित का उनके ख़िलाफ़ स्ट्राइक रेट सिर्फ़ 116 का है। वहीं भुवनेश्वर कुमार भी रोहित को 16 पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट किया है, जबकि रोहित उन पर 136 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। वहीं अगर कोहली की बात की जाए तो जसप्रीत बुमराह ने उन्हें पांच बार आउट तो किया है, लेकिन इसके लिए उन्होंने 17 पारियां ले ली हैं और 149 के स्ट्राइक रेट से रन ख़र्च किए हैं। ट्रेंट बोल्ट तो कोहली को 13 पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट कर पाए हैं। मिचेल सैंटनर और हार्दिक पंड्या ने कोहली को 2-2 बार आउट तो किया है, लेकिन इसके लिए क्रमशः नौ और 10 पारियां ली हैं। वहीं दीपक चाहर और शार्दुल

ठाकुर उन्हें सिर्फ़ एक-एक ही बार आउट कर पाए हैं।

डेथ ओवरों (17 से 20) में MIके निचले क्रम का सामना भुवनेश्वर कुमार से हो सकता है। भुवनेश्वर तिलक वर्मा और हार्दिक पंड्या दोनों को IPL में दो-दो बार आउट कर चुके हैं। हालांकि चार पारियों में दो बार आउट होने वाले तिलक उन पर 173 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं।

वहीं दूसरी ओर बुमराह के सामने RCB के लिए MI के पूर्व फ़िनिशर टिम डेविड होंगे। IPL 2025 से डेविड डेथ ओवरों में 237 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं और हर तीसरी गेंद को बाउंड्री पार भेजते हैं। हालांकि बुमराह इसी दौरान डेथ ओवरों में सिर्फ़ 7.8 की इकॉनमी से रन देते हुए 15 के स्ट्राइक रेट से छह विकेट झटक चुके हैं। ऐसे में बुमराह बनाम डेविड मुक़ाबला भी दिलचस्प होगा।

इस मुक़ाबले में दो भाईयों की भिड़ंत भी देखना दिलचस्प होगा। एक समय MI का अहम हिस्सा रहे क्रुणाल पंड्या पिछले साल अपने प्लेयर ऑफ़ द फ़ाइनल के प्रदर्शन से RCB को उनका पहला ख़िताब दिला चुके हैं। क्रुणाल ने MIके ख़िलाफ़ सात पारियों में 72 रन बनाने के साथ-साथ आठ विकेट भी लिए हैं। वहीं हार्दिक पंड्या RCB के ख़िलाफ़ 164 के स्ट्राइक रेट से 18 पारियों में 361 रन बना चुके हैं, साथ ही सात विकेट भी लिया है। हार्दिक ने क्रुणाल की गेंदबाज़ी का पांच पारियों में सामना किया है और उनके ख़िलाफ़ 31 गेंदों में एक बार आउट होते हुए सिर्फ़ 29 रन ही बना पाए हैं।

मुकुल चौधरी एक बेहतरीन फिनिशर नजर आ रहे : डु प्लेसिस

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने लखनऊ सुपर जायंट्स के युवा बल्लेबाज मुकुल चौधरी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अपनी बल्लेबाजी से एक बेहतरीन फिनिशर नजर आ रहे हैंहै। डु प्लेसिस के अनुसार जिस प्रकार से वह आक्रामक होकर अंतिम ओवरों में खेलता दिखा इससे अंदाज होता है कि वह भविष्य में एक स्टार क्रिकेटर बनकर उभरेगा।मुकुल ने ईडन गार्डन्स में 27 गेंदों पर ही सात छक्के और दो चौके लगार नाबाद 54 रन बनाकर अपनी टीम सुपर जायंट्स को असंभव सी जीत दिला दी। डु प्लेसिस ने कहा, मैच को अंतिम गेंद ले जाने की उनकी समझ जबरदस्त दिखी। इस युवा खिलाड़ी में जबरदस्त ताकत और क्षमता है और उसकी बल्लेबाज का अंदाज देखकर हैरानी होती है। साथ ही कहा कि उसके कुछ स्ट्रोक देखकर मुझे महेन्द्र सिंह धोनी के शुरुआत दिनों का खेल याद आ गया। उसके फ्लिक शॉट्स कमाल के रहे। प्लेसिस ने बताया कि केकेआर टीम को इस बार भाग्य का साथ भी नहीं मिलता दिख रहा है। डु प्लेसिस ने कहा, सीजन में कुछ ऐसे छोटे-छोटे पल आते हैं जो निर्णायक साबित हो सकते हैं, जब आप पीछे मुड़कर देखते हैं तो सोचते हैं कि अगर वो पल हमारे पक्ष में गया होता, तो सीजन का नजारा कुछ और ही होता। केकेआर ने अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है और इस समय कठिन स्थिति में है।

ऋषभ कप्तान के तौर पर जिम्मेदारी से खेलें : कैफ

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत को अब जिम्मेदारी से खेलना होगा। कैफ के अनुसार कप्तान होने के नाते उन्हें अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी , तभी वह टीम के अन्य खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर पायेंगे। कैफ के अनुसार वह अब सीनियर खिलाड़ी हैं और उन्हें कठिन हालातों में अंत तक टिके रहना चाहिये। वह इस सत्र में अभी तक केवल एक मैचम में ही अच्छी पारी खेल पाये हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उन्हें अपनी खेल की समझ में सुधार करते हुए लगातार अच्छे परिणामों के लिए जिम्मेदारी से खेलना होगा। सुपरजायंट्स को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए कड़े संघर्ष के बाद जीत मिली पर कप्तान केवल केवल 10 रन बना पाए थे और उनके शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाज भी असफल रहे। नये बल्लेबाज मुकुल चौधरी के नाबाद 54 रन की सहायता से सुपरजायंट्स ने ये मैच किसी प्राकर से जीता। इस दौरान देखा गया कि कप्तान के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही। कैफ ने कहा, टीम की हालत को देखते हुए उन्हें अंत तक खेलते रहना चाहिये। वह अनुभवी खिलाड़ी हैं, ओर पिछले एक दशक से खेल रहे हैं। केकेआर के खिलाफ जब वह बल्लेबाजी करने आए तो स्थिति कठिन नहीं थी। उस समय टीम ने पहले पांच ओवरों में ही 40 से अधिक रन बना लिए थे। ऐसे में किसी एक बल्लेबाज को जिम्मेदारी लेनी थी और अंत तक बल्लेबाजी करनी थी। यह भूमिका कप्तान को निभानी चाहिए थी। उन्होंने साथ ही कहा, कप्तान होने के नाते अगर आप जिम्मेदारी नहीं लेते हैं, तो आप अपनी टीम को मैच में जीत नहीं दिला सकते। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन उन्हें निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है। उन्हें मैच के हालातों के अनुसार और खेलते हुए ये सीखना होगा कि कब कैसी रणनीति अपनाने की जरुरत है। कैफ ने कहा, एक कप्तान का काम होता है कि वह लक्ष्य का पीछा करते हुए अंत तक खेलता रहे।

रवींद्र जडेजा ने रचा इतिहास: टी20 क्रिकेट में 4000 रन और 200 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में राजस्थान रॉयल्स के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस मुकाबले में जडेजा ने टी20 क्रिकेट में अपने 4000 रन पूरे किए और इसी के साथ वह टी20 फॉर्मेट में 4000 रन और 200 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि सिर्फ हार्दिक पांड्या ही हासिल कर पाए हैं। वैश्विक स्तर पर, जडेजा यह खास उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के 25वें खिलाड़ी बन गए हैं, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता को दर्शाता है। इस मैच में जडेजा ने गेंदबाजी में भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 2 ओवर के स्पेल में सिर्फ 14 रन खर्च किए और रोमारियो शेफर्ड का महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किया।

मैच की बात करें तो, राजस्थान रॉयल्स ने आरसीबी से मिले 202 रनों के विशाल लक्ष्य को 6 विकेट से अपने नाम किया। आरसीबी द्वारा निर्धारित 201 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की शुरुआत

हालांकि खराब रही, जब यशस्वी जायसवाल मात्र 13 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। लेकिन इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से फैंस का दिल जीत लिया। 15 साल के वैभव ने 300 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए सिर्फ 26 गेंदों में 78 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 7 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। वैभव के आगे आरसीबी के गेंदबाज बेबस नजर आए। वहीं, ध्रुव जुरेल ने भी अर्धशतकीय पारी खेलते हुए एक छोर संभाले रखा और नाबाद 81 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

इससे पहले, आरसीबी ने 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 201 रन बनाए थे। टॉप ऑर्डर के फ्लॉप होने के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 40 गेंदों में 63 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे। विराट कोहली अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और 16 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुए। वेंकटेश अय्यर ने 15 गेंदों में नाबाद 29 रन और रोमारियो शेफर्ड ने 22 रनों का योगदान दिया। यह इस सीजन में आरसीबी की पहली हार है, जबकि राजस्थान रॉयल्स ने लगातार चौथी जीत दर्ज करते हुए टूर्नामेंट में अपना विजयी अभियान जारी रखा है।

आईपीएल में खरीददार न मिलने पर राइली रुसो का बड़ा बयान, आईपीएल को बताया फिल्म

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज राइली रुसो ने आईपीएल को लेकर एक विवादास्पद बयान दिया है, जिसमें उन्होंने इस लीग को क्रिकेट कम और फिल्म ज्यादा बताया है, जबकि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की जमकर तारीफ की है। यह बयान तब आया है जब आईपीएल 2026 की नीलामी में उन्हें कोई खरीददार नहीं मिला और उन्होंने खुद इस साल नीलामी के लिए अपना नाम नहीं भेजा था। रुसो का यह रुख क्रिकेट प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बन गया है, खासकर उनके आईपीएल के साथ पुराने जुड़ाव को देखते हुए।

राइली रुसो का आईपीएल से रिश्ता पुराना रहा है। उन्होंने 2014 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स जैसी टीमों का भी हिस्सा रहे। हालांकि, वह इस लीग में कभी अपनी छाप नहीं छोड़ पाए और उनका प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। आईपीएल 2023 में दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 4.60 करोड़ रुपये में खरीदा था, जबकि आईपीएल 2024 में पंजाब किंग्स ने उन पर 8 करोड़ रुपये खर्च किए थे। बावजूद इसके, खराब प्रदर्शन के चलते पंजाब किंग्स ने उन्हें रिलीज कर दिया, और इसके बाद उन्हें अगले साल की नीलामी में कोई खरीददार नहीं मिला। अब वह पीएसएल में क्वेटा ग्लेडिएटर्स के लिए खेल रहे हैं। रुसो ने आईपीएल और पीएसएल की तुलना करते हुए कहा, दोनों लीग के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। आईपीएल एक बहुत लंबा टूर्नामेंट है, जबकि पीएसएल एक ज्यादा छोटा टूर्नामेंट है, जहाँ मुकाबला कहीं ज्यादा कड़ा होता है। उन्होंने आईपीएल पर तंज कसते हुए कहा, जाहिर है, आईपीएल को पूरे बॉलीवुड का समर्थन हासिल है, इसलिए यह असल क्रिकेट से ज्यादा एक फिल्म जैसा लगता है। यह टिप्पणी आईपीएल के ग्लैमर और उसके व्यापक प्रचार-प्रसार पर एक सीधा हमला है। उनके आईपीएल रिकॉर्ड की बात करें तो, रुसो ने कुल 22 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 23.65 की औसत से 473 रन बनाए हैं। इन आंकड़ों में कोई शतक शामिल नहीं है, और केवल कुछ ही अर्धशतक हैं, जो दर्शाता है कि वह आईपीएल में बड़े स्कोर बनाने में संघर्ष करते रहे हैं। एक समय आईपीएल टीमों द्वारा उन पर भारी-भरकम रकम खर्च की जा रही थी, तब उन्हें इस रंगारंग लीग से कोई दिक्कत नहीं थी। लेकिन जब उनकी परफॉर्मेंस में गिरावट आई और टीमों ने उनसे दूरी बनाना शुरू कर दी, तो उनका यह बयान सामने आया है, जो उनकी निराशा को उजागर करता है और क्रिकेट जगत में एक नई बहस छेड़ सकता है।

वैभव सूर्यवंशी के इंडिया डेब्यू की जोरदार मांग, क्या टूटेगा सचिन का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट जगत में इन दिनों 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का नाम हर किसी की जुबान पर है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने धमाकेदार प्रदर्शन से उन्होंने न केवल सबको चौंका दिया है, बल्कि टीम इंडिया में उनके डेब्यू को लेकर भी जोरदार बहस छिड़ गई है। उनकी असाधारण प्रतिभा को देखते हुए, ऐसी संभावना जताई जा रही है कि वे महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। सचिन ने 16 साल और 205 दिन की उम्र में भारत के लिए पदार्पण किया था।

आईपीएल के मौजूदा सीज़न में, राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे वैभव ने सिर्फ चार मैचों में 266.66 के अद्भुत स्ट्राइक रेट से 200 रन बनाए हैं, जिसमें दो ताबड़तोड़ अर्धशतक शामिल हैं। हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हुए मुकाबले में, उन्होंने अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाया। 26 गेंदों में 8 चौकों और 7 छक्कों की मदद से 78 रनों की तूफानी पारी खेलकर उन्होंने 202 रनों का लक्ष्य दो ओवर शेष रहते हासिल करने में अपनी टीम की मदद की। इस यादगार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

वैभव की इस शानदार फॉर्म से प्रभावित होकर, आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने उन्हें टीम इंडिया में डेब्यू का प्रबल दावेदार बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वैभव जैसा प्रतिभाशाली खिलाड़ी, इतनी कम उम्र में, भारत के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने का हकदार है। धूमल ने जोर देकर कहा कि ऐसे दुर्लभ मौके को भुनाना चाहिए। धूमल की इस पोस्ट पर प्रशंसकों की भी जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिली, जिसमें कई यूजर्स ने वैभव को अविश्वसनीय टैलेंट करार देते हुए उनके तत्काल डेब्यू की वकालत की।

यह उल्लेखनीय है कि 15 वर्षीय वैभव अब सीनियर पुरुष टीम के लिए खेलने के पात्र हो चुके हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अंडर-19 टीम में भी अपना जलवा दिखाया है, जहां उन्होंने वर्ल्ड कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 175 रन की एक शानदार पारी खेली थी। आईपीएल में, वे जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गज गेंदबाजों को भी चुनौती देने से नहीं हिचकिचाते। हाल ही में उन्होंने आरसीबी के अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की गेंदों पर लगातार तीन चौके जड़कर अपनी निर्भीक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। सामान्य तौर पर जहां 200 के स्ट्राइक रेट को बेहतरीन माना जाता है, वहीं वैभव ने कई बार 300 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। उनकी बल्लेबाजी देखकर ऐसा लगता है कि वह सिर्फ रिकॉर्ड बनाने नहीं, बल्कि क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाजी की एक नई परिभाषा गढ़ने आए हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर अब दबाव बढ़ रहा है कि वे इस युवा सनसनी को जल्द से जल्द अंतरराष्ट्रीय मंच पर मौका दें।

हॉकी इंडिया सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप 2026 : राजगीर में महिला व पुरुष वर्ग के फाइनल तय

राजगीर । बिहार/ बिहार के राजगीर में चल रही हॉकी इंडिया सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप 2026 का रोमांच अपने चरम पर पहुँच गया है। डिवीजन ए में पुरुष और महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले तय हो चुके हैं, जिससे खिताब के लिए रोमांचक जंग की उम्मीद बढ़ गई है। सभी मुकाबले 12 अप्रैल को राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। पुरुष वर्ग के फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश का सामना हॉकी उत्तर प्रदेश से होगा, जबकि महिलाओं के फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश की टीम गत चैंपियन हॉकी झारखंड से भिड़ेगी। इन मुख्य मुकाबलों के अतिरिक्त, तीसरे स्थान के लिए भी दिलचस्प मैच खेले जाएंगे। महिलाओं के वर्ग में हॉकी ओड़िशा और हॉकी उत्तर प्रदेश कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, वहीं पुरुषों में दादरा और नागर हवेली और दमन और दीव हॉकी का मुकाबला हॉकी पंजाब से होगा। सेमीफाइनल मुकाबलों की बात करें तो, पुरुष वर्ग में मध्य प्रदेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दादरा और नगर हवेली व दमन और दीव को 4-2 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। दूसरी ओर, हॉकी उत्तर प्रदेश ने एक कड़े मुकाबले में पिछले साल के चैंपियन पंजाब को 6-2 से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला पिछले साल के तीसरे स्थान के मैच का रीमैच भी था, जिसमें यूपी ने जीत दर्ज की थी। इस बार उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी गोल स्कोरिंग में भी आगे रहे हैं, जहाँ शाहरुख अली 14 गोल के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर बने हुए हैं। उनके साथी खिलाड़ी नीतीश यादव ने अपने सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से दागे हैं, जबकि दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव के धीरज पाल भी पांच गोल के साथ प्रभावशाली खिलाड़ियों में शामिल हैं। महिला वर्ग में भी मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। मध्य प्रदेश और झारखंड दोनों ही टीमों ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

सिद्धार्थ आनंद की अगली हॉरर फिल्म का हिस्सा होंगे अभिषेक बच्चन

अभिषेक बच्चन ने अपने अब तक के करियर में अलग-अलग जॉनर की फिल्म की हैं, लेकिन एक खास जॉनर करने से वह चूके गए हैं। अब वह सिद्धार्थ आनंद की अगली हॉरर फिल्म का हिस्सा होंगे। इस फिल्म की कहानी को लेकर भी अपडेट सामने आया है।

इस जॉनर में अभिनय करेंगे अभिषेक बच्चन

'किंग' फिल्म के डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद अपनी मारफिक्स बैनर तले एक हॉरर फिल्म बनाएंगे। इस फिल्म में ही अभिषेक बच्चन अभिनय करेंगे। कहानी के बारे में बात करें तो यह फिल्म एक पिता और बेटी के इमोशनल रिश्ते पर होगी। फिल्म की बड़े स्तर पर वीएफएक्स का काम भी किया जाएगा। वैसे अब तक इस बात की ऑफिशियल अनाउंसमेंट मेकर्स ने नहीं की है।

फिल्म 'किंग' में नेगेटिव रोल कर रहे हैं

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अभिषेक बच्चन फिल्म 'किंग' में नेगेटिव रोल कर रहे हैं। इस फिल्म में शाहरुख खान लीड रोल में हैं। वहीं किंग खान की बेटी सुहाना खान भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म के टीजर में शाहरुख खान एक्शन अंदाज में नजर आए थे।

रोल में एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं अभिषेक

अभिषेक बच्चन के पास एक और फिल्म है, जिसे रितेश देशमुख ने निर्देशित किया है। फिल्म का नाम 'राजा शिवाजी' है। यह एक ऐतिहासिक फिल्म है जो छत्रपति शिवाजी महाराजा पर होगी। अभिषेक बच्चन की पिछली फिल्म 'कालीधर लापता' थी, यह एक इमोशनल ड्रामा फिल्म थी। इस फिल्म के लिए अभिषेक को काफी सराहा गया था।

आलिया और अनुष्का शर्मा से लेकर प्रियंका तक, इन अभिनेत्रियों ने किया फिल्म का निर्माण

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा की है। 'डोंट बी शाय' का निर्माण आलिया खुद कर रही हैं। इससे पहले भी आलिया कई फिल्मों का निर्माण कर चुकी हैं। जानिए उन अभिनेत्रियों के बारे में जिन्होंने अभिनय के बाद फिल्म निर्माण में कदम रखा है।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट ने अपनी नई फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा की है। आलिया ने मुंबई में एक कार्यक्रम में बताया कि वह अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर फिल्म 'डोंट बी शाय' का निर्माण करेंगी। आलिया भट्ट ने अपनी नई फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा कर फैंस को खुश कर दिया है। इससे पहले उन्होंने 'डार्लिंग्स' और 'जिग्रा' जैसी फिल्मों का भी सह-निर्माण किया है।

अनुष्का शर्मा

अनुष्का ने 2013 में 'क्लीन स्लेट' फिल्म्स शुरू की थी। उन्होंने 'NH10' और 'पाताल लोक' जैसी अच्छी फिल्मों का निर्माण किया है। 2022 के बाद उन्होंने प्रोडक्शन की जिम्मेदारी कम कर दी, लेकिन उनका बैनर अभी भी अच्छी और अलग तरह की फिल्में बना रहा है।

दीपिका पादुकोण

दीपिका का प्रोडक्शन हाउस अच्छी और समाज को मैसेज देने वाली कहानियां बनाने पर जोर देता है। उन्होंने 'छपाक' से शुरुआत की और फिर '83' जैसी बड़ी फिल्म बनाई। 2026 में भी दीपिका कई बड़ी फिल्मों का निर्माण कर सकती हैं।

प्रियंका चोपड़ा जोनस

प्रियंका ने अपनी निर्माण कंपनी बनाई ताकि छोटी-बड़ी और क्षेत्रीय फिल्मों को आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने 'वेंटिलेटर' जैसी पुरस्कार जीतने वाली फिल्म से लेकर 2026 की हॉलीवुड एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' तक काम किया है। वह अलग-अलग तरह की कहानियों को बड़ा प्लेटफॉर्म देती हैं।

प्रियदर्शन ने बताया क्यों 'धुरंधर द रिवेंज' से खास है 'भूत बंगला'

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर -2' अनुमान के मुताबिक ही कमाई कर रही है। इसी वजह से कई मेकर्स ने अपनी रिलीज डेट भी आगे बढ़ा दी थी। मगर फिल्म भूत बंगला के लिए फिल्म मेकर प्रियदर्शन पूरी तरह आश्वस्त हैं। उनका कहना है कि फिल्म पूरी तरह पारिवारिक है।

'धुरंधर 2' से कोई मुकाबला नहीं

'धुरंधर 2' की तगड़ी कमाई के बाद अब दूसरी फिल्म अक्षय कुमार की हॉरर कॉमेडी 'भूत बंगला' भी जल्द रिलीज होने वाली है। जिसे लेकर प्रियदर्शन को फिल्म की कमाई पर कोई संदेह नहीं है। हाल ही में पीटीआई को दिए अपने इंटरव्यू में फिल्ममेकर ने खुलकर अपनी आगामी फिल्म की जानकारी दी। साथ ही यह भी कहा कि 'धुरंधर 2' को आक्रामक सीन्स की वजह से बच्चों के साथ नहीं देख सकते मगर 'भूत बंगला' एक ऐसी फिल्म है जिसे आप बच्चों के साथ भी देख सकते हैं।

क्यों बनाते हैं सिर्फ कॉमेडी फिल्में

निर्देशक प्रियदर्शन ने अक्षय कुमार के साथ कई फिल्में की हैं। जिनमें हेरा फेरी, गरम मसाला और भूल भुलैया जैसी फिल्में हिट रही हैं। उन्होंने अपनी बातचीत में कहा, 'मैं सोचता हूं कि लोग अलग-अलग कहानियां देखना पसंद करते हैं। 'भूत बंगला'पूरी तरह से एक मनोरंजक फिल्म है। जो

लोगों की रूचि और उनका मन लगा कर रखेगी। हमने फिल्म में किसी भी तरह का कोई डबल मीनिंग वाला शब्द नहीं रखा है। जिससे फिल्म को बच्चों के साथ भी देखा जा सकता है। इस बात को मैंने अपने करियर की शुरूआत से एक आदर्श बना कर रखा है। मैं इंटेंस ड्रामा वाली फिल्में बनाने से बचता हूं।'

'भूत बंगला' जल्द होगी रिलीज

'भूत बंगला' को लेकर प्रियदर्शन ने बताया कि इस फिल्म में भी कई ऐसे सीन हैं जो बेहद तनावपूर्ण हैं, लेकिन इसमें कई कॉमेडी सीन भी हैं। तो यह एक अच्छा संयोजन है। लोगों को दोनों पसंद आते हैं। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार के साथ परेश रावल, तब्बू, वामिका गब्बी, मिथिला पालकर, राजपाल यादव और असरानी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'भूत बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

एक बार फिर हॉरर की दुनिया में वापसी करने वाले हैं अजय देवगन

अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी फिल्मों 'दृश्यम 3' और 'गोलमाल 5' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उनकी एक और आगामी फिल्म को लेकर दिलचस्प खबर सामने आई है। अजय देवगन एक बार फिर हॉरर की दुनिया में वापसी करने वाले हैं। अजय देवगन एक बार फिर हॉरर फिल्म में नजर आएंगे। इसके लिए उन्होंने 'सरदारजी' फ्रेंचाइजी के निर्देशक रोहित जुगराज के साथ हाथ मिलाया है।

अजय देवगन 'भूत' (2003) और 'काल' (2005) जैसी हॉरर फिल्मों में दर्शकों का मनोरंजन कर चुके हैं। अब कथित तौर पर एक्टर एक बार फिर हॉरर मूवी में नजर आएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, अजय देवगन ने हॉरर फिल्म के लिए रोहित जुगराज के साथ हाथ मिलाया है। फिलहाल मेकर्स इस प्रोजेक्ट के प्री-प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर कुमार मंगत हैं और फिलहाल वे इसे एक हाई कॉन्सेप्ट के रूप में बनाने की तैयारी में हैं।

कास्टिंग पर चल रहा है काम

फिलहाल प्रोजेक्ट का नाम तय नहीं है। कहा जा रहा है कि इसमें एक बोल्ड, हाई-कॉन्सेप्ट वाली डरावनी कहानी दर्शकों को देखने को मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्र ने कहा कि यह फिल्म पारंपरिक हॉरर फिल्मों से अलग होगी। फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर लंदन में होगी। फिल्म के लिए कास्टिंग का काम भी चल रहा है। टीम ऐसे कलाकारों को एक साथ लाने की कोशिश कर रही है, जो अजय देवगन की दमदार ऑन-स्क्रीन मौजूदगी को और भी निखार सकें। हॉरर जॉनर में अजय देवगन की वापसी की खबर ने दर्शकों को उत्साहित कर दिया है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी इसे लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट्स की मानें तो जुलाई से फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है। अजय देवगन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे इन दिनों 'गोलमाल 5' की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह फिल्म साल 2027 में दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

संजय दत्त की 'आखिरी सवाल' 15 मई को होगी रिलीज

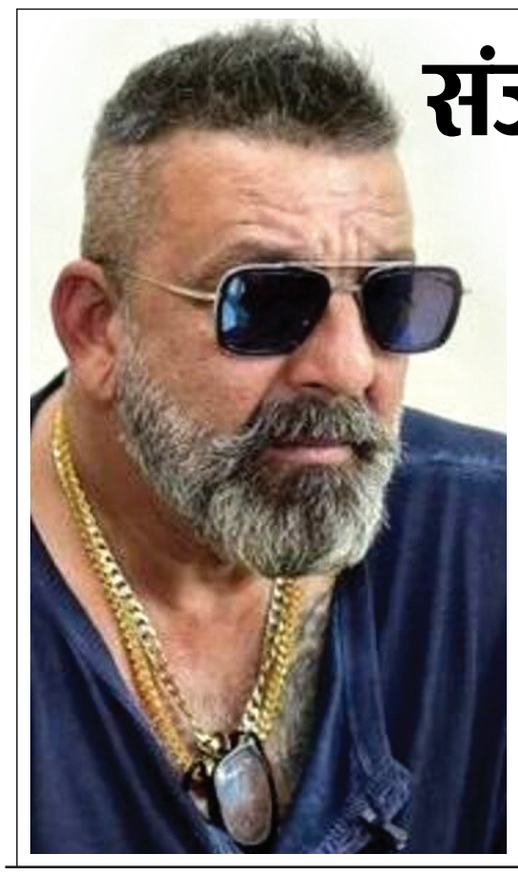

एक तरफ जहां संजय दत्त की नई फिल्म 'आखिरी सवाल' की रिलीज डेट सामने आ गई है, वहीं सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्टारर 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की रिलीज आगे खिसक गई है। अब वन की रिलीज डेट पर 'आखिरी सवाल' आएगी और 'वन' 28 अगस्त को रिलीज होगी।

'धुरंधर 2' में चौधरी असलम के किरदार से गर्दा उड़ाने के बाद संजय दत्त अब नई फिल्म 'आखिरी सवाल' में नजर आएंगे, जिसका नया पोस्टर सामने आया है। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान किया गया है। दूसरी ओर, सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्टारर 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की नई रिलीज डेट भी सामने आई है। पहले यह फिल्म 15 मई को थिएटर्स में आने वाली थी, पर अब यह आगे खिसका दी गई है। अब इसकी जगह 15 मई को संजय दत्त की 'आखिरी सवाल' रिलीज होगी। यहां दोनों फिल्मों की कहानी और रिलीज डेट से जुड़ी सारी जानकारी दे रहे हैं:

'आखिरी सवाल' के नए पोस्टर में संजय दत्त

सबसे पहले बात 'आखिरी सवाल' की। फिल्म की पहली झलक सामने आने के बाद से ही फैंस के बीच इसे लेकर खलबली मच नए पोस्ट और रिलीज डेट ने तहलका मचा दिया है। 'आखिरी सवाल' 15 मई को थिएटर्स में रिलीज होगी। इसे नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्ममेकर अभिजीत मोहन वारंग ने डायरेक्ट किया है। 'आखिरी सवाल' में आजादी से पहले के दौर की अनकही सच्चाइयों को पहली बार दिखाया जाएगा। 'आखिरी सवाल' के पोस्टर में उस गंभीरता और विषय की सही झलक है, जिसे फिल्म में दिखाया जाएगा। एक बड़े 'क्वेश्चन मार्क' के बीच संजय दत्त का संजीदा चेहरा इस पोस्टर को काफी दिलचस्प बना रहा है, जिससे फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। इसकी टैगलाइन इसे और भी दमदार बनाती है, और वो है- वो सवाल जो भारत ने पूछना कभी बंद नहीं किया। यह अपने आप में इशारा करता है कि फिल्म एक ऐसे विषय पर आधारित है, जिससे भारत लंबे समय से जूझ रहा है। 'आखिरी सवाल' में RSS के सफर की भी कहानी इसके अलावा, 'आखिरी सवाल' दर्शकों के सामने भारत के सबसे पुराने और एकजुट संगठनों में से एक- RSS के 100 साल के सफर की सच्ची कहानी भी बताएगी। इसकी स्थापना साल 1925 में केशव बलिराम हेडगेवार ने की थी। दर्शकों को एक ऐसी महत्वपूर्ण मीटिंग देखने को मिलेगी, जिसने भारत के भविष्य को बदल दिया। यह फिल्म इतिहास की उन कहानियों से कहीं आगे जाएगी, जो हमारी किताबों में भी नहीं मिलतीं। यह राष्ट्र के लिए निस्वार्थ सेवा के मूल विचार पर रोशनी डालती है और दर्शकों को उन सच्चाइयों से रूबरू कराने का वादा करती है जो अब तक अनकही और अनदेखी रही हैं।

'आखिरी सवाल' में संजय दत्त के अलावा अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, त्रिधा चौधरी और नीतू चंद्रा जैसे स्टार्स हैं। जबकि प्रोड्यूसर निखिल नंदा और संजय दत्त हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की 'वन' 28 अगस्त को होगी रिलीज

अब बात सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट की' की। यह एक फोक थ्रिलर है, जो पहले 15 मई को रिलीज होने वाली थी, पर अब 28 अगस्त को रक्षाबंधन के मौके पर थिएटर्स में दस्तक देगी। इसकी जानकारी ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने ङ्क पर एक ट्वीट में दी है। 'वन' को अङ्कस्र के अरुणाभ कुमार और दीपक मिश्रा ने डायरेक्ट किया है। वहीं, प्रोड्यूसर एकता कपूर और उनकी मॉम शोभा कपूर हैं। 'वन' की कहानी प्राचीन लोक कथाओं और भारत के मंदिरों पर आधारित बताई जाती है। फिल्म की शूटिंग रियल लोकेशंस पर की जा रही है, जिसमें मध्य भारत के घने जंगल भी शामिल हैं।

स्वामी, प्रकाशक, संपादक : अली आदिल खान द्वारा सांई प्रिन्टिग प्रेस डी-85, न्यू अशोक नगर, नोएडा, गौतमबुद्धनगर यूपी से मुद्रित कराकर सी-148, साउथमोती बांग, पो0 चान्यक्यपुरी, नई दिल्ली-110021 से प्रकाशित किया।
RNI.No. : DELMUL/2012/47011 Email.timesofpedia@gmail.com